3 बस्तर संभाग
नक्सल प्रभावित ग्राम काचीररास पहुंची दीपिका ग्रामीणों की...

6 अभिमत
अर्थव्यवस्था में सहकारिताओं का योगदान

10 संस्कारधानी
गजराज का कहरः जंगल से लगी बस्ती...

11 विविध
राज्य मे खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं, खेल गतिविधियों...

रायपुर, लखनऊ, नई दिल्ली और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर
हमेशा सच के साथ
RNI NO. CHHHIN/2016/70655
www.dailypioneer.com रायपुर, रविवार 26 सितम्बर 2021 पृष्ठ-12 वर्ष-06, अंक- 39 मूल्य 3.00 ₹

क्विक न्यूज़

वेन और ट्रक में टक्कर, छह युवकों की मौत, पांच घायल

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के चाकसू क्षेत्र में सुबह ट्रक और वेन की टक्कर में छह युवकों की मौत हो गई तथा पांच अन्य घायल हो गए हैं। पुलिस के अनुसार वैन में 11 युवक सवार थे। ये सभी लोग बारां से सीकर रीट की परीक्षा देने के लिए जा रहे थे। राष्ट्रीय राजमार्ग 12 पर निमोडिया कट के पास यह ईको वैन बेकाबू होकर ट्रेलर में जा घुसी। हादसे में वैन सवार चालक सहित छह परीक्षार्थियों की मौत हो गई।

नैनो डीएपी, जिंक और कॉपर भी जल्दी आयेगा : अवस्थी

नयी दिल्ली। इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव (इफको) ने कृषि लागत में कमी के उद्देश्य से जल्दी ही नैनो डीएपी , नैनो जिंक और नैनो कापॅर बाजार में उतारने की आज घोषणा की। इफको के प्रबंध निदेशक उदय शंकर अवस्थी ने राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन कों सम्बोधित करते हुए कहा कि कम्पनी पहले ही नैनो यूरिया बाजार में उतार चुकी है और अब जल्दी ही नैनो डीएपी , नैनो जिंक और नैनो कापॅर उतारा जायेगा। उन्होंने कहा कि कम्पनी के कलोल संयंत्र में नैनो यूरिया का उत्पादन किया जा रहा है जिससे किसानों की खेती की लागत में कमी आयी है और फसलों का उत्पादन भी बढा है। उन्होंने कहा कि इफको से करीब पांच करोड़ किसान और 35282 सहकारी समितियां जुड़े हैं।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख देश के अभिन्न अंग अवैध कब्जा तुरंत खाली करे पाकिस्तान : भारत

न्यूयॉर्क। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की ओर से जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाये जाने पर करारा जवाब देते हुए कहा है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हमेशा भारत का अभिन्न एवं अविभाज्य हिस्सा थे, हैं और रहेंगे तथा पाकिस्तान यहां से अपना अवैध कब्जा तुरंत खाली करे। संयुक्त राष्ट्र मिशन में भारत की प्रथम सचिव स्नेहा दुबे ने यूएनजीए में मजबूती से भारत का पक्ष रखते हुए कहा, मैं यहां एक बार फिर कहना चाहती हूं कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हमेशा भारत का अभिन्न एवं अविभाज्य हिस्सा थे, हैं और रहेंगे। इनमें वे क्षेत्र भी शामिल हैं।

शराब के नशे में केयर टेकर और चौकीदार ने दिव्यांग केंद्र में नाबालिक बच्चियों से किया दुष्कर्म

पायनियर संवाददाता ‹ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

गरीब दिव्यांग बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास के लिए समर्थ संस्था में दिव्यांग बालिकाओं के साथ दुष्कर्म और छेड़छाड़ की खबर सामने आई है। खबर सामने आते ही मामले की पुलिसिया जांच की गई जिसमें केयर टेकर और केंद्र के चौकीदार के द्वारा नाबालिग दिव्यांग बालिका के साथ दुष्कर्म करने की पुष्टि हुई है। जांच के बाद दुष्कर्म के दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक दिव्यांग आदिवासी बालिकाओं के साथ छेड़छाड़ करने और एक बालिका के साथ दुष्कर्म किए जाने की जानकारी संस्था के संचालक जिला मिशन समन्वयक के द्वारा छिपाने का प्रयास भी किए जाने की बात सामने आ रही है। दिव्यांग बालिका के साथ दुष्कर्म की घटना से जिला शर्मसार हो रहा है। वहीं मामले की जानकारी मिलने के बाद शनिवार की बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय भी समर्थ केंद्र का जायजा लेने दिव्यांग केंद्र पहुंचे थे। उन्होंने कड़ी कार्रवाई की मांग जिला प्रशासन से की है।

24 को किया एफआईआर

दिव्यांग आदिवासी बालिकाओं को अपने हवश का शिकार बनाने वाले आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल दाखिल कराने की जगह घटना को छिपाने की कोशिश के आरोप जिला मिशन समन्वयक विनोद पैंकरा पर लग रहे हैं। दरअसल 22 सितंबर की रात घटना घटित होने के बाद 24 सितंबर को इसकी जानकारी पुलिस को दी गई।

यह था मामला

समर्थ केंद्र के अधीक्षक संजय राम ने बताया कि वर्तमान में उनकी ड्युटी आत्मानंद उत्कृष्ठ विद्यालय जशपुर में है। साथ ही उन्हें दिव्यांग केंद्र के अधीक्षक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। घटना 22-23 सितंबर की दरम्यानी रात की है। उस रात वहां 22 दिव्यांग बालक और 12 बालिकाएं मौजूद थीं। बालक और बालिकाओं के लिए अलग-अलग व्यवस्था रखी गई है। रात 11 बजे सभी अपने-अपने कमरे में सो रहे थे। वहीं अचानक संस्था में पदस्थ केयर टेकर राजेश राम और चौकीदार नरेंद्र भगत शराब के नशे में पहुंचे और दिव्यांग बालिकाओं के साथ छेड़छाड़ करने लगे। बालिकाएं बचाव के लिए गुहार लगाती रहीं और वे दरिंदों की तरह उन्हें परेशान करते रहे। बालिकाओं को धक्का भी दिए और एक साथ दुष्कर्म को अंजाम दिया।

स्वीपर को किया रूम में बंद

बालिकाओं के साथ दुर्व्यहार करने की आवाज सुनकर केंद्र में मौजूद स्वीपर कुमारी बाई वहां पहुंची तो आरोपियों ने उसे बाथरूम में बंद कर दिया। कुमारी बाई ने मामले की जानकारी फोन के माध्यम से अधीक्षक संजय राम को दी जिसके बाद संजय राम वहां पहुंचकर राजेश राम और नरेंद्र भगत को भगाया और इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी।

मामले की जानकारी मिलने के दूसरे दिन ही आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दिया गया था। दबाने या छिपाने का प्रयास बिल्कुल भी नहीं किया गया है।
विनोद पैंकरा, डीएमसी जशपुर

दुष्कर्म के आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। मामले में आगे और जांच की जा रही है।
आरएस परिहार, एसडीओपी जशपुर

प्रधान पाठक शराब पीकर स्कूल में पड़ा है, तो कही बेटियों के साथ शराब के नशे में दुष्कर्म किया जा रहा है

रायपुर। जशपुर के दिव्यांग प्रशिक्षण केंद्र में नाबालिग दिव्यांग बच्ची से दुष्कर्म और छेड़छाड़ को पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है. उन्होंने कहा कि कहीं प्रधान पाठक शराब पीकर स्कूल में पड़ा है, तो कहीं बेटियों के साथ ऐसी घटना हो रही है. प्रदेश में शासन तंत्र नाम की कोई चीज नहीं है. बेटियां सुरक्षित नहीं है। जशपुर जिले में डीएमएफ मद से संचालित समर्थ आवासीय दिव्यांग प्रशिक्षण केंद्र में एक दिव्यांग बच्ची से रेप और छेड़छाड़ की गई है। नाबालिग दिव्यांग छात्राओं से आधी रात दो कर्मचारियों ने कुकर्म किया है. इतना ही नहीं दिव्यांग छात्राओं के कपड़े फाड़कर परिसर में दौड़ाया गया है।

जशपुर की घटना दुर्भाग्यपूर्णः दोषी पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की गयी है

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष त्रिवेदी ने कहा है कि जशपुर छात्रावास में रहने वाली छात्राओं के साथ हुयी घटना बेहद दुखद है। इस मामले की जानकारी मिलते ही तत्काल कड़ी कार्रवाई की गई है। आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। विपक्ष इस मामले में असंदेनशील गैर जिम्मेदाराना राजनीति कर रहे हैं।

नरदहा में शराब बनाने की अवैध फैक्ट्री, नकली कंपनियों के रैपर बरामद

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान चलाकर राजधानी में चल रहे शराब, गांजा, अफीम के अड्डों में छापामार कर ताबड़तोड़ कार्रवाई कर पुलिस ने नकली शराब बनाने की फैक्ट्री का खुलासा किया है। नरदहा विधानसभा रोड स्थित अवैध शराब फैक्ट्री बनाने का खुलासा हुआ है। वहां से पुलिस ने शराब बनाने की मशीन, खाली शीशी, ढक्कन, स्प्रिट और नकली कंपनियों के रैपर बरामद किए है। विभाग ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. ये पूरी कार्रवाई आबकारी विभाग द्वारा की गई है. आबकारी उपायुक्त अरविंद पाटले ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर तड़के सुबह बलौदा बाजार रोड विधानसभा चौक के पास संदिग्ध वाहन की तलाश ली गई। इस दौरान वाहन में भरी 40 पेटियों में 2 हजार बोतल, कुल 360 बल्क लीटर गोवा फॉर सेल मध्यप्रदेश की शराब और शराब निर्माण सामग्री जब्त की गई है। वाहन चालक आरोपी सतनाम सिंह निवासी हाउसिंग बोर्ड कालोनी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ करने पर मध्यप्रदेश जाकर शराब लाना बताया है। जब्त शराब की कुल कीमत करीबन 3 लाख रुपए के आस-पास आंकी गई है। आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। आरोपी से पूछताछ में नरदहा स्थित एक गैरेज नुमा जगह का खुलासा हुआ है। जहां सर्विस सेंटर की आड़ में नकली शराब बनाई जा रही थी। जानकारी के मुताबिक आरोपी के इस अवैध कारोबार के खेल में उसके बच्चे और पत्नी भी शामिल है।

नड्डा ने दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें नमन किया

वार्ता ‹ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि देते हुए कहा है कि भारतीय जनसंघ की स्थापना और उसकी विचारधारा को एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के रूप में स्थापित करने की नींव उपाध्याय ने डाली थी जो भाजपा के रूप में न केवल दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है बल्कि मानवता की सेवा का एक जरिया भी बनी है। नड्डा ने भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय में स्वर्गीय उपाध्याय की 105वीं जन्म जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से उनके जीवन से प्रेरणा लेकर पार्टी को मजबूत बनाने की अपील की। उन्होंने कहा, उपाध्याय बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। वह समाज के प्रति संवेदनशील और समर्पित थे। सरकारी नौकरियों के बावजूद उन्होंने अपने आपको समाज के प्रति समर्पित करना तय किया। जब जन संघ की स्थापना हुई तो उन्होंने जन संघ के प्रथम महामंत्री के रूप में कार्य किया। बाद में पार्टी के कालीकट अधिवेशन में वे भारतीय जन संघ के अध्यक्ष भी चुने गए। नड्डा ने कहा कि उपाध्याय की राजनीतिक यात्रा बहुत ही छोटी थी लेकिन इतनी कम अवधि में ही उन्होंने जन संघ को बढ़ाने और उसे एक राष्ट्रीय पार्टी के रूप में प्रतिष्ठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह एक ऐसे राजनेता थे जिनमें तीनों गुण मौजूद थे। वह एक सफल राजनेता भी थे, कुशल संगठक भी थे और महान विचारक भी थे।

अदालतों की सुरक्षा में बड़े बदलाव किये जाएंगेः अस्थाना

वार्ता ‹ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने शनिवार को कहा कि रोहिणी की घटना से सबक लेते हुए सभी संबंधित पक्षों से विचार-विमर्श के आधार पर अदालतों की सुरक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव किये जाएंगे। अस्थाना ने दिल्ली बार काउंसिल के अध्यक्ष राकेश सहरावत से मुलाकात के दौरान सभी अदालत परिसरों में एक सप्ताह में बड़े बदलाव के साथ सुरक्षा के चाकचौबंद इंतजाम करने के आश्वासन दिये।

पुलिस आयुक्त से मुलाकात के बाद श्री सहरावत ने 'यूनीवार्ता' को बताया कि रोहिणी में भरी अदालत में न्यायाधीश के सामने गोलीबारी और तीन बदमाशों के मारे जाने की शुक्रवार की घटना के मद्देनजर दिल्ली बार काउंसिल का एक प्रतिनिधिमंडल आज श्री अस्थाना से मिला। उन्हें सुरक्षा संबंधी चिंताओं से अवगत कराया गया तथा समुचित सुरक्षा देने की मांग की गयी। प्रतिनिधिमंडल ने न्यायाधीशों, वकीलों, न्यायिक कार्यों से जुड़े कर्मचारियों एवं अधिकारियों, सुनवायी के दौरान आने वाले विचाराधीन कैदियों एवं अन्य आरोपियों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की गई। प्रतिनिधिमंडल में काउंसिल के उपाध्यक्ष हिमाल अख्तर और सेक्रेटरी अजयेन्द्र सांगवान भी शामिल थे। अस्थाना से मुलाकात के दौरान वकीलों ने घटना को शर्मनाक बताया और कहा कि इससे विदेशों में भी भारत की छवि खराब हुई है। विदेशों में यह संदेश गया है कि राजधानी की अदालत में न्यायाधीश तक बदमाश आसानी से खतरनाक हथियार लेकर जा सकते हैं। इस बात का ध्यान रखते सुरक्षा इंतजाम करने में किसी प्रकार की देरी या कोताही न की जाये। सहरावत ने बताया कि नयी दिल्ली के जयसिंह मार्ग के पुलिस मुख्यालय पर करीब 45 मिनट तक चली वार्ता के दौरान पुलिस आयुक्त ने रोहिणी की घटना में पुलिस की सुरक्षा चूक को स्वीकार किया। अस्थाना ने एक सप्ताह के भीतर सुरक्षा संबंधी सभी इंतजाम करने का आश्वासन देते हुए बार काउंसिल से इसके लिए सुझाव देने को कहा। पुलिस आयुक्त के साथ वकीलों के प्रतिनिधिमंडल की बातचीत के दौरान दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (इंटेलिजेंस) दीपेंद्र पाठक, विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) देवेश चंद्र श्रीवास्तव, विशेष पुलिस आयुक्त (सुरक्षा) इंद्र देव शुक्ला आदि पुलिस के आला अधिकारी मौजूद थे। सहरावत ने बताया कि एक सप्ताह के भीतर दिल्ली की सभी जिला अदालतों के एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनके सुझाव लिये जाएंगे। उनके सुझावों के बाद एक बार फिर पुलिस आयुक्त से मिलकर सुरक्षा संबंधी उपायों को अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि रोहिणी अदालत परिसर में सुरक्षा के मामले में लापरवाही का आलम यह था कि मेटल डिटेक्टर और सीसीटीवी कैमरे तक काम नहीं कर रहे थे।

कांग्रेस का किसानों के भारत बंद को समर्थन देने का एलान

एजेंसी ‹ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

कांग्रेस ने कहा है कि किसानों के साथ अन्याय हो रहा है और सरकार उनकी जायज मांगों को नहीं सुन रही है इसलिए पार्टी 27 सितंबर को किसानों के भारत बंद का समर्थन करेगी। कांग्रेस प्रवक्ता गौरव बल्लव ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार मंडियों को खत्म कर रही है और कृषि विरोधी कानूनों के जरिये किसानों को तबाह करने की योजना पर काम कर रही है इसलिए कांग्रेस किसानों के साथ में खड़ी है और उनके भारत बंद का समर्थन कर उसे सफल बनाने के लिए पुरजोर कोशिश करेगी। प्रवक्ता ने कहा कि सरकार किसानों को नुकसान पहुंचाने की अपनी नीति पर अड़ी है और वह किसानों से बात तक नहीं कर रही है। उनका कहना था कि आंदोलन कर रहे किसानों के साथ सरकार ने जनवरी से अब तक कोई बात नहीं की है। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने गेहूं पर न्यूनतम समर्थन मूल्य 40 पैसा प्रति किलो बढ़ाया है जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो वह एमएसपी को वैधानिक दर्जा देने की बात करते थे लेकिन आज वह मुकर रहे है। उनका कहना था कि मोदी सरकार किसानों के कल्याण की बात तो करती है लेकिन असलियत यह है कि उसके शासन में किसान का संकट लगातार बढ़ रहा है जबकि कोरोना के समय किसान ने तीन प्रतिशत की ग्रोथ कर देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने का काम किया था। उन्होंने कहा कि किसानों के कल्याण की बात करने वाली मोदी सरकार में पिछले सात साल के दौरान कृषि पर लागत 25 हजार रुपए बढ़ी है और किसान की प्रतिदिन आय 27 रुपए रह गई है।

सिंहदेव ने कहा छत्तीसगढ़ पूरे देश में एक 'मॉडल स्टेट' के रूप में उभर रहा है

छत्तीसगढ़ सरकार वनौषधियों से जुड़े उद्योगों की स्थापना के लिए हरसंभव सहायता देगी : सीएम बघेल

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश में वनौषधियों से जुड़े उद्योगों की स्थापना के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी। इसके लिए कच्चा माल, जमीन, श्रम और जरूरी अधोसंरचनाएं सरकार प्राथमिकता से मुहैया कराएगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इंडियन फॉर्मासिस्ट एसोशिएशन, छत्तीसगढ़ द्वारा राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रेक्षागृह में विश्व फॉर्मासिस्ट दिवस के मौके पर आयोजित कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में वनौषधियां प्रचुर मात्रा में मौजूद है। यहां का 44 प्रतिशत भू-भाग वन क्षेत्र है, जहां विभिन्न प्रकार की वनौषधियां बहुतायत में मिलती हैं। उन्होंने फॉर्मासिस्टों को आह्वान करते हुए कहा कि वे यहां दवा और वनौषधि से संबंधित उद्योगों की स्थापना के लिए आगे आएं। स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव तथा राज्यसभा सांसदद्वय छाया वर्मा और फूलोदेवी नेताम भी कॉन्फ्रेंस में शामिल हुईं। मुख्यमंत्री बघेल ने मुख्य अतिथि के रूप में कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया के सभी दवा निर्माताओं का छत्तीसगढ़ में स्वागत है। यहां दवा उद्योग स्थापित करने के इच्छुक व्यक्ति या समूह राज्य के हों या राज्य के बाहर के हों, सरकार उन्हें सभी आवश्यक संसाधन, सुविधाएं और छूट प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्थापित होने वाले वनौषधि इकाईयों को लघु वनोपज संघ द्वारा निर्धारित दरों पर ही कच्चा माल उपलब्ध कराया जाएगा। स्थानीय स्तर पर उत्पादित दवाईयों को आयुष एवं स्वास्थ्य विभाग बिना किसी निविदा के सीधे खरीद सकता है। मुख्यमंत्री ने कॉन्फ्रेंस में कहा कि जेनेरिक दवाईयों को लोकप्रिय बनाने में फॉर्मासिस्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। जेनेरिक दवाओं का उपयोग बढ़ाकर कम खर्चे में लोगों को इलाज उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने प्रदेश में कोरोना संक्रमण के नियंत्रण एवं रोकथाम में फॉर्मासिस्टों के साथ ही डॉक्टरों, नर्सों, तकनीशियनों, ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक व स्वयंसेवी संगठनों तथा शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों के योगदान की खुले दिल से तारीफ की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के कठिन दौर में समाज के सभी वर्गों का महत्वपूर्ण सहयोग मिला। पूरा प्रदेश एकजुट होकर कोरोना से लड़ा और इस पर विजय पाई। स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ पूरे देश में एक 'मॉडल स्टेट' के रूप में उभर रहा है। यहां होने वाले नवाचारों और नई पहलों पर पूरे देश की नजर रहती है। कोरोना काल में डॉक्टरों और अन्य मेडिकल स्टॉफ के साथ फॉर्मासिस्टों ने भी खतरों के बीच बहुत सराहनीय काम किया है। कोरोना के विरूद्ध लड़ाई के दौरान पूरी दुनिया में दवाईयों के लगातार निर्माण, पहुंच और वितरण सुनिश्चित करने में फॉर्मासिस्टों की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। संक्रमण के खतरों के बीच मेडिकल परिसरों में दवा दुकानें और फॉर्मासिस्ट निरंतर लोगों की सेवा में मुस्तैद रहे। लोगों तक जीवनरक्षक दवाईयों की पहुंच सुनिश्चित करने में फॉर्मासिस्ट जरूरी कड़ी है। शासकीय एवं निजी चिकित्सा संस्थानों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में फॉर्मासिस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सिंहदेव ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र की जरूरतों पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सहानुभूतिपूर्वक विचार किया है। उन्होंने उदारता से नए पदों के सेट-अप और नई भर्तियों की मंजूरी दी है। फॉर्मासिस्टों के भी 187 पदों पर भर्ती के विज्ञापन जारी किए गए हैं। कॉन्फ्रेंस में उल्लेखनीय कार्य करने वाले फॉर्मासिस्टों को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथियों द्वारा 'फॉर्मासिस्ट बुक' का भी विमोचन किया गया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ हॉस्पिटल बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता, इंडियन फॉर्मासिस्ट एसोशिएशन, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार वर्मा, एसोशिएशन के पदाधिकारीगण सर्वश्री राहुल वर्मा, वैभव शास्त्री और संदीप चन्द्राकर सहित प्रदेश भर से बड़ी संख्या में आए फॉर्मासिस्ट भी मौजूद थे।

कका अभी जिन्दा है

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने अंदाज से प्रदेश ही नहीं वरन पूरे देश में एक अलग छाप छोडने में कामयाब रहे। पंडित दिनदयाल ऑडिटोरियम में फॉर्मासिस्ट कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल उद्‌बोधन के लिए खड़े होते ही कका जिन्दाबाद के नारे सुनते ही मुख्यमंत्री भूपेश ने अपने अंदाज में मुश्कुराते हुए कहा कि 'कका अभी जिन्दा हैं'। सीएम के शब्दों तथा चेहरे के भाव को देखते हुए पूरा ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट से गुंज उठा, सीएम भूपेश बघेल का यह विडियों सोशल मीडिया में भी जमकर वायरल हो रहा है।

लोकतंत्र पर कमला हैरिस की बात समझिए : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के बयान पर कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मादी के साथ बातचीत में वह हमें जब लोकतंत्र का पाठ पढ़ाने की बात करती है तो हमें उनके बयान को मतलब बारीकी से समझने की जरूरत है। मोदी के साथ शुक्रवार रात हुई वार्ता के दौरान हैरिस ने कहा कि दुनियाभर में लोकंतत्र खतरे में है और यदि स्थिति को सुधारना है, तो भारत को साथ आना होगा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति के इस बयान पर श्री गांधी ने इंस्टाग्राम पर वार्ता का वीडियो लोड करते हुए कहा, कुछ उनकी बात कुछ समझ आयी। मोदी की तरफ इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें इस बयान का मतलब समझना चाहिए। इससे पहले कांग्रेस प्रवक्ता गौरव बल्लभ ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं के सवाल पर कहा कि लोकतंत्र का स्तंभ हिंदुस्तान, महात्मा गांधी की कर्मभूमि, जन्मभूमि हिंदुस्तान, उसके बारे में विदेशी धरती पर हमारे प्रधानमंत्री को अगर कोई पाठ पढ़ाया जा रहा है, तो उसे उनको सकारात्मकता से लेना चाहिए और हैरिस ने क्या कहा इसको समझिए। उन्होंने कहा कि दुनिया मे लोकतंत्र की रेटिंग करने वाले फ्रीडम हाउस ने भारत के लोकतंत्र की रैंकिंग को नीचे गिराया है और आंशिक रूप से स्वतंत्र लोकतंत्र की श्रेणी में भारत को डाला है। फ्रीडम हाउस के अनुसार भारत का लोकतंत्र पूर्णतः स्वतंत्र नहीं बल्कि आंशिक रूप से स्वतंत्र है।

मुख्यमंत्री भूपेश ने फुटबाल, कबड्डी, तीरंदाजी और एथलेटिक्स अकादमी का किया शुभारंभ

बिलासपुर एवं रायपुर में 42.14 करोड़ की लागत की नई खेल अधोसंरचनाओं का हुआ लोकार्पण एवं भूमिपूजन

■ खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को मिली बड़ी सौगात

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने आज बिलासपुर और रायपुर में लगभग 42 करोड़ 14 लाख रूपए की लागत से नई खेल सुविधाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें मुख्य रूप से फुटबाल, कबड्डी, तीरंदाजी और एथलेटिक्स की अकादमी, दो खेल छात्रावास, एक तीरंदाजी प्रशिक्षण उपकेन्द्र और एथलेटिक्स के लिए सिंथेटिक ट्रैक एण्ड फील्ड शामिल हैं। मुख्यमंत्री आज अपने निवास कार्यालय में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से नई खेल सुविधाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन करते हुए खिलाड़ियों और खेल संघ के पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य में खेल सुविधाओं के विकास से राज्य के खिलाड़ी देश-दुनिया में छत्तीसगढ़ का नाम रौशन करेंगे। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उमेश पटेल ने वर्चुअल रूप से की।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आज का यह दिन राज्य के खिलाड़ियों, खेल प्रशिक्षकों, खेल-प्रेमियों और युवाओं के लिए बड़ी उपलब्धियों वाला है। उन्होंने कहा कि खेल सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ हमको इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि खेलों की सारी गतिविधियां केवल शहरों तक सिमट कर न रह जाएं। गांवों के खेल-संस्कार को जीवित रखकर हम अपने शहरों के खेल संस्कार को भी जीवित रख पाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के बड़े शहरों में प्रारंभ की जा रही खेल-अकादमियों, खेल के अच्छे मैदानों, अच्छे प्रशिक्षकों और खेल अधोसंरचनाओं का लाभ ग्रामीण प्रतिभाओं को मिलना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल सुविधाओं को आगे ब?ाने के लिए राज्य सरकार पैसों की कोई कमी नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ खेल विकास प्राधिकरण का गठन किया गया है। इस प्राधिकरण की समिति में जल्द ही खिलाड़ियों की नियुक्ति की जाएगी। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए पुलिस और वन विभाग की तरह अन्य विभागों में भी खिलाड़ियों की नियुक्ति का प्रावधान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में राजीव गांधी युवा मितान क्लब योजना शुरु की गई है। राज्य में 13 हजार 269 राजीव गांधी युवा मितान क्लब गठित किए जा रहे हैं। इन क्लबों के माध्यम से सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों को ब?ावा मिलने के साथ-साथ युवाओं में नेतृत्व क्षमता का भी विकास होगा। स्वस्थ, सशक्त, ऊर्जावान और प्रतिभासंपन्न युवा ही हमारा भविष्य हैं। युवाओं के वर्तमान और भविष्य का निर्माण करते हुए ही हम नवा-छत्तीसगढ़ के अपने सपने को साकार कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि बिलासपुर में एथलेटिक्स, तीरंदाजी और हॉकी अकादमी के लिए खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय चयन आगामी 11, 12 और 13 अक्टूबर को होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उमेश पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में खेल अधोसंरचना का विकास और खिलाड़ियों को दी जा रही सुविधाओं का सार्थक परिणाम आने वाले समय में मिलेगा। उन्होंने कहा कि जब छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मेडल जीतेंगे, तो मुख्यमंत्री के योगदान को याद किया जाएगा। प्रभारी मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि खेलकूद की बहुप्रतिक्षित मांगें आज पूरी हुई है। उन्होंने स्वर्गीय बी.आर. यादव के नाम पर बिलासपुर स्टेडियम का नामकरण करने और वहां खेल की अकादमियों की शुरूआत के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

सांसद अरूण साव, छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल के अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव, ससंदीय सचिव रश्मि आशीष सिंह, छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव गुरूचरण होरा सहित विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी, खिलाड़ी कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में खेल को बढ़ावा देने के अपने वायदे को निभाया है। खेल से जड़ी कई पुरानी मांगें आज पूरी हुई है। सांसद अरूण साव ने कहा कि बिलासपुर में खेल प्रशिक्षण अकादमी की 15 साल पुरानी परिकल्पना आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने साकार कर दी है। बिलासपुर का यह खेल परिसर क्षेत्र के खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम के प्रारंभ में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव एन.एन. एक्का ने स्वागत उद्बोधन दिया। अंत में आभार व्यक्त करते हुए संचालक खेल एवं युवा कल्याण श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने कहा कि राज्य में खेल सुविधाओं के विकास से राज्य के खिलाड़ी खेलबो-जीतबो, गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करेंगे।

नीलांचल सेवा समिति एवं बालाजी ब्लड फाउंडेशन के शिविर में 108 लोगों ने रक्तदान किया

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

नीलांचल सेवा समिति के संस्थापक एवं संरक्षक भूतपूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत बसना सम्पत अग्रवाल के सौजन्य से ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन अग्रसेन भवन पिथौरा में आयोजित किया गया। जिसमे कुल 108 रक्तदाताओं ने अपना अमूल्य रक्त दान कर पीड़ित मानवता की सेवा में अहम योगदान दिया। नीलांचल सेवा समिति एवं बालाजी ब्लड फाउंडेशन संस्था लगातार रक्त दान के लिए लोगों को जागरूक कर रही है। जिसके फलस्वरूप जरूरतमंद लोगों को समय पर रक्त की सुविधा उपलब्ध हो रही है। रक्तदान में नीलांचल सेवा समिति एवं बालाजी फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं ने तन-मन से सेवा प्रदान कर रक्तदान को सफल बनाया। दोनों संस्थाओं ने अपने सदस्यों के प्रति आभार मानते हुए यथासंभव सहयोग देने की अपील को साथ सभी मेम्बर की कोटि कोटि धन्यवाद प्रेषित किया। बालाजी ब्लड सेंटर रायपुर केप में जिस स्टाफ ने योगदान दिया वे है डॉक्टर अनुभव चंद्रकार, ब्रजेश चौबे टेक्निकल सुपरवाइजर शशिकान्त शुक्ला टेक्नीशियन, रोशन साहू , खगेश्वर यादव नर्सिंग स्टॉप एवं स्टूडेंट ने सुबह से शाम तक सेवा प्रदान किया।

यूपीएससी में सफल परीक्षार्थियों को मुख्यमंत्री ने बधाई दी

रायपुर। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा 2020 में सफलता प्राप्त करने वाले सभी परीक्षार्थियों को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ की भी अनेक प्रतिभाओं ने उत्कृष्ट रैंक हासिल कर राज्य को गौरवान्वित किया है, मैं सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग अध्यक्ष के पदग्रहण करते ही उठने लगे सवाल

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसियेशन ने महिला बाल विकास विभाग में राज्य सरकार द्वारा बनाए गए नियमों को बाईपास कर तेज कुंवर नेताम को छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। जो उचित नहीं है। छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसियेशन ने उपसचिव से यह मांग किया है कि नियमानुसार योग्य व्यक्ति को छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया जाए, क्योंकि यह एक जिम्मेदारी वाला पद है जिसमें प्रदेश के लाखों बच्चों का जीवन व भविष्य जुड़ा हुआ है। बाल अधिकार संरक्षण आयोग का अध्यक्ष के तौर पर तेज कुंवर नेताम के पदग्रहण करते ही सवाल उठने लगे हैं। छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसिएशन ने महिला बाल विकास विभाग को पत्र लिखकर नियमानुसार योग्य व्यक्ति को नियुक्त करने की मांग की है। एसोसिएशन ने दलील दी है कि यह जिम्मेदारी वाला पद है, जिससे प्रदेश के लाखों बच्चों का जीवन व भविष्य जुड़ा हुआ है।

छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिस्टोफर पॉल ने महिला एवं बाल विकास विभाग के उपसचिव को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियम 2010 की धारा 27(3) अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष को उच्च शैक्षणिक ख्याति प्राप्त व्यक्ति होना चाहिए या फिर उच्च न्यायालय का न्यायाधीश रहा होना चाहिए या जिसने बाल अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट कार्य किया होना चाहिए।

दिन दहाड़े महिला से की चैन स्नैचिंग, बेखौफ बदमाश

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

कार्पोरेटिव बैंक में कार्यरत किरण बालो खलखो अपने अन्य तीन महिला सहकर्मियों के साथ सहकारिता कर्मी संघ की ओर से आयोजित पार्टी में शामिल होने जा रही थी। इस दौरान लाल गंगा की ओर से मोटरसाइकिल में आए 2 अज्ञात लुटेरे किरण बाला खलखो के गले से चैन छीनकर फरार हो गए। राजधानी में दिनदहाड़े महिला के साथ चैन स्नेचिंग की घटना हुई है। जिसके बाद दोनों बाइक सवार चोर फरार हो गए. आसपास लगे सीसीटीवी की पुलिस जांच कर रही है। सीसीटीवी के आधार पर पुलिस दोनों चोरों को तलाशने में जुटी हुई है। मामला राजधानी के जयस्तंभ चौक के पास की बताई जा रही है। महिला के साथ चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम देने वाले लुटेरे दूसरे राज्य के होने की संभावना जताई जा रही है।

शिव प्रकाश के बयान से स्पष्ट हो गया रमन, बृजमोहन अजय, धरमलाल की आखिरी पारी : धनंजय

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा के संगठन मंत्री शिव प्रकाश के 90 सीटों में नये चेहरा तलाशने वाली बयान के बाद भाजपा के मठाधीशों में खलबली मची है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, बृजमोहन अग्रवाल, अजय चंद्राकर सहित भाजपा के वर्तमान विधायकों की अंतिम कार्यकाल स्पष्ट नजर आ रहा। टिकट कटने और राजनीति खत्म होने के डर से भाजपा के नेता अभी से ऊलजलूल बयानबाजी कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह को पहले भाजपा के गुटबाजी को खत्म करने के प्रयास करने चाहिए। जिस प्रकार से छत्तीसगढ़ में भाजपा में गुटबाजी की लड़ाई चल रही है यह जनता देख रही है। प्रधानमंत्री जन कल्याण संगठन से जुड़े लोगों को भाजपा के संगठन मंत्री पद छोड़ने की चेतावनी दे रहे हैं। भाजपा के नेता सोशल मीडिया में एक-दूसरे के खिलाफ कैंची और पेट्रोल बॉटल उपयोग करने की बात कर रहे हैं। सेवा समर्पण कार्यक्रम फिसड्डी साबित हो चुकी है। ऐसे में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह मीडिया में बने रहने के लिए आधारहीन बयानबाजी कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री रहते डॉ. रमन सिंह की सरकार कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार में आकंठ तक डूबे रहे, विकास कार्यो की झूठी गुणगान करते रहे। तब उन्हें सरकार नजर आती था। अब मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकर किसानों, युवाओं, मजदूरों, महिलाओं के लिए काम कर रही है, पशुधन, गोपालक के लिए योजना लेकर आ रही है, छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति, परंपरा, तीज त्यौहार को पुनर्जीवित करने का काम कर रही है। ऐसे में रमन सिंह को सरकार कैसे नजर आएगी? क्योंकि यह वर्ग रमन सिंह सरकार के दौरान सबसे ज्यादा पीड़ित रहे है। रमन सिंह को बताना चाहिए जिस दौरान कांग्रेस के परिवर्तन यात्रा में नक्सली हमला हुआ, झीरम घाटी कांड हुआ जिसमें कांग्रेस के प्रथम पंक्ति के नेताओं एवं सुरक्षाकर्मियों की शहादत हुई,उस दौरान छत्तीसगढ़ में सरकार थी? की नहीं थी?

कोलंबिया में राष्ट्रीय फार्माकोविजीलैंस सप्ताह का आयोजन

■ कोलंबिया संस्थान की फार्मेसी संकाय द्वारा नेशनल फार्माकोविजीलैंस वीक

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

इंडियन फार्माकोपिया कमीशन के राष्ट्रीय समन्वय केंद्र के तत्वावधान में कोलंबिया इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मेसी द्वारा फार्माकोविजीलैंस ऐ स्टेप टुवर्ड्स पेशेंट सेफ्टी थीम पर राष्ट्रीय फार्माकोविजीलैंस सप्ताह का आयोजन किया गया ए जिसका मुख्य उद्देश्य दवाओं के दुष्प्रभावों के विषय में जनसाधारण को जागृत करना था। फार्मेसी कौंसिल ऑफ इंडिया नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशनुसार इस दौरान विद्यार्थियों के लिए पोस्टर, क्विज, वाद विवाद तथा निबंध प्रतियोगता का आयोजन कोरोना महामारी के दिशा निर्देशानुसार किया गया,जिसमे रोल ऑफ फार्माकोविजीलैंस इन टाइम्स ऑफ कोविद.19 शीर्षक पर निबंध एवं वाद विवाद प्रतियोगता का आयोजन किया गयाए जिसमे तकरीबन 84 प्रतियोगियों ने उत्साह पूर्वक पार्टिसिपेट किया। इन प्रतियोगिताओं को क्रमशः डॉ रूद्र प्रताप सिंह राजपूत, सागर साहू, रूचि भट्टाचार्य, रेणुका वर्मा,गुंजन कल्याणी,राहुल गोस्वामी तथा अखिलेश कुमार द्वारा संचालित किया गया । इन प्रतियोगिताएं के विजेताओं को राष्ट्रीय फार्मासिस्ट दिवस पर 25 सितम्बर 2021 को पुरस्कृत किया जाएगा। फार्माकोविजिलन्स वीक के सभी आयोजनों में संस्थान की एन एस एस इकाई ने भी सक्रिय भूमिका निभाईए राष्ट्रीय फार्माकोविजीलैंस सप्ताह का सुचारु आयोजन संस्था के सचिव हरजीत सिंह हुरा तथा प्राचार्य प्रोफेसर अमित रॉय के मार्गदर्शन में किया गया।

कलिंगा विवि में नवप्रवेशित एलएलबी विद्यार्थियों के स्वागत के लिए फर्स्ट स्टेप का ऑनलाईन आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

कलिंगा विश्वविद्यालय के नए शैक्षणिक सत्र में प्रवेश लेने वाले एल.एल.बी. प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के स्वागत के लिए इंडक्शन कार्यक्रम ''फर्स्ट स्टेप - 2021'' का ऑनलाईन आयोजन संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, उपलब्ध सुविधाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी प्रदान की गयी। इस आयोजन में नए विद्यार्थियों के स्वागत के साथ-साथ विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिता, ज्ञान पहेली प्रतियोगिता, नृत्य एवं सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ''फर्स्ट स्टेप - 2021'' के ऑनलाईन आयोजन के प्रथम चरण में कलिंगा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर श्रीधर, महानिर्देशक डॉ. बैजू जॉन, कुलसचिव डॉ. संदीप गांधी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. आशा अ ंभ इ ँक र , अकादमिक कार्यो के अधिष्ठाता राहुल मिश्रा, विधि विभाग की प्रभारी विभागाध्यक्ष शोभा सिंह ठाकुर और मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट एवं दिल्ली हाई कोर्ट की प्रख्यात अधिवक्ता सुगंधा जैन की उपस्थिति में कपिल केलकर एवं श्रेया द्विवेदी के कुशल संचालन में ज्ञान और विद्या की देवी माँ सरस्वती वंदना करने के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर नए विद्यार्थियों के स्वागत के लिए विश्वविद्यालय की वरिष्ठ छात्रा डी. वसावी का एकल नृत्य की रिकार्डिंग प्रस्तुत की गयी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संदीप गांधी ने नए विद्यार्थियों को स्वागत भाषण के माध्यम से कलिंगा विश्वविद्यालय के अब तक के स्वर्णिम सफर और उपब्धियों को बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने बहुत कम समय में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में संपूर्ण देश में अपनी पहचान दर्ज की है।

आधे घंटे की दूरी तय करने लोगों को साढ़े तीन घंटे पड़ता है जूझना

रायपुर से भिलाई खस्ताहाल राजमार्ग पर आवागमन सुचारू बनाने विभाग ने दिखाई सक्रियता

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

रायपुर से भिलाई के बीच खस्ताहाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन सुचारू बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग ने सक्रियता दिखाई है। पिछले कई महीनों से बमुश्किल आधे घंटे की दूरी तय करने के लिए लोगों को तीन से साढ़े तीन घंटे के जाम से जूझना पड़ रहा है। उम्मीद की जानी चाहिए विभागीय मंत्री ताम्रध्वज साहू के निर्देश पर विभागीय अधिकारी द्वारा किए गए प्रयास के सकारात्मक परिणाम आएंगे और प्रदेश के दोनों प्रमुख शहरों के लोग राहत की सांस लेंगे। रायपुर के टाटीबंध से भिलाई के नेहरू नगर चौक तक 26.8 किलोमीटर की दूरी में चार फ्लाईओवर निर्माणाधीन हैं। यह बेहतर भविष्य की तैयारी है, परंतु वर्तमान पीड़ादायक हो गया है। सर्विस लेन पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं। स्थानीय प्रशासन की लापरवाही के कारण दुकानदारों ने भी कब्जे कर रखे हैं। इसकी वजह से पूरे दिन जगह-जगह जाम लगा रहता है। निर्माण शुरू होने के बाद के 36 महीनों में इस मार्ग पर 109 लोगों की मौत हो चुकी है और 400 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से लेकर विभागीय मंत्री ताम्रध्वज साहू और कृषि मंत्री रविंद्र चौबे तक दुर्ग जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं और राजधानी रायपुर उनका मुख्य कार्यक्षेत्र है। आम लोगों की समस्या पर ससमय ध्यान नहीं दिए जाने के कारण हाल के दिनों में विरोध प्रदर्शनों में भी तेजी आई है। कभी महिलाएं गड्ढों में कैटवाक कर रही हैं, रंगोली बना रही हैं तो कभी हजामत बनाई जा रही है। इन सबके बीच जरूरी है कि फ्लाईओवर निर्माण की गति बढ़ाई जाए और सर्विस रोड को ठीक किया जाए। पीडब्ल्यूडी सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने सड़क का जायजा लेने के साथ जाम की वजह बने चारों फ्लाईओवरों का काम अगस्त, 2022 तक पूरा करने को कहा है। इसका फायदा हुआ है कि सड़क मरम्मत में लगे श्रमिकों की संख्या चार गुना बढ़ा दी गई है। अगले 15 से 20 दिनों में कुम्हारी फ्लाईओवर का उपयोग शुरू हो जाने से भी छोटे वाहनों की गति तेज होगी। नियमित निगरानी हो, ताकि निर्माण की गति शिथिल न हो। ऐसी ही स्थिति राज्य में अन्य मुख्य मार्गों की भी है। लोग तरह-तरह से विरोध दर्ज करा रहे हैं। जांजगीर-रायगढ़ हाईवे पर गड्ढों के विरोध में लोगों ने पितृ पक्ष में पिंडदान कर विरोध जताया है।

इसी तरह कटघोरा-रतनपुर, जशपुर हाईवे भी खस्ताहाल हैं। गडमा-माकड़ी और रायपुर-धमतरी फोरलेन मार्ग भीलंबे समय से निर्माणाधीन हैं और अंतहीन समस्या बन चुके हैं। मानसून समाप्त हो रहा है। अब निर्माण की धीमी गति के लिए मौसम का बहाना नहीं चलेगा। प्रदेश सरकार को पुरजोर दबाव बनाना होगा कि एनएचएआइ और संबंधित विभाग प्राथमिकता के आधार पर इन मार्गों को ठीक कराएं।

बिना तलाक दूसरा विवाह, पहली पत्नी को आपराधिक मामला दर्ज कराने का अधिकार

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

पत्नी से तलाक लिए बिना दूसरा विवाह करने वाले पति को महिला आयोग ने आदेश दिया है कि पहली पत्नी को हर माह छह हजार रुपये भरण-पोषण प्रदान किया जाए। साथ ही पत्नी से कहा है कि यदि वह चाहे, तो पति और दूसरी पत्नी के खिलाफ शादी करने पर आपराधिक मामला दर्ज करा सकती है। महिला आयोग में सुनवाई के चौथे दिन पत्नी ने अपने पति के खिलाफ बिना तलाक लिए शादी करने की शिकायत की।

सुनवाई में दूसरी पत्नी और पति के दोनों बड़े भाई भी उपस्थित हुए। दोनों भाइयों ने कहा कि उसके भाई ने गलती की है और पहली पत्नी को भरण-पोषण नहीं देता है। महिला उस घर में रहती है, जहां पति का परिवार रहता है। इस प्रकरण में सामाजिक बैठक में तय किया था कि पति की संपत्ति का आधा हिस्सा महिला को दिया जाएगा। सुनवाई में पति और दूसरी पत्नी ने हर महीने छह हजार रुपये देने पर सहमति जताई है। एक अन्य प्रकरण में एसईसीएल कोल माइंस में कार्यरत पति की मृत्यु के बाद पत्नी ने अनुकम्पा नियुक्ति, अनुग्रह राशि प्राप्त करने आवेदन दिया था। आयोग ने अगली सुनवाई में एसईसीएल के महाप्रबंधक को उपस्थित होने कहा है। चार दिवसीय सुनवाई में महिला उत्पीड़न से संबंधित 84 प्रकरण सुनवाई के लिए रखे गए थे। इनमें से कई मामलों में हल निकालकर मामले का पटाक्षेप कर दिया गया। सुनवाई में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डा. किरणमयी नायक, सदस्यगण अनीता रावटे, शशिकांता राठौर, अर्चना उपाध्याय शामिल हुए।

नक्सल प्रभावित ग्राम काचीररास पहुंची दीपिका ग्रामीणों की समस्याओं से हुई रूबरू

काचीररास में सड़क के साथ है पीएम आवास की समस्या

- ग्रामीणों ने 5 वर्षो में मात्र 5 आवास ही स्वीकृत होने की बात कही
- दीपिका ने कहा पुल बनाकर सड़क बनाना भूल गया विभाग

पायनियर संवाददाता ✓ सुकमा
www.dailypioneer.com

जिले के विकासखण्ड छिंदगढ़ के ग्रामपंचायत सौतनार के नक्सल प्रभावित ग्राम काचीररास के ग्रामीण जर्जर कच्चे सड़क से बेहद परेशान हैं बुधवार को ग्रामीणों के बुलावे पर उनके बीच पहुंची भाजयुमों प्रदेश उपाध्यक्ष दीपिका शोरी ने प्रशासन से ग्रामीणों की इस समस्या को दूर करने की अपील की है उन्होंने कहा की पुल के साथ एक अच्छी सड़क का इंतजार काचीररास के ग्रामीणों को वर्षो से था परन्तु प्रधानमंत्री सड़क निर्माण विभाग ने प्राक्कलन बनाते समय इस बात का ध्यान नहीं दिया व सड़क बनाना भूल गए, दीपिका के साथ गांव के पतिराम, मनीराम, सुखमन, श्यामलाल, कुर्ती, फगनू राम, सीताराम, ईश्वर, वारे, महादेव सोमाराम, घेनवाराम, राजू चैतूराम, लच्छूराम, चैनूराम, लक्ष्मण, जोगा, आसाराम, सोमारू एवं ग्राम के प्रमुख डोमूराम आदि ग्रामीणों ने पूरे ग्राम का भ्रमण कर गाँव मे सडक एवं प्रधानमंत्री आवास की भी स्तिथि दिखाई, काचीररास में पीएम आवास की यह स्तिथि है दीवारें तो खड़ी हो गई है पर आज भी छत अधूरा है ग्रामीण पुराने जर्जर मकान में ही रहने को मजबूर हैं।

जर्जर मार्ग पर फंस जाती है एम्बुलेंस

ग्रामीणों ने बताया को सड़क की हालत इतनी ज्यादा जर्जर है कि एम्बुलेंस भी हमारे गाँव तक नहीं आ पाता है रास्ते में ही फंस जाता है विगत दिनों ऐसी ही समस्या का सामना करना पड़ा गोविंदपाल जाने वाला एम्बुलेंस रास्ता खराब होने के कारण वहीं से लौट गया व मरीज को सही वक्त पर स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिल पाई जिससे मरीज को बहुत दिक्क तों का सामना करना पड़ा।

सड़क बनने का प्रपोजल आया है परन्तु स्वीकृत नहीं मिली है स्वीकृति मिलने के पश्चात सड़क निर्माण किया जावेगा।
-अनिल राठौर, ईई प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

नक्सलियों के खिलाफ लामबंद हुए ग्रामीण

- देर शाम की घटना के विरोध में छोटेडोंगर थाना पहुंचे ग्रामीण

पायनियर संवाददाता ✓ नारायणपुर
www.dailypioneer.com

जिले के छोटेडोंगर थाना क्षेत्र के मडोनार में नक्सलियों द्वारा निर्माण कार्य करवा रहे ठेकेदार के मुंशी को मौत के घाट उतार कर कार्य में लगी गाड़ियों एवं मशीनों को आग के हवाले कर दिया। जिसके विरोध में मडोनार पंचायत के सैकड़ों ग्रामीण लामबंद होकर छोटेडोंगर थाना पहुंचकर नक्सलियों की इस करतूत का विरोध किया।

ग्रामीणों का कहना है कि छोटेडोंगर से मडोनार तक प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण का काम चल रहा था कि कल नक्सलियों द्वारा निर्माण स्थल पहुंचकर मुंशी एवं उपस्थित स्थानीय ग्राम के महिला मजदूरों से मारपीट किया गया जिससे एक मुंशी की मौत हो गयी जिसका हम सभी ग्रामवासी विरोध करते है और नक्सली हमारे गाँव के विकास को रोक रहे है सड़क के निर्माण हो जाने पर सभी प्रकार की सुविधा हम ग्रामवासियों को मिलती पर नक्सलियों द्वारा निर्माण कार्य पर कार्य कर रहे गाँव के स्थानीय मजदूरों से भी मारपीट किया गया इससे उनके विकास विरोधी चेहरा सामने आ गया। हमारे पास खेती किसानी के अलावा सिर्फ मजदूरी ही एक रोजगार का आवक है उस पर भी नक्सली दहशत के चलते उससे वंचित होना पड़ता हैं।

वही छोटेडोंगर एसडीओपी अभिषेक पैकरा ने बताया कि मडोनार सड़क निर्माण में कार्य कर रहे मुंशी की हत्या नक्सलियों द्वारा कर दी गयी, वही स्थानीय मजदूरों जिसमे महिलाएं भी शामिल थी उनके साथ मारपीट की गयी और वाहनों को आग लगा दिया गया। इस घटना से नाराज होकर ग्रामीण नक्सलियों के खिलाफ लामबंद होकर छोटेडोंगर थाना में शिकायत दर्ज कराने आये थे जिस पर उनको अवगत कराया गया कि उक्त घटना का अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है एवं मारपीट किये गए सभी मजदूरों का मुलायजा करवा कर सभी का बयान दर्ज करवाया जा रहा है।

अध्यापन कार्य में गुणवत्ता लाने स्वयं को मिले पुरस्कार राशि से खरीद ली छात्रों के लिए एलईडी टीवी

- बच्चों को मिल रही मनोरंजन के साथ शिक्षा

पायनियर संवाददाता ✓ नारायणपुर
www.dailypioneer.com

जिले के प्राथमिक शाला केन्द्र डोंगरीपारा, गढ़बेंगाल की शिक्षिका रंजीता नाग के द्वारा अपने स्वयं के व्यय से शाला मे अध्ययन करने वाले बच्चों के अध्यापन कार्य मे गुणवत्ता लाने हेतु एल.ई.डी.स्मार्ट टीवी स्कूल को भेंट किया गया जिससे बच्चे मनोरंजन के साथ गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्राप्त कर सके। बात दे कि शिक्षिका रंजीता नाग को

5 सितंबर शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री शिक्षा दूत अलंकरण से सम्मानित एवं पुरुस्कृत किया गया था। शिक्षिका द्वारा पुरुस्कार स्वरूप प्राप्त धनराशि मे स्वयं के द्वारा धनराशि मिला कर स्कूली बच्चों के लिए अध्ययन मे गुणवत्ता लाने हेतु शिक्षिका रंजीता नाग के द्वारा बच्चों को भेंट स्वरूप एक स्मार्ट एलईडी टीवी प्रदान किया गया। जिसके माध्यम से पढ़ाई कर रहे बच्चों मे खुशी का माहौल है।

स्वास्थ्य विभाग ने दिखाया कर्मचारियों को बाहर का रास्ता

- जिले में कोरोना की स्थिति काबू पाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका थी कर्मचारियों की

पायनियर संवाददाता ✓ नारायणपुर
www.dailypioneer.com

जिले के स्वास्थ्य विभाग ने अपने 131 स्वास्थ्य कर्मियों को बाहर का रास्ता दिखाया जाने का मामला सामने आया है। कोरोना काल मे अपनी जान जोखिम में डाल कर फ्रण्ट लाइन कोरोना वारियर्स कहे जाने वाले कर्मचारियों को कलेक्ट्रेट पहुँच कलेक्टर से गुहार लगानी पड़ रही है।

बेरोजगार कर्मचारी राज्य आपदा मोचन निधि मद से जिले में कोरोना संक्रमण के नियंत्रण एवं रोकथाम के साथ ही आपातकालीन स्थिति से निपटने 1 सितंबर को स्वास्थ्य विभाग ने 3 माह के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति की थी। इससे कोरोना की रफ्तार पर काबू पाने के लिए इन कर्मचारियों की सेवा फ्रंटलाईन वर्कर्स के रूप में लेकर कोरोना की रफ्तार पर काबू पाने में स्वास्थ्य विभाग ने कामयाबी हासिल कर ली है। इससे कोरोना संक्रमण के केस लगभग 3 माह बाद खत्म होने की स्थिति पहुंचने पर स्वास्थ्य विभाग ने करीब 129 कर्मचारियों की सेवा समाप्त कर दी है। इस आदेश के मिलने के बाद कोरोना फ्रंटलाइन वर्कर्स में मायूसी छा गई है। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में पदस्थ 2 संविदा कर्मचारियों की सेवा भी समाप्त कर दी है। इसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में पदस्थ होने के दौरान संविदा कर्मचारियों के आचरण नियमानुसार नहीं होने के कारण स्वास्थ्य विभाग ने इनकी सेवा अवधि नहीं बढ़ाने का आदेश जारी कर दिया है। इससे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में पदस्थ 2 संविदा सहित कोविड-19 के लिए कार्यरत करीब 129 कर्मचारियों की सेवा समाप्त होने के कारण 131 कर्मचारी बेरोजगार हो गए है। बता दे कि करोना संक्रमण काल के दौरान सबसे ज्यादा ये कर्मचारी महीनों अपने परिवार से अलग रहकर भी अपनी सेवाएं दिए और लगातार यह सभी कर्मचारी सेवाएं दे रहे हैं।

नहीं बढ़ाई दो संविदा कर्मियों की सेवा अवधि : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कार्यरत संविदा कर्मचारी की प्रत्येक वर्ष सेवा अवधि बढ़ाई जाती है। इसमें कर्मचारी कार्य सेवा मूल्यांकन करने के बाद सेवा अवधि बढ़ाई जाती है। दो संविदा कर्मियों की वार्षिक वृद्धि मूल्यांकन में टिप के आधार पर आगामी सेवा अवधि नहीं बढ़ाई गई। इससे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कार्यरत 2 कर्मचारी भी बेरोजगार हो गए है।

5 माह से नहीं मिला वेतन,अब सेवा समाप्त : खेमेश्वरी जैन, रंजीत जैन, राजकुमारी देवांगन, तरुण कुमार मानिकपुरी, प्रियंका मंडावी, रिता, सोनी, कुलदीप बस्तर संभाग प्रवक्त । लेखराम साहू ने शु वार को बताया कि हम सभी जो कि राज्य आपदा मोचन निधि कोविड-19 के तहत विभिन्न पदों माह मई से अब तक बिना वेतन लिए कार्य में उपस्थिति दे रहे हैं।

महिला एवं बाल विकास परियोजना द्वारा कोड़ेनार पंचायत में लगाया गया स्वास्थ्य शिविर

पायनियर संवाददाता ✓ किरंदुल
www.dailypioneer.com

किरन्दुल नगरपालिका क्षेत्र से लगी हुई ग्राम पंचायत कोड़ेनार के शुकरु कैम्प में महिला एवं बाल विकास परियोजना द्वारा मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना के तहत 35 आंगनबाड़ी बच्चों एवं 05 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण डॉ लक्ष्मी कश्यप द्वारा किया गया एवं दवाई वितरित की गई साथ ही 10 गंभीर कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य जांच कर

मल्टी विटामिंस सिरप प्रोटीन पाउडर प्रदान की गई।इस दौरान परियोजना अधिकारी मनीषा साहू, पर्यवेक्षिका सायरा बानो खान एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मौजूद थे।

भाजपा मंडल ने दीनदयाल उपाध्याय की 105 वीं जयन्ती मनाई गई

पायनियर संवाददाता ✓ कांकेर
www.dailypioneer.com

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की 105 वीं जन्मजयंती 25 सितंबर 2021 को नगर में स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक पर स्थित पंडित जी की प्रतिमा और चौक की साफ सफाई भाजयुमो कार्यकर्ताओ द्वारा सुबह 9 बजे की गई, सफाई पश्चात 11 बजे मण्डल अध्यक्ष के नेतृत्व में भाजपाइयों ने अंत्योदय के सिद्धांत पर अपना संपूर्ण जीवन गांव, गरीब, किसान, दलित, पीडित, शोषित और वंचित के उत्थान के लिए न्योछावर कर देने वाले राष्ट्रपुरुष सबके

प्रेरणास्रोत श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर धूप बत्ती जलाकर सबकी ओर से माल्यार्पण किया गया, पुष्प वर्षा और चंदन लगाकर वंदन किया गया तत्पश्चात पंडित के अंतिम व्यक्ति के उन्नयन हेतु दिए गए विचार का प्रकटीकरण करते हुए उनको नमन करके याद किया गया गया और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प समस्त भाजपाइयों द्वारा लिया गया इस प्रकार पंडित जी जी जयंती को सेवा दिवस के रूप में मनाया गया, कार्य म में श्री परमेश्वर जैन,प्रदेश कार्य. सदस्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा, ब्रम्हानंद नेताम पूर्व विधायक,आलोक ठाकुर प्रदेश उपाध्यक्ष किसान मोर्चा, प्यारेलाल देवांगन अध्यक्ष, नगर पंचायत चारामा, ओमप्रकाश साहू महामंत्री, युवा मोर्चा अध्यक्ष अंकित जैन, धर्मेंद्र कुंजाम पार्षद, लोकेश बरसागड़े पार्षद, रामकुमार कुरेटी, उत्तम साहू, लोकेश नागवंशी, परमेश्वर यादव मीडिया प्रभारी, मोर्चा महामंत्री भोजराज सोनी, दिनेश कुमार टंडिया मंत्री, आशीष यूईके जिला प्रचार प्रसार, देवेन्द्र सिन्हा मीडिया प्रभारी, एवं अन्य भाजपा कार्यकर्ता नागरिक उपस्थित रहे ।

राकेश टिकैत व किसान नेताओं को ससम्मान लाने बस्तर से कूच करेंगे, डॉ त्रिपाठी, हजारों किसान भी जाएंगे बस्तर से

किसानों की राजिम महापंचायत छत्तीसगढ़ में रचेगी एक नया इतिहास : डॉ. राजाराम त्रिपाठी

- कोंडागांव से ही हुआ था, इन कानूनों का विरोध का आगाज, और हम इसे मंजिल तक पहुंचा कर ही मानेंगे : डॉ त्रिपाठी

पायनियर संवाददाता ✓ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

हमारा यह किसान आंदोलन इस सदी का विश्व का सबसे अनोखा और बड़ा आंदोलन साबित होने जा रहा है; यह कहना है देश के 40 से अधिक किसान संगठनों के साझा मंच अखिल भारतीय किसान महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक डॉ राजाराम त्रिपाठी का, जो कि कोंडागांव बस्तर के जाने माने किसान हैं।

28 तारीख को छत्तीसगढ़ के राजिम में किसानों की ऐतिहासिक महापंचायत होने वाली है, जिसमें राकेश टिकैत समेत किसान आंदोलन के सभी प्रमुख चेहरे शिरकत करने वाले हैं। मुजफ्फरपुर की किसान महापंचायत ने केवल देश के किसानों का ही नहीं बल्कि पूरे देश के किसानों से इतर सभी वर्गों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। मुजफ्फरनगर की महापंचायत के बाद किसान संगठनों ने देश के हृदय स्थल स्थित छत्तीसगढ़ में दूसरी महापंचायत हेतु खम ठोका है। यूं तो आदिवासी बहुल बस्तर में किसान समस्याओं या किसान आंदोलनों को लेकर सतह पर तो कोई विशेष सुगबुगाहट नहीं दिख रही है, जबकि हकीकत यह है कि, बस्तर का कोंडागांव तीनों कृषि कानूनों के विरोध के आंदोलनों का न केवल उद्गम बिंदु है, बल्कि छत्तीसगढ़ में होने जा रही पहली महापंचायत के आयोजन के निर्णायक सूत्र भी कोंडागांव से ही जुड़े हुए हैं। दरअसल वर्तमान किसान आंदोलन के बारे में देश को तब पता चला जब पिछले 26 नवंबर को पंजाब और हरियाणा के किसान दिल्ली के मोर्चे बॉर्डर पर आ डटे। जबकि इन तीनों किसान कानूनो का विरोध तो इनके विधेयक की शक्ल में 5 जून को जन्म लेने के मात्र दो दिवस के भीतर ही कोंडागांव से शुरू हो गया था । जबकि उस समय जानकारी के अभाव में ज्यादातर किसान संगठनों ने इन कृषि कानूनों के बारे में प्रकाशित लुभावने सरकारी विज्ञापनों से प्रभावित होकर इन कानूनों का स्वागत तक कर दिया था। किंतु 40 से अधिक किसान संगठनों के मंच अखिल भारतीय किसान महासंघ (आईफा) के राष्ट्रीय संयोजक डॉ राजाराम त्रिपाठी जो कि छत्तीसगढ़ के कोंडागांव के किसान नेता हैं, ने इन तीनों कृषि बिल्स के पैदा होने की 72 घंटे के भीतर ही इनका बिंदुवार पोस्टमार्टम करके इन्हें पूरी तरह से कारपोरेट के पक्ष में गढ़ा हुआ तथा किसानों का विरोधी बताया था , इतना ही नहीं, उन्होंने 16 जून 2020 को ही राकेश टिकैत जी सहित देश के प्रमुख किसान नेताओं को वर्चुअल मीटिंग में शामिल करके इन कानूनों की खामियों बारे से अवगत कराया, और इनका समुचित तर्कसंगत विरोध करने को कहा था।

डॉ त्रिपाठी की इस पहल तथा किसान हितों के लिए सतत संघर्ष के लिए गाजीपुर मोर्चे पर भारतीय किसान यूनियन के द्वारा उनका नागरिक अभिनंदन भी किया गया था। यह बहुत कम लोगों को पता होगा कि वर्तमान किसान आंदोलन की शुरुआत के पूर्व राकेश टिकैत ,युद्धवीर सिंह जैसे प्रमुख किसान नेता कोंडागांव बस्तर आकर डॉ त्रिपाठी से गुफ्तगू कर चुके हैं। इधर पारसनाथ साहू सहित प्रदेश के कई लोग किसान नेता भी इसी सिलसिले में कोंडागांव पधार चुके हैं। यह देश के किसानों का दुर्भाग्य कहा जाएगा कि किसान आंदोलन के पहले हफ्ते में दिल्ली से शिरकत कर कोंडागांव वापसी के वक्त उनकी कार की भीषण दुर्घटना में वे अपनी पत्नी समेत गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके कारण मजबूरी में उन्हें मोर्चे की अगुवाई से हटकर कई महीने इलाज में गुजारने पड़े।

SHRI BALAJI INTITUTE OF NURSING, MOWA, RAIPUR (C.G.)

APPOINTMENT

Approved by Regulatory council under temporary Affiliation College to
Pt. Deendayal Upadhyay Memorial Health Sciences & Ayush University of Chhattisgarh, Raipur

S.No.	Name of the post	No. of Post	Qualification and Experience as per INC Norms
01.	Vice Principal Cum Professor	01	12 Year Experience with M.Sc (N) out of which 10 Year should be teaching experience with minimum of 5 year in collegiate programme Ph.D (N) is desirable.
02.	Professor	02	10 Year Experience with M.Sc (N) out of which 07 Year should be teaching experience
03.	Associate Professor/Reader	05	M.Sc. (N) With 8 Year experience including 5 years teaching experience Ph.D (N) desirable.
04.	Assistant Prof./ Lecturer	10	M.Sc.(N) with 3 Years teaching experience Ph.D (N) desirable

Other terms & conditions :- 1. Teaching Experience : As per Council Norms. 2. Pay Scale : As per UGC Pay Scale/ State Govt/ Pay Scale. 3. Reservation : As per State Government Norms

Selection Criteria :-
Selection will decide on Merit . Merit list will be prepared on the basis of academic marks, Educational qualification ,interview, experience and Academic Contribution of candidate in various field like-
* Number of paper publication in Various national/ international journals * Paper presentation in conference. * Total No. of Conference Attended.

Last date of receipt of application :- within 15 Days from the date of publication of advertisement.

खाद्य तेलों में आई 50 रुपए की मंदी नवरात्रि के लिए मंदिरों में तैयारी शुरू

■ उपभोक्ता खरीदी में आ रही गिरावट

पायनियर संवाददाता ‹ भाटापारा
www.dailypioneer.com

नवरात्रि की तैयारियां कर रहीं देवी मंदिरों के लिए राहत। ज्योति कलश के लिए तेल की खरीदी में प्रति टीन 50 रुपए कम देने होंगे। शुद्ध घी की कीमत परेशान जरूर करेगी क्योंकि इसमें तेजी बराबर बनी हुई है। इसमें आगे भी तेजी बने रहने के आसार हैं जबकि खाद्य तेलों में भविष्य गिरावट के बने हुए हैं।

7 अक्टूबर से शुरू हो रहे नवरात्रि पर्व के लिए देवी मंदिरों में तैयारियां जोर पकड़ने लगीं हैं। कोरोना काल में यह तीसरी ऐसी नवरात्रि होगी, जिसमें पाबंदियां प्रभावी रहने का अंदेशा है क्योंकि राहत या छूट जैसी स्थितियां अभी अंधेरे में ही हैं। बहरहाल देवी मंदिरों में नवरात्रि के लिए बैठक का पहला दौर खत्म हो चुका है, तो कहीं आजकल में यह होने वाली है। इस बीच ज्योति कलश के लिए जरूरी खाद्य तेल की कीमतें टीन पीछे 50 रुपए उतर चुकीं हैं। बाजार का मानना है कि मंदी का यह दौर आगे भी बने रहने की संभावना है क्योंकि उपभोक्ताओं ने इसकी खरीदी तेजी से कम कर दी हैं।

आई मंदी 50 रुपए की : ज्योति कलश के लिए जरूरी सोयाबीन ,राइस ब्रान के अलावा शुद्ध घी की खरीदी की राह देख रहा बाजार ,अब राइस ब्रान ऑयल 2200 रुपए टीन पर उपलब्ध करवाएगा। इसमें पहले, भाव 2250 रुपए टीन था। सोयाबीन तेल का टीन 50 रुपए की टूट के बाद 2300 रुपए में मिलेगा। मूंगफली तेल का बाजार शून्य पर जा चुका है। घृत ज्योति के लिए शुद्ध घी का छोटा पैक याने 5 किलो की पैकिंग 2000 रुपए में मिलेगी।

आसार गिरावट के : पर्व-त्यौहार की शुरुआत के बाद तेल बाजार में जैसी मंदी आ रही है और उपभोक्ता खरीदी में उठाव नहीं आया है, उसे देखते हुए यह बाजार आने वाले दिनों में और मंदी की संभावना लेकर चल रहा है क्योंकि कीमत क्रय शक्ति के भीतर नहीं आ सकी है। चिंता इसलिए है क्योंकि त्यौहार में भी यदि स्थितियां ऐसी बनी रही तो कारोबार के लिए यह संकट का कारण बन सकता है।

उपभोक्ता खरीदी शून्य : खाद्य तेलों की कीमतों ने जैसी छलांग लगाई है, उसके बाद उपभोक्ताओं ने जरूरतें कम कर दी हैं। खरीदी की मात्रा भी गिरावट की ओर है। इससे तेल बाजार हतप्रभ है क्योंकि खरीदी में इतनी कमी इससे पहले कभी नहीं देखी गई। कोरोना के शुरुआती दौर में खरीदी का स्तर संतोषजनक रहा लेकिन मौजूदा दौर बाजार के लिए परेशानी का कारण बन रहा है।

अंचल के प्रमुख देवी मंदिर : जिले में वैसे तो हर गांव, हर कस्बे, हर शहर में देवी मंदिर हैं लेकिन प्रमुख देवी मंदिरों में श्री महामाया मंदिर तरेंगा, श्री मावली माता मंदिर सिंगारपुर, श्री माता देवालय मंदिर भाटापारा, छोटी माता देवालय मंदिर सुभाष वार्ड, श्री सिद्ध बाबा देवी मंदिर, श्री नक्खी बाबा मंदिर के अलावा और कई ऐसे देवी मंदिर हैं, जहां ज्योति कलश की स्थापना होती है।

ग्राम आमली डी में गणेश विसर्जन पर बच्चों की डांस प्रतियोगिता

पायनियर संवाददाता ‹ भाटापारा
www.dailypioneer.com

भाटापारा अंतर्गत ग्राम आमली डी में गणेश विसर्जन के अवसर पर ग्राम वासियों द्वारा बच्चों का डांस प्रतियोगिता रखा गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष सरिता सत्यनारायण ठाकुर विशेष अतिथि के रुप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि सत्यनारायण सिंह ठाकुर, अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य भागमती शंकर दयाल ध्रुव, ग्राम सरपंच शिव कुमारी मोहनलाल देवदास, ग्राम उपसरपंच दिशाहीन बाई यादव, सरपंच प्रतिनिधि दीपेंद्र कुमार देवदास कार्यक्रम संचालित करते हुए कैलाश चंद्र देवदास, पंचगण समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने समस्त ग्राम वासियों को नवीन कार्य जो कि छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा ग्राम वासियों के लिए किया जा रहा है उसका विस्तृत रूप में जानकारी दी एवं गांव के महिलागणों को नवीन कार्यों के लिए प्रेरित किया। दोना पत्तल जैसे कार्य ग्राम में महिलागण आराम से कर सकते हैं इस से अवगत कराया एवं समूह में किए जाने वाले कार्य की जानकारी दी साथ ही जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि सत्यनारायण ठाकुर ने कहां कि हम आपके लिए चुनकर आते हैं आप हमारा चुनाव निस्वार्थ भाव से अपने गांव अपने घर अपने समाज को नई दिशा दिखाने के लिए करते हैं तो ग्राम के प्रति समाज के प्रति जो भी कार्य है उसके लिए हम सदैव तत्पर हैं। ग्राम वासियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप अग्रसर हो ग्राम को अग्रसर कीजिए अपने बच्चों को पढ़ाई के लिए तत्पर कीजिए जागरूक बनिए और उन्होंने भूपेश बघेल के नए-नए कार्य एवं विकास योजनाओं की जानकारी बहुत ही विस्तृत रूप में दी तथा ग्राम वासियों के साथ बैठकर वहां की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना एवं उनके समाधान की कड़ी बनाया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस मनाया गया

पायनियर संवाददाता ‹ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

शासकीय दाऊ कल्याण कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का 52 वां स्थापना दिवस मनाया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपास्थित प्राचार्य डॉ.ए.के उपाध्याय ने छात्र-छात्राओं को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के सम्पूर्ण व्यक्ति विकास का आधार है और स्वयंसेवकों द्वाराअपनी भूमिकाओं को जिम्मेदारी पूवर्क निभाया जा रहा है । जिला राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार संदीप पाण्डे ने छात्र-छात्राओं से आव्हान किया कि समाज सेवा के साथ-साथ अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़कर देश के विकास में भागीदार बनें स्वामी विवेकानन्द जी को याद करते हुए उनके शब्द तुम मुझे 100 युवा दो मे देश का तकदीर बदल दुगॉ कहा। राजनिति विज्ञान के प्रध्यापक डॉ. आर.आर. दास द्वारा कहा गया स्वस्थ शरीर मे स्वस्थ मष्तिक का वास होता है उसी प्रकार राष्ट्रीय सेवा योजना में जुडने से व्यक्तित्व का विकास होता है तथा कोरोना काल में युवाओं के द्वारा समाज सेवा के लिए प्रेरित किया । राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी श्री नरेन्द्र देव मिर्झा ने राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना उददे्श्य तथा महाविद्यिालय कि उपल्बधियों एवं क्रियाकलाप से अवगत कराते हुए कहा कि यह महाविद्यालय पं. रविशंकर विश्वविद्यालय का प्रथम महाविद्यालय है जहॉ स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय सेवा योजना संचालित है इस कार्यक्रम का संचालन वारिष्ट स्वयं सेवक हेंमत कुमार नवरंगे,रवि ,विरेन्द्र एवं मोकेन्द्र कनौज के द्वारा किया गया ।

पंडित सुन्दरलाल शर्मा सम्मान के लिए प्रविष्टियां 11 अक्टूबर तक आमंत्रित

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा साहित्य/आंचलिक साहित्य के क्षेत्र में दीर्घ साधना तथा उपलब्धियों को सम्मानित करने, मान्यता देने एवं प्रतिष्ठित करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय 'पं. सुन्दरलाल शर्मा सम्मान' स्थापित किया गया है। इसके लिए प्रविष्टियां/अनुशंसाएं आमंत्रित की गई है। प्रविष्टियां संबंधी जानकारी विभागीय वेबसाईट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्लयू डाट सीजीकल्चर डाट इन पर देखी जा सकती है। प्रविष्टियों की अंतिम तिथि 11 अक्टूबर 2021 है। प्रविष्टियां विभाग के मेल आईडी राज्य अंलकरण कल्चर एड दी रेड जी मेल डॉट कॉम पर स्वीकार की जाएंगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार चयन समिति की अनुशंसा पर शासन द्वारा अंतिम रूप से घोषित एक व्यक्ति/संस्था को दो लाख रूपये नगद और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाएगा। सम्मान के लिए निम्नानुसार अपेक्षाओं की पूर्ति करते हुए प्रविष्टियां ईमेल पर आमंत्रित की गई है।

पिछड़ा वर्ग के लोगों को लाभ पहुंचाने भूपेश सरकार काम कर रही : साहू

■ पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष थानेश्वर साहू ने ली बैठक

पायनियर संवाददाता ‹ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

प्रदेश कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग छत्तीसगढ के बलौदाबाजार जिला की प्रथम बैठक जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष थानेश्वर साहू एवम अध्यक्षता पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव उपस्थित थे। अथितियो का आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुवात की गई।

मुख्य अतिथि श्री साहू ने कहा कि पिछड़ा वर्ग के लोगो के लिए भूपेश बघेल की सरकार अनेकों महत्वपूर्ण योजना बना कर गांव की अंतिम व्यक्ति को लाभ पहुंचाने का कार्य कर रही है। श्री साहू ने प्रदेश की लोगो को योजनाओं का लाभ लेने की अपील करते हुए पिछड़ा वर्ग के लोगो को संगठित होकर कार्य करने का आह्वान किया। साहू ने बताया कि छत्तीसगढ़ में 95 जाति के लोग पिछड़ा वर्ग मे सम्मिलित है। अध्यक्षता करते हुए यादव ने कहा कि हम सबको बहुत ही गर्व होना चाहिए कि छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़िया एवम पिछड़ा वर्ग का मुख्यमंत्री है। कांग्रेस की भूपेश सरकार किसानों के हित के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ मे 80 प्रतिशत लोग किसान है और लगभग सभी पिछड़ा वर्ग के लोग हैं। हमे पिछड़ा वर्ग के लोगो के हित के लिए मिलजुल कर एवम संगठित होकर कार्य करना होगा तभी हम सब का विकास होगा। सभा को पूर्व विधायक जनक राम वर्मा ने भी संबोधित करते हुए कहा कि हमे आपसी मतभेद को भूल कर मिलजुल कर कार्य करना है। सभा को राकेश वर्मा, हितेंद्र ठाकुर, परमेश्वर यदु, दिनेश यदु, गोपी साहू, राकेश वैष्णव, पदमेश्वरी साहू, मोती वर्मा, रामबिलास साहू, खिलेंद्र वर्मा, इंदिरा साहू सरगांव, विमल साहू, भारत लाल वर्मा एवम इंद्र साव प्रदेश उपाध्यक्ष ने भी संबोधित किया स कार्यक्रम में महत्वपूर्ण बात यह रही कि बाबूलाल साहू को जिला अध्यक्ष एवम बलौदाबाजार लटुवा निवासी के के वर्मा को बड़ी जिम्मेदारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग छत्तीसगढ का प्रदेश महामंत्री नियुक्त कर नियुक्ति पत्र आयोग के अध्यक्ष एवम पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा सौंपा गया। नियुक्ति उपरांत बाबूलाल साहू ने धन्यवाद ज्ञापित किया एवम के.के. वर्मा ने सभा एवम पदाधिकारियों को विश्वास दिलाया है जो बड़ी जिम्मेदारी उन्हें दी गई हैं उसे वह बखूबी निभाते हुए पिछड़ा वर्ग के लोगो को संगठित कर पार्टी और भी मजबूत किया जाएगा।

कार्यक्रम में कुबेर यदु, अभिनव यदु, डॉ.ओ.पी. बघेल, दीपक साहू, थानेश्वर कनौज, सुखराम साहू, अरुण यदु, छल्ला साहू, धरमू साहू, नंदू चंद्राकर, ओमप्रकाश जायसवाल, टी.आर. साहू, राजेंद्र गिरी, डॉ. गोपाल साह, मुनीर साहू, राजेंद्र वर्मा, पार्षद रमेश वर्मा, भगवती वर्मा, नरेंद्र वर्मा, संतोष साहू, फुलेश्वर साहू, दिगंबर साहू, संतोष यादव, बिरेंद साहू, राजेश साहू, पवन यदु, गेंदू साव, डी.आर. साहू, खिलावन जायसवाल, सुखदेव साहू, शारदा सोनी, चंद्रकला साहू, सुमित्रा यादव, रूखमणी वर्मा, जमुना बाई, कुसुम वर्मा, लुकेश्वरी साहू एवम भारी संख्या में पिछड़ा वर्ग के लोग उपस्थित थे।

नेत्रदान कर दो लोगों के जीवन को भर सकता है रौशनी से

पायनियर संवाददाता ‹ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

नेत्रदान एक नेक कार्य है। व्यक्ति अपने नेत्रदान कर दो लोगों के जीवन को रौशनी से भर सकता है. इस हेतु किसी भी उम्र का व्यक्ति शपथ पत्र भर सकता है। मरणोपरांत ही उसका नेत्र अन्य व्यक्ति यों को प्रत्यारोपित किया जाता है। उक्त बातें शु वार को जिला न्यायालय परिसर में नेत्रदान हेतु शपथ पत्र भरने के दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बलौदाबाजार रजनीश श्रीवास्तव ने कहा. उनके प्रेरणा से जिला न्यायालय के अन्य न्यायाधीशों ने घोषणा पत्र भरकर नेत्रदान का संकल्प लिया। आगे जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री श्रीवास्तव ने कहा कि सामान्य तौर पर जन सामान्य में व्याप्त कुछ मिथक तथा जागरूकता के अभाव में लोग नेत्रदान से संकोच करते हैं। लेकिन यह एक प्रमुख आवश्यकता है, क्योंकि विकासशील देशों में प्रमुख सार्वजनिक समस्याओं से एक दृष्टि हीनता है. ज्यादतर मामलों में दृष्टि की हानि को नेत्रदान के माध्यम से ही उपचारित किया जा सकता है।

आरपीएफ़ के स्थापना दिवस पर नुक्कड़ नाट्य कर जागरूक किया

पायनियर संवाददाता ‹ भाटापारा
www.dailypioneer.com

रेलवे सुरक्षा बल के स्थापना दिवस के अवसर पर आरपीएफ ऑफिसर्स व स्टाफ के द्वारा पारंपरिक वेशभुसा धारण कर नुक्कड़ नाटक कर यात्रियों को किया गया जागरूक।

आपको बता दे आज भाटापारा रेलवे यात्री प्रतीक्षालय में रेलवे सुरक्षा बल के 37वाँ स्थापना दिवस के अवसर पर यात्रियों को जागरूक करने नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक में पारंपरिक वेशभुसा धारण कर रेलवे सुरक्षा बल के ऑफिसर्स एव स्टाप के द्वारा ही यात्रियों को यात्रा के दौरान किन किन बातों को ध्यान में रख कर कैसे सावधानी से यात्रा किया जाए यह बताया गया। नुक्कड़ नाटक में प्रमुख भूमिका निभा रहे नागपुर डिवीजन रेलवे सुरक्षा बल इंस्पेक्टर पिसी शर्मा ने बताया कि 20 सितंबर स्थापना दिवस से लेकर 26 सितंबर तक बिलासपुर व रायपुर मण्डल के 14 बड़े स्टेशनों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता अभियान चला कर यात्रियों को सुरक्षित यात्रा करने हेतु प्रेरित किया जाएगा। नुक्कड़ नाटक में रेलवे के अधिकारी, कर्मचारी, आरपीएफ स्टाफ एवं भारी संख्या में यात्रीगण उपस्थित रहे।

सामुदायिक भवन का फीता काटकर विधायक शर्मा ने किया लोकार्पण

पायनियर संवाददाता ‹ भाटापारा
www.dailypioneer.com

भाटापारा विकसखण्ड अतंर्गत ग्राम हसदा में वर्मा समाज एवं यादव समाज के 6.50-6.50 लाख की लागत से बने सामुदायिक भवन के लोकार्पण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपाध्यक्ष भाजपा छत्तीसगढ़ विधायक शिवरतन शर्मा शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ कर फीता काटकर भवनों का लोकार्पण किया। विधायक शिवरतन शर्मा ने सभी उपस्थित ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि सामाजिक गतिविधियों की चर्चा व अन्य आयोजन के लिए भवन का उपयोग किया जा सकेगा। साथ ही समाज के लोगों को धार्मिक, सांस्कृतिक व निजी आयोजन के लिए भी भवन का लाभ मिलेगा। उक्त कार्यक्रम में पूर्व जनपद उपाध्यक्ष परस देवांगन, सरपंच भूपेंद्र वर्मा, पूर्व सरपंच जानकी दिलीप वर्मा, उपसरपंच मनोज सोनवानी, लक्ष्मण यादव, आंनद डहरिया, गोमती सोनवानी, दुर्गा सोनवानी, अहिल्या वर्मा ललिता ध्रुव, भारती, नर्मदा यादव, इंदिरा यादव सहित सभी ग्रामवासी उपस्थित थे।

सुपोषित व एनीमिया मुक्त गरियाबंद की ओर तेजी से अग्रसर

राष्ट्रीय पोषण माह 2021 सुपोषण की ओर एक कदम

पायनियर संवाददाता ‹ गरियाबंद
www.dailypioneer.com

पोषण अभियान अंतर्गत राष्ट्रीय पोषण माह 2021 का आयोजन जिला गरियाबंद में 01 सितम्बर 2021 से 30 सितम्बर 2021 तक किया जा रहा है। राष्ट्रीय पोषण माह का मुख्य उद्देश्य कुपोषण एवं एनीमिया के स्तर में उल्लेखनीय कमी लाना तथा सुपोषित छत्तीसगढ़की अवधारणा को साकार रूप देना है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सुपोषित एवं कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ के सपनों को साकार करने में सुपोषित व एनिमिया मुक्त गरियाबंद की ओर जिला तेजी से अग्रसर हो रहा है। जिला गरियाबंद में किये गये विशेष प्रयास और कुपोषण मुक्ति गतिविधियों के कारण कुपोषण के दर में 1.5 प्रतिशत की कमी आई है। जहां अक्टूबर 2019 में कुपोषण की दर 19.93 प्रतिशत था, वहीं बीते माह यह प्रतिशत घटकर 18.34 प्रतिशत हो गया है।

महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत मनाये जा रहे राष्ट्रीय पोषण माह 2021 का एक प्रमुख उद्देश्य वजन त्यौहार के दौरान चिन्हांकित गंभीर कुपोषित बच्चो के फॉलोअप हेतु गृहभेंट कर लंबाई/ऊचाई एवं वजन का मापन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन एवं एएनएम द्वारा संयुक्त रूप से किया जाना है तथा चिन्हांकित गंभीर कुपोषित बच्चों की जानकारी तैयार की जानी है। पोषण माह के दौरान पौष्टिक सब्जियां, फलदार पौधों को घर की बाड़ियों/सामुदायिक बाड़ियों/खाली पड़ी भूमियों में रोपण करने के साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रों, स्कूल भवनों, शासकीय भवनों में तथा नगरीय क्षेत्रों में घर की छतों पर पोषण वाटिका निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया जाना है।

राष्ट्रीय पोषण माह हेतु 04 मुख्य थीम अनुसार गतिविधियां की जा रही है। जिसके अंतर्गत प्रथम सप्ताह में विभिन्न विभागों के सहयोग से आंगनबाड़ी केन्द्रों, स्कूलों, ग्राम पंचायतों एवं अन्य उपलब्ध सामुदायिक स्थानों पर पोषण वाटिका विकसित किया गया। इसके साथ ही गर्भवती माताओं को उचित पोषण प्राप्त हो इस उद्देश्य से विभाग द्वारा मातृ वंदना सप्ताह गतिविधि का आयोजन किया गया व गर्भवती माताओं का मातृ वंदना योजना अंतर्गत आवेदन भरवाया गया जिससे उन्हें आर्थिक सहायता प्राप्त हो सके। द्वितीय सप्ताह में पोषण हेतु योग एवं आयुष के सहयोग से विभिन्न समूहों यथा गर्भवती माता, बच्चे एवं किशोरी बालिका हेतु योग सत्रों का आयोजन किया गया। अन्तर्विभागीय समन्वय द्वारा बेहतर पोषण हेतु प्रसव पूर्व जांच एवं गर्भावस्था तथा स्तनपान के दौरान पोषण पर जागरूकता कार्यक्रम, स्थानीय त्यौहार ''तीज पर्व'' व गणेश चतुर्थी को पोषण एवं स्वास्थ्य विषयों से जोड़ते हुए गतिविधियां, आयोजित की गई। आयुष के माध्यम से गर्भावस्था में एनीमिया पर परामर्श सत्र का आयोजन किया गया साथ ही अतिरिक्त पौष्टिक आहार का वितरण किया गया। तृतीय सप्ताह में आंगनबाड़ी केन्द्रों के हितग्राहियों को पोषण किट वितरण, जागरूकता एवं परामर्श कार्यक्रम, पोषण में पुरूषों की सहभागिता विषय पर स्थानीय स्तर पर गतिविधियां, मिलेट जागरूकता वेबिनार, वीएचएसएनडी/ गृहभेंट, स्व सहायता समूह की बैठक, बाल संदर्भ शिविर, स्कूल स्तरीय गतिविधियां जैसे रंगोली, चित्रकला, नारा लेखन, निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आगामी चतुर्थ सप्ताह में राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत गंभीर कुपोषित बच्चों के चिन्हांकन एवं प्रबंधन पर विभागीय अधिकारियों का प्रत्यास्मरण, पंचायत एवं स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों का गंभीर कुपोषित बच्चों के चिन्हांकन एवं प्रबंधन पर उन्मुखीकरण, गंभीर कुपोषित को पोषाहार वितरण, पोषण पंचायत/नगरीय निकायों की बैठक, स्व-सहायता समूह की बैठक, व अन्य गतिविधियां विभागों के समन्वित सहयोग से की जाएगी। कलेक्टर श्री निलेश क्षीरसागर के मार्गदर्शन में वर्तमान में पोषण माह के प्रभावी सुचारू एवं परिणाम मूलक आयोजन एवं गतिविधियां समाज के प्रत्येक वर्गो की भागीदारी से संभव हो रहा है।

भाजपा नगर मंडल शक्ति ने दीनदयाल जयंती पर किया संगोष्ठी का आयोजन

सरकारी अस्पताल में किया मरीजों को फल,बिस्किट एवम सुरक्षा मास्क का वितरण

पायनियर संवाददाता ‹ सक्ति
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल शक्ति द्वारा 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय उद्यान में दीनदयाल जी की आदमकद प्रतिमा के सामने जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया, सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, तत्पश्चात मंचस्थ अतिथियों में भाजपा जांजगीर-चांपा जिले के महामंत्री एवं शक्ति नगर मंडल के प्रभारी पुरुषोत्तम शर्मा, छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामअवतार अग्रवाल, शक्ति विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं प्रदेश भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के महामंत्री डॉ खिलावन साहू, भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला सह संयोजक सुरेश देवांगन, भाजपा शक्ति नगर मंडल अध्यक्ष अनूप अग्रवाल, जिला कार्यसमिति सदस्य मांगेराम अग्रवाल,प्रदीप गुप्ता तथा अधिवक्ता चितरंजन पटेल प्रमुख थे,कार्यक्रम का मंच संचालन नगर मंडल महामंत्री अमन डालमिया ने करते हुए विस्तार पूर्वक दीनदयाल जी की जयंती पर प्रकाश डाला, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर मंडल प्रभारी पुरुषोत्तम शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय की परिकल्पना को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार साकार कर रही है, तथा अंतिम छोर के अंतिम विकास के लिए सरकार ने अनेकों जन कल्याणकारी योजनाएं प्रारंभ की है,हम सभी कार्यकर्ताओं को मिलकर इन योजनाओं का प्रचार प्रसार लोगों तक करना है, साथ ही पुरुषोत्तम शर्मा ने सेवा समर्पण अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत 7 अक्टूबर तक सभी कार्यकर्ताओं को अधिक से अधिक बूथों तक पहुंचकर सेवा के कार्य करने की अपील की, कार्यक्रम को पूर्व विधायक डॉक्टर खिलावन साहू, रामअवतार अग्रवाल, मांगेराम अग्रवाल, चितरंजन पटेल एवं प्रदीप गुप्ता ने भी संबोधित करते हुए कहा कि आज दीनदयाल उपाध्याय जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक है, तथा दीनदयाल जी ने सर्वत्र राष्ट के विकास के लिए काम किया, एवं दीनदयाल जी की प्रेरणा पर चलकर ही आज भारतीय जनता पार्टी केंद्र में तथा देश के विभिन्न राज्यों में सत्तासीन है, कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन नगर मंडल उपाध्यक्ष गोविंद देवांगन ने किया तथा भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अनूप अग्रवाल के नेतृत्व में नवनिर्मित मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को फल एवं बिस्किट का वितरण कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई, साथ ही कोविड-19 के संक्रमण को देखते हुए लोगों को सुरक्षा मास्क का वितरण करते हुए कोविड से बचाव हेतु मास्क लगाकर रहने का भी आग्रह किया गया, एवं नगर मंडल द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया,साथ ही नगर मंडल के प्रभारी पुरुषोत्तम शर्मा ने स्थानीय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागार सामुदायिक भवन शक्ति में जाकर कोविड-19 वैक्सीनेशन सेंटर का भी निरीक्षण कर वहां लोगों को कोविड-19 टीकाकरण के प्रति जागरूक किया।

वर्ल्ड फार्मासिस्ट डे पर सरगुजा में कार्यक्रम आयोजित

पायनियर संवाददाता ‹ सरगुजा
www.dailypioneer.com

25 दिसम्बर को वर्ल्ड फार्मासिस्ट डे के रुप में मनाया जाता है, इसी तारतम्य में छत्तीसगढ़ फार्मासिस्ट एसोसिएशन, सरगुजा इकाई के द्वारा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में इस दिवस को बहुत ही उत्साहपूर्ण माहौल में मनाया गया। उक्त कार्यक्रम में सीएमएचओ डाक्टर पी.एस. सिसोदिया, सिविल सर्जन डाक्टर अनिल प्रसाद, एवं वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डाक्टर जे.के. रेलवानी एवं वरिष्ठ चिकित्सक डाक्टर आर.एन. गुप्ता उपस्थित थे। जहाँ दवा, वहाँ फार्मासिस्ट, के मूलमंत्र के साथ सीएमएचओ डाक्टर सिसोदिया के द्वारा किसी भी स्वास्थ्य संस्था में पदस्थ फार्मासिस्ट को चिकित्सा सेवा में एक अहम कड़ी बताया गया जो कि मरीजों को दवा संबंधी जानकारी देनें में अहम भूमिका अदा करते हैं। सिविल सर्जन डाक्टर प्रसाद ने इस कोरोना काल में आपातकालीन स्थिती के दौरान मरीजों को रोग से बचाव में फार्मासिस्टों के योगदान को प्रोत्साहित किया। साथ ही डाक्टर रेलवानी ने भविष्य में फार्मासिस्टों से ऐसे ही कार्य करने हेतु प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में रत्नेश देवा शर्मा, एडीसी रमिला भगत, डीआई आलोक मौर्य व अनिल पैकरा। फार्मासिस्ट, एस.एस.मरावी, सुनील नाग, मंगल पैकरा, तरुण आदित्य दुबे, वसीम, ब्रजेश यादव, सुरेन्द्र यादव, महिनाथ मंडल, सरस्वती सोनी, सोनल गुप्ता, विजय यादव, सुरेन्द्र साहू, सुरेश गुप्ता, धर्मेंद्र चौहान, अमित सिसोदिया, अर्जुन सिंह, अनमोल कुजूर, मनोज धुर्वे, रोशन कश्यप, राजेन्द्र नेताम, सुनील माहौर एवं अन्य फार्मासिस्ट उपस्थित थे।

तमनार के अदानी खदान के पास हादसा ट्रेलर से कुचलकर महिला की मौत

पायनियर संवाददाता ‹ रायगढ़
www.dailypioneer.com

तमनार थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित अदानी कोल माइंस के पास सुबह एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना घटित हुई है। जहां सुबह हुए इस हादसे में ट्रेलर से दबकर एक महिला की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि वाहन चालक मौके से फरार हो गया है। बताया जा रहा है कि बाइक में सवार होकर तीन लोग तोलगे जा रहे थे तभी बाइक की चक्का स्लिप करने पर तीनों रास्ते में गिर गए और सामने से आ रही ट्रेलर की चपेट में महिला आ गई। जिससे उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतिका का नाम सेतकुवर खड़िया स्व पति हरिराम उम्र 45 वर्ष बताया जा रहा है तो वहीं दोपहिया वाहन चालक मोहित राम करवाही का ही रहने वाला बताया जा रहा है।

जर्जर सड़कें और धूल के गुब्बार बन रही मौत की वजह

तमनार क्षेत्र की सड़कें इन दिनों अपने अंतिम अवस्था में पहुंच चुकी है जगह-जगह मौत के गड्ढे बन चुके हैं बारिश होने पर कीचड़ तो धूप खिलते ही धूल के गुब्बारों का सामना लोगों को करना पड़ रहा है। सड़क की समस्या की वजह से ही लगातार लोग काल के गाल में समाते जा रहे हैं। जर्जर सड़क के कारण इस क्षेत्र में आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही है।

अदानी कोल माइंस के पास की सड़कें ज्यादा खराब

तमनार क्षेत्र के ही हुनकराडीपा से मिलुपारा पहुंच मार्ग अभी की हालत में बहुत ही जर्जर हो चुकी है। चतरा में स्थापित अदानी हिंडालको अंबुजा व अन्य कई कंपनियों की सभी गाड़ियां इन सड़कों पर फर्राटे भर रहे हैं जिस वजह से सड़क की दुर्दशा खस्ताहाल हो चुकी है।

नही हो रहा पानी का छिडकाव

धूल से बचने हेतु कलेक्टर भीम सिंह ने कंपनियों के आसपास स्थित सड़कों पर लगातार पानी का छिड़काव करने का अपील किया गया था परंतु उनके अपील का भी कोई असर देखने को नहीं मिल रहा है। कंपनियां अपनी मनमानी करते हुए ना तो पानी का छिड़काव कर रहे हैं और नहीं सड़कों की मरम्मत। जिसके कारण अंचल के लोगों में खासा आक्रोश देखा जा रहा है।

पत्नी के हत्यारे पति को आजीवन कारावास की सजा

500 रु अर्थदंड भी लगाया, चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का मामला

पायनियर संवाददाता ‹ रायगढ़
www.dailypioneer.com

पंचम अपर सत्र न्यायाधीश कमलेश जगदल्ला की अदालत ने पत्नी की हत्या के मामले में आरोपी पति को 22 सितम्बर के दिन आजीवन कारावास व 500 रु जुर्माना की सजा सुनाई। अदालत ने आरोपी हत्यारे लक्ष्मी प्रसाद कन्नौजे 57 वर्ष को अपनी पत्नी कांति बाई कन्नौजे की हत्या के मामले में अदालत ने सजा सुनाई। दोनों पक्षों की दलील सुनाने के बाद अदालत ने फैसला सुनाया।

घटना 14 फरवरी 2020 की है। आरोपी और मृतिक पत्नी ग्राम चोरभट्ठी, तहसील पामगढ़, थाना मुलमुला, जिला जांजगीर चांपा के वास्तविक निवासी है। जो केलो विहार कॉलोनी में रामलाल स्वर्णकार के मकान पर अपने बहू बेटे व नाती के साथ किराए पर रहते थे।

बताया गया है कि आरोपी शराबी किस्म का था जो शराब पीकर आए दिन अपनी पत्नी से लड़ाई झगड़ा करता था। हत्या के एक दिन पहले ही आरोपी ने घर पर लड़ाई झगड़ा किया जिस वजह से उसकी बहू और बेटे घर छोड़कर गृहग्राम मुलमुला चले गए थे। जिससे घर पर केवल आरोपी और उसकी पत्नी थी। इसी बीच ठंड के समय होने पर आरोपी की पत्नी 14 फरवरी को सुबह 7 बजे छत पर धूप सेक रही थी। तब आरोपी उससे लड़ाई झगड़ा कर मारपीट कर रहा था। मारपीट करते देख रविन्द्र केशरवानी के द्वारा मना किया गया परन्तु आरोपी नही माना और छत से घसीटते हुए पत्नी को घर के अंदर ले आया फिर घर के अंदर भी हाथ मुक्के से मारपीट किया जिससे उसकी पत्नी की मौत हो गई।

मौत हो जाने के बाद घटना की सूचना चक्रधरनगर पुलिस को दी गई । सूचना मिलते ही चक्रधर नगर के तत्कालीन थाना प्रभारी विवेक पाटले द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को फरार होने से पहले ही धर दबोचा गया था ।पुलिस आरोपी के विरुद्ध धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई और आरोपी को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया था।

एसईसीएल कोयला प्रभावितो ने किया प्रदर्शन रैली निकाली, जल्द मुआवजे की मांग

जिलाधीश को सौंपा ज्ञापन

पायनियर संवाददाता ‹ रायगढ़
www.dailypioneer.com

रायगढ़ जिले के घरघोड़ा तहसील के एस ई सी एल कोयला प्रभावित क्षेत्र बरौद के ग्रामीणों द्वारा एसईसीएल पुनर्वास नीति के तहत पुनर्वास और एवं रोजगार की मांग को लेकर आज जिला कार्यालय कलेक्ट्रेट में रैली निकालकर जिला प्रशासन से मांग की गई है। एसईसीएल द्वारा दिए गए आश्वासनों को जिला प्रशासन पुनर्वास नीति के तहत प्रत्येक परिवार को पुनर्वास कराने की मांग प्रभावित ग्रामीणों द्वारा की गई है। ग्रामीणों द्वारा यह मांग भी की गई है कि जिन किसानों की एसईसीएल कोयला खदान में जमीन गई है। उनके प्रत्येक परिवार के लोगों को नौकरी दी जाए। बरौद क्षेत्र के शताधिक ग्रामीण जिनमें महिलाओं की संख्या अधिक थी। आज इकटठे होकर रायगढ़ पहुंचे थे और रैली के रूप में कलेक्टोरेट पहुंचकर जिलाधीश को उक्ताशय का ज्ञापन सौंपकर जल्द कार्रवाई की मांग की गई है।

सड़कों के गड्ढे व अमृत मिशन से हुए गड्ढे बन रहे शहर वासियों के लिए जानलेवा: उमेश अग्रवाल

पायनियर संवाददाता ‹ रायगढ़
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष उमेश अग्रवाल ने कहा है कि अमृत मिशन के तहत खोदे गए गड्ढे अब शहर वासियों के लिए जानलेवा सिद्ध हो रहे है आए दिन इन गड्ढों के कारण दुर्घटनाएं घट रही है और निगम सरकार चीर निद्रा में सोई हुई है।

उन्होंने आरोप लगाया है कि अमृत मिशन के तहत खोदे गए इन गड्ढों को भरने में भी निगम सरकार दोहरी नीति अपना रही है जहां शहर के मध्यमवर्गीय परिवार निवास करता है उन क्षेत्रों के गड्ढे नही भरे जा रहे। आमजनों की तकलीफ से एक तरह से कांग्रेस की निगम सरकार ने किनारा ही कर लिया है। एक ओर प्रदेश सरकार गरीबों को उनके कब्जे की जमीन से बेदखल कर उसे नीलाम कर पैसे वालों को बांट रही है जिससे गरीब जनता में हाहाकार मचा हुआ है। कांग्रेस की सरकार बनाने में इन सामान्य एवं गरीबों का भी तो सहयोग मिला होगा फिर क्यूँ ये कांग्रेस सरकार इनके प्रति निरंकुश बनी हुई है। निगम की सत्ता में बैठे उच्च पदाधिकारी आज स्वयं के शीतयुद्ध से परेशान है वो भला जनता की तकलीफ को कैसे समझे,जो खुद की कलह को दूर नही कर पा रहे वो भला क्या संवारेंगे मेरे शहर की तस्वीर। प्रशासनिक उदासीनता एवं अकुशल नेतृत्व के कारण आज हमारे शहर की तस्वीर बद से बदत्तर होते जा रही है जिससे शहर का आम नागरिक के सब्र का बांध अब टूटने लगा है। उमेश अग्रवाल ने निगम सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर 10 दिनों में शहर के गड्ढे एवं शहर के अधिकांश मुख्य मार्गों के गड्ढे नही भरे गए तो जिला भाजपा सड़क पर उतरकर आम जनता से भीख मांगकर शहर सरकार को देकर रोड बनवाने की गुहार लगाएगी।

अब एक नई परंपरा की शुरुआत श्रमदान से शुरू होगा हर विकास कार्य

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 2 के अध्यक्ष बंटी होरा ने आज अपने शहीद हेमू कालाणी वार्ड से एक नई परंपरा की शुरूआत की है जिसमें उन्होंने हर विकास कार्य की शुरुआत श्रम दान कर करने का निर्णय लिया है । आज उन्होंने वार्ड नागरिकों की 25 वर्षों से उद्यान की लंबित मांग को पूरा करते हुये जहां कू?ादान हुआ करता था उसे बच्चों के लिये साडे 12 लाख की राशि से विकसित गार्डन बनाने वाले कार्य पर श्रम दान कर कार्य की शुरुआत करायी । इसी कड़ी में उन्होंने वार्ड के सेक्टर 4 स्तिथ कन्या महाविद्यालय से गुजराती स्कूल होते हुये सरस्वती स्कूल तक लगभग 10 लाख राशि से होने वाले नाली निर्माण और

कवर्ड कार्य को भी श्रमदान कर प्रारंभ कराया । और बंटी होरा ने यह कहा है इसी तरह अब हर विकास कार्य की शुरुआत श्रम दान कर किया जायेगा ।

इससे निर्माण कार्य करने वाले मजदूरों का हौसला बढेगा और भले हम एक ईंट रखे पर उससे हर विकास कार्य पर हमारी भागीदारी होगी ।

कलेक्टर ने किया आंगनबाडी केंद्र लैकडुम का निरीक्षण

मुंगेली। कलेक्टर अजीत वसंत ने आज मुंगेली विकास खण्ड के ग्राम लैकडुम में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से बच्चों की दर्ज संख्या, उपस्थिति, बच्चों को दी जाने वाली पौष्टिक आहार (रेडी टू ईट) आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की और बच्चों में स्वच्छता के साथ अच्छी आदते डालने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को निर्देष दिये। तत्पश्चात् कलेक्टर श्री वसंत ने आंगनबाड़ी केंद्र के विभिन्न पंजीयों का अवलोकन किया। पंजी संधारण नहीं होने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की और संबंधित सेक्टर सुपरवाईजर को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देष दिये। तत्पष्चात् कलेक्टर वसंत ने आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों से आत्मीय बात-चीत करते हुए उनके सामान्य ज्ञान के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर बच्चों ने गीत सुनाया। जिस पर कलेक्टर श्री वसंत ने बच्चों की प्रषंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्य पालन अधिकारी रोहित व्यास और मुंगेली अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नवीन भगत भी मौजूद थे।

OMKARA ASSETS RECONSTRUCTION Pvt. Ltd.
ओंकारा असेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : नंबर 9, एम.पी. नगर, फर्स्ट स्ट्रीट, कोंगू नगर एक्सटेंशन, तिरूपुर – 641 607
कार्पोरेट कार्यालय :– सी/515, कनकिया जिलियन, एलबीएस रोड तथा सीएसटी रोड का जंक्शन, बीकेसी अनेक्सी, कुर्ला (डब्ल्यू), मुंबई–400 070
फोन : 022–265440, ई–मेल : mumbai@omkaraarc.com/www.omkaraarc.com/
सीआईएन : यू67100टीजैड2014पीटीसी020363

कब्जा सूचना
परिशिष्ट 4
(अचल सम्पत्ति हेतु)
नियम 8 (1)

जबकि,
अधोहस्ताक्षरी ने इंडसइंड बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मांग सूचना दिनांकित 22 जून, 2021 जारी की थी, जिसमें कर्जदार – मैसर्स गोयल बिल्डमार्ट ऐंड वाटर प्रूफिंग : श्री अनीश गोयल और श्रीमती आशा गोयल से उक्त सूचना में वर्णित अनुसार बकाया राशि रू. 60,83,933.34/– (रू. साठ लाख तिरासी हजार नौ सौ तेतीस तथा पैसे चौंतीस मात्र) तथा संबंधित क्रेडिट सुविधा के संबंध में दिनांक 01 जून, 2021 से आगे 09.55 प्रतिशत ब्याज तथा 18.75 प्रतिशत दंड ब्याज (साधारण आधार) + लागतों, प्रभारों तथा खर्चों इत्यादि का भुगतान, उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी।

इसके अतिरिक्त, यह अभिलेखबद्ध है कि इंडसइंड बैंक लिमिटेड (आईबीएल) मूल लेनदार ने उपरिसंदर्भित कर्जदारों/ऋण खाता के संबंध में बकाया ऋण के अपने सभी अधिकार, स्वामित्व और ब्याज, अधोलिखित प्रतिभूतियों सहित, सरफासी ऐक्ट के प्रावधानों के तहत, ओंकारा असेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, ओंकारा पीएस06/2021–22 ट्रस्ट के ट्रस्टी की हैसियत से कार्यरत, के पक्ष में समनुदेशित कर दिए हैं। ओंकारा असेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड (ओएआरपीएल), कम्पनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अधीन गठित तथा वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनरगठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 ("सरफासी ऐक्ट, 2002") की धारा 3 के अधीन भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के साथ एक असेट रिकंस्ट्रक्शन कम्पनी के रूप में सम्यक् पंजीकृत कम्पनी, जिसका सीआईएन : यू67100टीजैड2014पीटीसी020363 है तथा जिसका पंजीकृत कार्यालय : नंबर 9, एम.पी. नगर, फर्स्ट स्ट्रीट, कोंगू नगर एक्सटेंशन, तिरूपुर – 641 607 और कार्पोरेट कार्यालय :– सी/515, कनकिया जिलियन, एलबीएस रोड तथा सीएसटी रोड का जंक्शन, बीकेसी अनेक्सी, कुर्ला वेस्ट, मुंबई–400 070 में स्थित है, ओंकारा पीएस06/2021–22 ट्रस्ट के ट्रस्टी की हैसियत से कार्रवाई कर रही है।

ऋण/वित्तीय आस्तियों के उक्त समनुदेशन के अनुसरण में ओंकारा असेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड (ओएआरपीएल) ने इंडसइंड बैंक लिमिटेड (आईबीएल) का स्थान ले लिया है और सम्पूर्ण बकाया राशि वसूल करने और प्रतिभूति प्रवर्तित करने की अधिकारी हो गई है।

मैसर्स गोयल बिल्डमार्ट ऐंड वाटर प्रूफिंग : श्री अनीश गोयल और श्रीमती आशा गोयल सरफासी ऐक्ट की धारा 13(2) के तहत सूचना दिनांकित 22 जून, 2021 के अनुसार उक्त बकाया राशि चुकाने में असफल रहे हैं। ओंकारा असेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी, सरफासी ऐक्ट, 2002 की धारा 13 की उप–धारा (12) के तहत सम्यक् नियुक्त, ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित प्रतिभूत आस्तियों/अचल/चल सम्पत्तियों का कब्जा 22 सितम्बर, 2021 को प्राप्त कर लिया है।

कर्जदारों/बंधकदाताओं को विशेष रूप से तथा सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि इस सम्पत्ति के संबंध में कोई संव्यवहार नहीं करें तथा सम्पत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार ओंकारा असेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, ओंकारा पीएस06/2021–22 ट्रस्ट के ट्रस्टी, कार्पोरेट कार्यालय : सी/515, कनकिया जिलियन, एलबीएस रोड तथा सीएसटी रोड का जंक्शन, बीकेसी अनेक्सी, निकट इक्विनोक्स, कुर्ला (वेस्ट), मुंबई–400 070 की बकाया राशि रू. 60,83,933.34/– (रू. साठ लाख तिरासी हजार नौ सौ तेतीस तथा पैसे चौंतीस मात्र) तथा संबंधित क्रेडिट सुविधा के संबंध में दिनांक 01 जून, 2021 से आगे भुगतान और वसूली की तिथि तक 09.55 प्रतिशत ब्याज तथा 18.75 प्रतिशत दंड ब्याज (साधारण आधार) + लागतों, प्रभारों तथा खर्चों इत्यादि का भुगतान करने के बाद ही किया जा सकता है।

कर्जदार का ध्यान, प्रत्याभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

उपरोक्त खाते में हमारी कम्पनी के पास दृष्टिबंधित/समनुदेशित/प्रभारित/बंधकदत्त तथा कब्जा में ली जा चुकी आस्तियों/सम्पत्तियों का विस्तृत विवरण यहां नीचे दिया गया है :

अचल सम्पत्ति का विवरण

सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : प्लॉट नंबर बी–28(4), सर्वे नंबर 207/3 एवं 208/3, भूमि क्षेत्रफल परिमाप – 2400 वर्ग फीट (उसके ऊपर निर्माण सहित), जो सेक्टर–3, उदय नगर (उदय सहकारी गृह निर्माण समिति मर्यादित), ग्राम टाटीबंध, पी.एच. नंबर 103/24, आर.आई.सी. – रायपुर–1, शहीद भगत सिंह वार्ड नंबर 13, नगर, तहसील एवं जिला – रायपुर, छत्तीसगढ़ में स्थित है और निम्नानुसार परिबद्ध है :
उत्तर : प्लॉट नंबर बी–28(9), दक्षिण : रोड,
पूरब : प्लॉट नंबर बी–28(6), पश्चिम : प्लॉट नंबर बी–28(3).
***सम्पत्ति का विस्तृत और अधिक स्पष्ट विवरण श्रीमती आशा गोयल के नाम डीड नंबर 5126 (केएच) दिनांकित 06–02–2008 में वर्णित किया गया है।

(प्राधिकृत अधिकारी)
तिथि : 22 सितम्बर, 2021 वास्ते ओंकारा असेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
स्थान : रायपुर (ओंकारा पीएस06/2021–22 ट्रस्ट के ट्रस्टी की हैसियत से कार्यरत)

डीएसपी निकिता तिवारी व टीआई विवेक पाटले ग्रामवासियों को बताए साइबर क्राइम से बचने के उपाय

अपराधों से बचने बोंदा में लगा पुलिस जन चौपाल

पायनियर संवाददाता ‹ रायगढ़
www.dailypioneer.com

पुलिस अधीक्षक अभिषेक मीणा के दिशा निर्देश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले रायगढ़ एवं उप पुलिस अधीक्षक निकिता तिवारी के मार्गदर्शन में शुक्रवार को थाना सरिया क्षेत्र के ग्राम बोदा में सरिया पुलिस द्वारा 'पुलिस जन चौपाल' लगाया गया। जन चौपाल के मंच से डीएसपी निकिता तिवारी द्वारा इस प्रकार के आयोजन को आमजन व पुलिस के बीच सेतु का काम करना बताई तथा इस प्रकार के आयोजन से जागरूकता के साथ आमजन अपनी शिकायत व सुक्षाव बेझिझक पुलिस के समक्ष रखना बताई। उनके द्वारा ग्रामवासियों से उनकी कोई शिकायत व सुक्षाव की मांग की जिस पर ग्रामीणों द्वारा गांव के मुख्य मार्ग में स्टापर लगाने, आपसी झगड़ा-विवाद तथा दिगर विभाग से संबंधित लिखित आवेदन प्रस्तुत किये, झगड़ा विवाद तथा स्टापर लगाने संबंधी आवेदन पत्र का मौके पर थाना प्रभारी विवेक पाटले द्वारा उचित निराकरण किया गया तथा दिगर विभाग से संबंधित आवेदन को संबंधित विभाग प्रमुख के समक्ष प्रस्तुत करना बताये।

कार्यक्रम में डीएसपी निकिता तिवारी द्वारा ग्रामवासियों को वर्तमान चिटफंड कंपनियों, द्वारा किस प्रकार लुभावन स्कीम बताकर लोगों को ठगा जा रहा है, इस पर विस्तार से जानकारी देकर बचाव के तरीके बताई। उन्होंने ऑनलाइन ठगी, मोबाइल ठगी, जेवर चमकाने के नाम पर ठगी, टावर लगाने के नाम पर ठगी, तथा मानव तस्करी, महिलाओं एवं बच्चों पर घटित गंभीर अपराध की जानकारी देते हुए गांव में संदिग्ध व्यक्ति, गांव में जुआ सट्टा, अवैध शराब बिक्री एवं फेरीवाले घूमने पर थाना में तत्काल सूचना देना बताई। उन्होने बच्चों को गुड टच बैड टच (आत्मरक्षा) आदि के बारे में समझाइश देकर जागरूक किया गया एवं बताया गया कि वर्तमान में महिला एवं बच्चों पर घटित अपराधों में शासन, प्रशासन, पुलिस संजीदा है, ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई की जा रही है। महिलाओं, बच्चियों की सुरक्षा केवल पुलिस की ही नहीं सब की जिम्मेदारी है। थाना प्रभारी सरिया विवेक पाटले द्वारा ग्रामवासियों को नशे से हो रहे परिवार के बिखराव को बताते हुए शराब व अन्य नशे से ग्रामीणों को दूर रहना बताये तथा सुरक्षित यात्रा एवं दुर्घटना से बचने के लिए शराब पीकर वाहन न चलाने की हिदायत दी गई। जन चौपाल में ग्रामीण में काफी उत्साह देखा गया, चौपाल में सरिया थाना स्टाफ के साथ ग्राम के सरपंच, पंच, कोटवार, महिला समूह के सदस्यगण व करीब 200 से अधिक की संख्या में ग्रामवासियों की उपस्थिति रही।

भटके बालक को पुसौर राइनो ने पहुंचाया घर

रायगढ़। पुसौर थाना अंतर्गत अर्न्तगत ग्राम कोतासुरा में कल दोपहर किसी दूसरे गांव के 06 वर्ष के बालक को गांव में अकेले घूमते देखकर गांव के सज्जन व्यक्ति द्वारा डॉयल 112 को कॉल कर सूचना दिया गया। डॉयल 112 से पुसौर राइनो को गुम बालक का इवेंट मिलने पर ईआरव्ही वाहन में आरक्षक अमर खुंट एवं चालक सतीश चन्द्रा ग्राम कोतासुरा पहुंचे। जहां बालक से पूछने पर अपना नाम शुभम निषाद निवासी वार्ड नं0 15 सरिया का होना बताया। बालक बताया कि अपने दोस्तो के साथ सायकल में गांव से घूमते हुए आया था, उसके दोस्त गांव चले गये, वह छूट गया है । पुसौर राइनो स्टाफ बालक को म्ट वाहन में बिठाकर उसके घर जाकर उसके मां के सुपुर्द किया गया।

संपादकीय

हवा की गुणवत्ता डब्लूएचओ ने बदले मानक

विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्लूएचओ ने ठोस कणों-पीएम समेत 6 प्रदूषकों के लिए हवा की गुणवत्ता स्तरों में संशोधन किए हैं। 2005 के बाद उसने वर्तमान स्वीकार्य स्तरों को घटा कर आधा कर दिया है। इससे भारत जैसे देशों पर भी बिना समय गंवाए हवा गुणवत्ता स्तर में सुधार के लिए दबाव बढ़ा है। भारतीय शहरों में प्रदूषण वर्तमान सीमाओं को देखते हुए भी अधिक है। ऐसे में नए नियमों के अनुसार स्थिति और बदतर हो जाएगी। इनमें पीएम संबंधी निर्देश खासतौर से महत्वपूर्ण हैं। औसत पीएम 2.5, यानी सांस से भीतर जाने वाले प्रदूषक कणों का संकेंद्रण प्रति घन मीटर पांच माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए, लेकिन वर्तमान स्तर 10 है। इसी प्रकार पीएम 10 का अधिकतम स्तर 20 से घटा कर 15 किया गया है। वैश्विक संगठन द्वारा उठाया गया यह कदम जरूरी हो गया था क्योंकि बड़े पैमाने पर शहरीकरण तथा आर्थिक विकास के साथ ही विकासशील देशों में प्रदूषण बढ़ रहा है। ये दिशानिर्देश स्वागत योग्य हैं और इनको लागू करना चाहिए। हालिया अध्ययनों से स्पष्ट है कि भारतीय शहरों में वायु प्रदूषण के कारण जीवन प्रत्याशा में 6 से 10 साल कमी आ रही है। समय आ गया है कि भारत बड़े प्रदूषण-विरोधी सुधार करे। प्रदूषण स्तरों में परिवर्तन करने वाले मौसमी तथा भौगोलिक परिवर्तनों के आंकलन हेतु एक राष्ट्रीय प्रदूषण सर्वेक्षण जरूरी है। घाटियों में स्थित शहरों में उत्सर्जन लंबे समय तक बना रहता है जिससे प्रदूषण संबंधी समस्यायें बढ़ती हैं। चपटी सतह वाले दिल्ली जैसे शहरों में वायु प्रदूषण प्रसार में मौसम का असर पड़ता है। शहरी क्षेत्रों में वायु गतिशीलता के अध्ययन से अधिकारियों को प्रदूषण पैटर्नों का पता चलेगा जो प्रदूषण-विरोधी नियोजन के लिए जरूरी है। उदाहरणार्थ, 2005 के बाद से दिल्ली एक शहर के बजाय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली हो गया है जिसका क्षेत्रफल 55,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक है।

नगरों, उपनगरों व औद्योगिक क्षेत्रों के साथ्र अब आईटी उद्योग क्लस्टर जुड़ गए हैं। जनसंख्या तथा वाहनों की संख्या कई गुना बढ़ गई है। शहर के प्रदूषण में सीमापार के प्रदूषक तत्व भी शामिल हो गए हैं जिनमें गुड़गांव व नोयडा शहरों के ट्रैफिक्र जाम से पैदा होने वाला उत्सर्जन भी है। उत्तरपूर्वी व उत्तरपश्चिमी क्षेत्रों में स्थित उद्योग समस्या और बढ़ा रहे हैं। दिल्ली के विस्तार ने घरेलू उद्योगों तथा परिवहन क्षेत्रों के लिए ऊर्जा की मांग बढ़ाई है। वायु प्रदूषण उत्सर्जनों में स्वाभाविक रूप से सल्फर डाईआक्साइड, कार्बन मोनोआक्साइड तथा हाइड्रोकार्बन शामिल हैं। दिल्ली के एक तिहाई से अधिक लोगों को श्वसन समस्यायें हैं। अंतिम बार 1998 में दिल्ली ने निम्न-उत्सर्जन सुधारों को क्रियान्वित किया था। सार्वजनिक परिवहन वाहनों को सीएनजी में बदला गया था और केवल इस कदम से ही काफी बदलाव आया था। सैकड़ों भारी उद्योग या तो बंद किए गए थे या उनको स्थानान्तरित किया गया था तथा उनकी ऊर्जा आवश्यकताओं का उच्चीकरण हुआ था। भारत में राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मानकों-एनएएक्यूएस में अंतिम बार 2009 में संशोधन किए गए थे और 2022 में एक और संशोधन होना है। मानकों के उच्चीकरण हेतु अध्ययन किए जाने चाहिए तथा इसमें नवीनतम डब्लूएचओ मानकों का ध्यान रखा जाना चाहिए। सामान्य समझदारी के कदम भी उठाए जाने चाहिए क्योंकि केवल वोटबैंक राजनीति से पंजाब तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसानों को पराली जलाने से रोकना संभव नहीं है। इसी प्रकार वाहन चालकों को भी समझना होगा कि उत्सर्जन से निकलने वाले धुंए के साथ ब्रेक लगाने पर उड़ने वाली धूल भी प्रदूषण का कारण बनती है।

अर्थव्यवस्था में सहकारिताओं का योगदान

एनसीएईआर ने एक हालिया अध्ययन में सहकारी कृषि-प्रसंस्करणों का अध्ययन कर सहकारी आंदोलन में संस्थागत वित्तीय कमियों की पहचान की है।

सौरभ बंधोपाध्याय अनुपमा मेहता

केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में सहकारिता मंत्रालय बनाने के बाद भारत के सहकारी आंदोलनों पर पुनः ध्यान आकर्षित हुआ है। इस मंत्रालय का गठन सहकारिताओं को गतिशील बनाने के लिए अलग प्रशासनिक, विधिक व नीतिगत ढांचा बनाने हेतु किया गया है। उम्मीद है कि इस कदम से जमीनी स्तर पर जनाधारित अर्थव्यवस्था विकास माडल की वृद्धि होगी। इसमें ऐसे परिवेश की कल्पना शामिल है जो 'सहकार से समृद्धि' को बढ़ावा देने के साथ ही सहकारिताओं के लिए 'बिजनेस सुगमता; को प्रोत्साहित करेगा। इसमें विभिन्न सक्रिय कदम तथा बहु-राज्य सहकारिताओं-एमएससी का विकास शामिल है। वर्तमान आंदोलन का जन्म अंग्रेजों द्वारा 1904 में कोआपरेटिव क्रेडिट सोसाइटीज़ एक्ट लागू करने से हुआ। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने सहकारिताओं को पंचवर्षीय योजनाओं में शामिल कर इसे गति दी। उनका दृष्टिकोण 'भारत को सहकारी आंदोलन से अनुप्राणित करना तथा मोटेतौर से इसे भारत की आधारभूत गतिविधि बनाना, हर गांव व बाकी सभी जगह सहकारी दृष्टिकोण को भारत की सामान्य सोच बनाना' था।

इससे भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में कोआपरेटिव सोसाइटियों का बनना शुरू हुआ तथा दुनिया में सबसे बड़े सहकारी आंदोलन की नीव पड़ी। संसद ने 1984 में बहु-राज्यीय सहकारी सोसाइटी कानून पास कर राष्ट्रीय विकास परिषद-एनडीसी द्वारा कोआपरेटिव मार्केटिंग सोसाइटियों की स्थापना कर आंदोलन का महत्व समझा। इस प्रकार कोआपरेटिव सोसाइटियों को स्वैच्छिक रूप से साथ आए लोगों के समूह के रूप में परिभाषित किया गया जो संयुक्त स्वामित्व तथा लोकतांत्रिक रूप से नियंत्रित उद्यम के माध्यम से अपनी साझा आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक जरूरतें पूरी करते हैं।

अनुमान था कि सहकारी आंदोलन मुख्यतः कृषि क्षेत्र में केन्द्रित होकर उत्पादन, वितरण व उपभोग के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। इस माडल के प्रयोग से सफ्लता की दो कहानियों में श्वेत क्रांति व हरित क्रांति हैं। राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड के 2019-20 के आंकड़ों के अनुसार डेरी सहकारिताओं ने 1.7 करोड़ सदस्यों के साथ 4.80 करोड़ लीटर दूध प्रतिदिन संग्रहीत किया तथा प्रतिदिन 3.7 करोड़ लीटर दूध बेचा। कृषि क्षेत्र विशेषज्ञों के अनुसार सहकारिताओं का व्यापक प्रभाव फ्सल कटने के बाद कृषि क्षेत्र संबंधी विभिन्न गतिविधियों पर पड़ा है जिनमें प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन तथा व्यापार शामिल हैं। इस आंदोलन ने 5.03 लाख सहकारिताओं को जन्म दिया जिनके 210 मिलियन सदस्य हैं तथा इसका विस्तार पूरे ग्रामीण भारत में है। देश के कुल कृषि उत्पादन का 46.31 प्रतिशत तथा कुल उर्वरक उत्पादन का 23.5 प्रतिशत इस क्षेत्र से होता है।

ये उपलब्धियां देश में 21 राष्ट्र स्तरीय, 361 राज्य स्तरीय तथा 2,572 जिला स्तरीय सहकारी फेडरेशनों से प्राप्त हुई हैं। इस प्रकार राष्ट्रीय तथा स्थानीय आर्थिक गतिविधि के सभी क्षेत्र सहकारी आंदोलन के दायरे में आ जाते हैं। लेकिन क्या तस्वीर इतनी ही अच्छी है? कृषि क्षेत्र व किसानों में असंतोष से संकेत मिलता है कि कृषि क्षेत्र के विकास में सहकारिताओं का योगदान वास्तव में उम्मीद से बहुत कम है। प्लांट, मशीनरी, टूल्स तथा कृषि उपकरणों में भारी निवेश की आवश्यकता है, पर कम पूंजी निवेश व कम उत्पादकता से मार्केटिंग ढांचा ठीक से काम नहीं कर पा रहा है।

जमीनी स्तर पर बाधाओं को पहचानने तथा उनको दूर करने के उपाय बताने के लिए नेशनल कौंसिल आफ एप्लाइड इकोनोमिक रिसर्च-एनसीएईआर ने हाल ही में कृषि प्रसंस्करण सहकारिताओं का एक अध्ययन किया तथा उन ढांचागत वित्तीय कमियों की पहचान की जिन पर सहकारी आंदोलन को ध्यान देना चाहिए। इनमें राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम-एनसीडीसी की भूमिका का विशेष महत्व है। एनसीएईआर के अध्ययन में असम, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र व पश्चिम बंगाल की 304 सहकारितायें शामिल थीं। इससे पता चला कि सीमान्त व छोटे किसान अपने कृषि उत्पादों का बड़ा हिस्सा निजी व्यापारियों को बेच देते हैं। इससे वे अधिक उपज के समय भी अपने उत्पाद पर समुचित मुनाफ्रा नहीं पाते हैं। उनकी छोटी मात्रा का सहकारिता में हिस्सा बहुत मामूली और बाजार में लेनदेन की शक्ति कमजोर होती है। उपयुक्त भंडारण सुविधाओं की कमी से धान, अनाजों तथा फ्लों व सब्जियों के प्रसंस्करण से समझौता करना पड़ता है जिसका प्रभाव इन उत्पादों की बिक्री-अवधि तथा रोजगार के अवसरों पर पड़ता है। अध्ययन से यह भी पता चला कि विनिर्मित उत्पाद में कृषि-प्रसंस्करण के हिस्से में धीरे-धीरे कमी आ रही है जो 2000-2001 में 32.31 प्रतिशत से घट कर 2011-12 में 22.9 प्रतिशत हो गया। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय-एनएसएसओ के 70वें राउंड के डेटा के आधार पर एनसीएईआर के विश्लेषण अनुमानों से स्पष्ट है कि मार्केटिंग विस्तार तथा शेयरधारकों के भंडारण में सहकारी क्षेत्र को प्रोत्साहन की आवश्यकता है।

दसवीं कृषि गणना के अनुसार 2015-16 में इन शेयरधारकों का कुल कृषि क्षेत्र में हिस्सा 86 प्रतिशत था। इस संदर्भ में देश में सहकारी आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाली एनसीडीसी टिकाऊ वितरण श्रृंखलाओं के विकास से कृषि क्षेत्र को महत्वपूर्ण सहायता दे सकती है। इससे किसान प्रसंस्करण केन्द्रों व बाजार से जुड़ जाएंगे। कोआपरेटिव क्षेत्र योजनाओं में एनसीडीसी की फंडिंग मत्स्यपालन, डेरी व मवेशीपालन, जल संरक्षण, लघु सिंचाई, कृषि बीमा व कर्ज तथा अन्य क्षेत्रों में है। 2008-13 में यह कुल कर्ज के 49 प्रतिशत से अधिक था। इसके बावजूद निगम प्राथमिकता क्षेत्र कर्ज में रियायती फ्राइनेंस नहीं करता है। बाजार से पैसा लेने को मजबूर एनसीडीसी के सामने प्रतियोगी दरों पर सहकारिताओं को कर्ज देने की समस्या है। इस कारण फ्सल कटने के पश्चात वाली कृषि गतिविधियां प्रभावित होती हैं।

सर्वेक्षण में शामिल इकाइयों की क्षमता प्रयोग आंकलन से पता चलता है कि लगभग 39 प्रतिशत अपनी क्षमता का उपयोग केवल 25 से 75 प्रतिशत कर रही थीं। इसके अनेक कारण हैं जिनमें प्रसंस्करण के लिए उत्पादों की समुचित सप्लाई में कमी, कुशल श्रमशक्ति की कमी, धन का अभाव, मांग की कमी व उत्कृष्ट मशीनरी की अनुपलब्धता शामिल हैं। इसके साथ ही अधिकांश राज्यों में उचित मूल्य की दूकानों-एफ्पीएस द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली-पीडीएस में स्वयंसहायता समूहों और सहकारिताओं का शहरी व ग्रामीण प्रतिनिधित्व ठीक नहीं है। महिला स्वयंसहायता समूहों, ग्रामीण पंचायतों, शहरी स्थानीय निकायों तथा सहकारिताओं को एफ्पीएस लाइसेंस देने की नीति के बावजूद भारत में एफ्पीएस में इनका संयुक्त प्रतिनिधित्व 26 प्रतिशत तक सीमित है और बाकी निजी व्यक्तिगत स्वामित्व में है। इस प्रकार स्पष्ट है कि असाधारण संभावनाओं के बावजूद देश में सहकारी माडल असंख्य नीतिगत बाधाओं का सामना कर रहा है। सहकारिताओं का प्रबंधन परंपरागत रूप से संबंधित राज्य सरकारों के अंतर्गत है अतः इन पर निगरानी के लिए केन्द्रीय मंत्रालय के गठन से राजनीतिक प्रतिक्रिया तथा सहयोगी संघवाद पर राष्ट्रीय बहस पुनर्जीवित हो सकती है।

ऐसे में तत्काल प्राथमिकता राष्ट्रव्यापी सहकारिता रणनीति में सुधार को मिलनी चाहिए ताकि कर्ज, पूंजीगत उपकरण तथा खासकर कृषि क्षेत्र में उत्पादों के लिए अद्यतन तकनीक तक पहुंच सुनिश्चित की जा सके। सहकारिताओं को निरक्षर व अकुशल श्रमिकों को गरीबी से बाहर निकालने के मूल लक्ष्य पर काम करते हुए उनको आजीविका हेतु समग्र ढांचागत व मार्केटिंग समर्थन देना चाहिए। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि बाजार की विफ्लता में भी सहकारिताओं ने हमेशा जीवन्त समाधान दिए हैं। देखना होगा कि क्या सहकारिताओं पर समकालीन राजनीतिक व आर्थिक फोकस क्या इसे जमीनी स्तर पर सचमुच जनाधारित आंदोलन में बदलने में सफल होता है जिससे सहभागिता के माध्यम से लोग समृद्ध हों।

क्वाड सम्मेलन और मोदी-बाइडेन वार्ता

> क्वाड से इतर, सदस्य देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों का एक कार्य समूह साइबर सुरक्षा, सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करेगा।

कुमारदीप बनर्जी
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

संयुक्त राज्य अमेरिका वाशिंगटन में क्वाड नेताओं के पहले व्यक्तिगत शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है और संभवतः सहयोग के एक नए युग की शुरुआत कर रहा है, जिसे व्हाइट हाउस ने नए बहुपक्षीय विन्यासों सहित हिंद-प्रशांत में संलग्न होने की प्राथमिकता का प्रदर्शन कहा है। 21वीं सदी की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। साझा लक्ष्यों पर भारत-प्रशांत समन्वय के लिए साझेदारों की विदेश नीतियों की केंद्रीयता है। यह मोटे तौर पर चीन पर पैनी नजर रखने में तब्दील हो जाता है जो अंतरराष्ट्रीय कानूनी आदेशों की अवहेलना करने की कोशिश कर रहा है; इसलिए, दक्षिण चीन सागर पर एक वैश्विक सहमति बन रही है। क्वाड शिखर सम्मेलन के दौरान भारत का ध्यान कोविड-19 महामारी और भविष्य के सहयोग, जलवायु परिवर्तन के मुद्दों और एक खुले इंडो-पैसिफिक क्षेत्र से निपटने पर होगा जो राष्ट्रों को समृद्ध होने के लिए समान और निष्पक्ष पहुंच की अनुमति देता है। मार्च, 2021 में क्वाडनेताओं की पहली आभासी बैठक के दौरान, 2022 तक एक अरब टीकों की प्रतिबद्धता की गई थी। नेता सद्भावना के रूप में गरीब देशों के लिए अतिरिक्त राहत और सहायता उपायों के बारे में भी बात कर सकते हैं। क्वाड सम्मेलन की साइडलाइन पर, सदस्य देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों का एक कार्य समूह साइबर सुरक्षा, सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करेगा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित उभरती प्रौद्योगिकियों पर एक आम भाषा खोजने की दिशा में काम करेगा।

वैश्विक महामारी ने दुनिया भर में सभी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं को सुनिश्चित किया है, क्वाड सदस्यों का उल्लेख नहीं करने के लिए, अगली पीढ़ी के प्रौद्योगिकी विकास और संपार्श्विक खतरों के लिए प्रतिमानों को परिभाषित करने पर एक सामान्य सूत्र खोजने की आवश्यकता है। सेमीकंडक्टर चिप्स और अन्य महत्वपूर्ण डिजिटल हार्डवेयर घटकों की भारी कमी का सामना कर रहा विश्व उद्योग विश्वसनीय विश्वसनीय भागीदारों के साथ काम करने के महत्व को समझता है। संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत इस तकनीक को समृद्धि के सपने की ओर ले जाने वाले विशाल डिजिटल इंजन के महत्वपूर्ण लीवर हैं। क्वाड शिखर सम्मेलन के सर्वोत्तम परिणामों में से एक यह हो सकता है कि नेता इस डिजिटल राजमार्ग के लिए गंतव्यों और लक्ष्यों पर एक पेपर लेकर आएं। यह अपने आप में क्वाड की सफलता की प्रमुख कहानियों में से एक हो सकता है। अंतिम पहलू जिस पर चतुर्भुज के अधिकांश देश घोषणाएं कर सकते हैं, वह है स्वच्छ लक्ष्य हासिल करना और जलवायु परिवर्तन पर लक्ष्य हासिल करना। जलवायु पर अमेरिकी दूत जॉन केरी की कुछ दिन पहले भारत यात्रा समयबद्ध लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक दृढ़ प्रतिबद्धता थी। अमेरिका ने भारत को 2030 तक 450 गीगावाट के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को शीघ्रता से प्राप्त करने के लिए सहायता की पेशकश की। वर्तमान में भारत के पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग के पास सत्ताधारी दल के प्रमुख भूपेंद्र यादव हैं, जिन्हें वरिष्ठ नेतृत्व का आशीर्वाद प्राप्त है।

इस हरित पथ पर भारत के लिए एकमात्र चुनौती निवेश आकर्षित करने की कोशिश करते हुए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अधिक हरित जिम्मेदारियां संभालने की हो सकती है। यहीं से घरेलू सरकार की इच्छाशक्ति और मौजूदा मंत्री के संगठनात्मक कौशल की परीक्षा होगी। अंत में क्वाड से इतर प्रधान मंत्री मोदी और उनके विदेश मंत्री हित के मौजूदा मुद्दों पर द्विपक्षीय वार्ता की एक पूरी श्रृंखला करेंगे।

वह भारत-अमेरिका चर्चा और परिणाम नोट सबसे ज्यादा देखे जाएंगे क्योंकि यह अमेरिका के राष्ट्रपति और भारतीय प्रधान मंत्री के बीच पहली व्यक्तिगत बैठक होगी। नरेंद्र मोदी ने जो बाइडेन के पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रम्प के साथ एक दृश्य भावना साझा की। वही प्रकाशिकी दोहराया नहीं जा सकता है लेकिन बिडेन अपने समकक्ष को निराश करने की संभावना नहीं है।

मध्य एशिया में अफगानिस्तान की सुरक्षा, सुरक्षा और मानवाधिकारों की रक्षा निश्चित रूप से द्विपक्षीय के दौरान प्रमुख विषयों के रूप में शामिल होगी। अफगानिस्तान से अमेरिका के जल्दबाजी में बाहर निकलने ने भारत जैसे कई फ्रिंज खिलाड़ियों को मध्य एशियाई थिएटर में एक स्थान पर खड़ा कर दिया है। चीन, रूस और ईरानी सहित इस क्षेत्र का हर प्रमुख खिलाड़ी अफगानिस्तान के संबंध में अपनी स्थिति को फिर से जांचने की कोशिश कर रहा है।

फरमाया

समय की मांग है ऐसे कदम उठाना जिससे अर्थव्यवस्था उच्च वृद्धि के मार्ग पर वापस लौटे और 2030 तक सार्थक नौकरियों का सृजन हो।

– एम वेंकैया नायडू
उपराष्ट्रपति

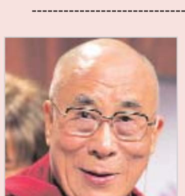

जब प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के स्वर्गीय पिता प्रधानमंत्री थे, तब से तिब्बती शरणार्थियों का कनाडा द्वारा स्वागत किए जाने के प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूं।

– दलाई लामा
तिब्बती धर्मगुरु

आपको (कमला हैरिस) अमेरिका की उपराष्ट्रपति चुना जाना अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक घटना रही है। आप दुनिया भर में इतने सारे लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

– नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

आप की बात

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल से
pioneer.editorial@gmail.com
पर भी भेज सकते है।
www.dailypioneer.com

हाईकमान संस्कृति

संपादक महोदय,
यह पत्र ''जारी है कांग्रेस की हाईकमान की संस्कृति'' के संदर्भ मे है। न केवल कांग्रेस बल्कि भाजपा मे भी अब ऐसी ही संस्कृति के दर्शन होते हैं, कर्नाटक, गुजरात और उत्तराखंड के उदाहरण हम सबके सामने हैं। पंजाब मे जो कुछ भी हुआ वह चौंकाने वाला ज़रूर था क्योंकि एक दलित नेता को मुख्यमंत्री बनाकर कांग्रेस ने एक बड़ा दांव खेल दिया और विपक्ष को बहुत कुछ सोचने पर मजबूर कर दिया है। भले ही कैप्टन अमरिंदर सिंह को हटाने का फ़ैसला गांधी परिवार ने लिया हो लेकिन इससे एक बात तो फिर साबित हो गयी की हाई कमान, क्षेत्रीय कद्दावर नेताओं पर भी भारी पड़ती है। कांग्रेस मे कुछ गिने चुने ही नेता बचे हैं जो कॅप्टन अमरिंदर सिंह की भांति ऊंचा कद रखते हों मगर उनको आखरिकार जाना ही पड़ा। कांग्रेस हाईकमान को इस पूरे मसले को और समझदारी से संभालना चाहिए था। कॅप्टन अमरिंदर सिंह भले ही 79 वर्ष के हों लेकिन उनके बगावती तेवर कांग्रेस को भारी पड़ सकते हैं। आज जब कांग्रेस केवल 4-5 राज्यों तक सिमट कर रह गयी है तो ऐसे मे हाईकमान को बड़े और बुजुर्ग नेताओं को अपने पक्ष मे ही रखना चाहिए।

– **बाल गोविंद,** सेक्टर 44, नोएडा

अनमोल है ज़िंदगी

परीक्षाएं मायने रखती हैं लेकिन जिंदगी से बढ़कर नहीं। हाल ही में कई परीक्षाओ के परिणाम घोषित हुए हैं जो केंद्रीय, राजकीय और विद्या-संबंधी क्षेत्रो से सम्बंधित हैं। महामारी के चलते परीक्षा होने और उसके परिणाम घोषित करने मे देरी हुई है, हालाँकि बात यहां देरी की नहीं बल्कि परीक्षार्थियों की है जो खूब मेहनत कर परीक्षा देते हैं। दरअसल हर साल परिणाम घोषित होने पर कुछ विद्यार्थी इच्छित अंक नहीं प्राप्त कर निराशा की कालीमा में जिंदगी जीना भूल से जाते हैं, ऐसी स्थिति मे विद्यार्थी का मन नकारात्मक भाव उत्पन करता है, जो उसे कभी कभी जिंदगी त्यागने के लिए भी उत्तेजित करता है। अंग्रेजी में इस स्थिति को डिप्रेशन कहते हैं; ये बेहद गंभीर और नजुक स्थिति होती है जो सोचने और समझने की शक्ति को निष्क्रिय कर देती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, हर साल करीबन 8,934 छात्र आत्महत्या करते हैं। अब यहां सवाल उठता है की इस स्थिति को काबू कैसे करे? परिवार और शिक्षकों द्वारा हौसला अफजाई और प्रोत्साहन विद्यार्थियो को डिप्रेशन से बाहर निकाला जा सकता है। इसके अलावा मीडिया भी आत्महत्या रोकने पर जागरूकता पैदा कर अहम भूमिका निभा सकता है।

– **निखिल रस्तोगी**, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा

सियासत में बढ़ता जातिवाद

पिछले कुछ दशकों में हिंदुस्तान की राजनीति पर जातिवाद ने गहरी छाप छोड़ी है।जहाँ अंग्रेजों ने फूट डालो राज करो नीति के द्वारा दो धर्मों मे वैमनस्य उत्पन्न किया। वहीं आजादी के बाद राजनीतिक गलियारों ने जातियों और धर्मों मे गहरी खाई उत्पन्न की है। जातिगत प्रेम इतना बढ़ा है कि हिंदुस्तान में जाति के अधार पर मतदाता अपने प्रतिनिधियों का चुनाव कर रहें हैं। आज परिस्थिति यह है कि देश में अनेक जाति अधारित क्षेत्रीय दल उभर रहे हैं।जिनका उद्देश्य उनको को गुमराह कर केवल सत्ता सुख लेना है। हिंदुस्तान मे कोई भी राजनीतिक दल इस कुप्रथा से अछूता नहीं है। सियासी दल उसी जाति विशेष के व्यक्ति को टिकट देते हैं जिस परिक्षेत्र मे उनका बाहुल्य होता है। अगले साल पंजाब, उत्तर प्रदेश सहित पाँच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं लेकिन सरगर्मियां अभी से बढ़ गई हैं। विभिन्न राजनीतिक दल अभी से जातिगत खेल खेलते दिख रहे हैं। कौन सी जाति किस दल के खेमे मे जाएगी ये तो आने वाली तारीख तय करेगी।

– **शिवेंद्र यादव**, कुशीनगर

वन मंत्री अकबर ने वन विभाग के 154 विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

वन विभाग के खिलाड़ियों के मानदेय में वृद्धि की घोषणा

पायनियर संवाददाता ∢ कवर्धा
www.dailypioneer.com

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर ने राजधानी के शंकर नगर स्थित अपने निवास कार्यालय में 25वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को राशि वितरित कर सम्मानित किया। उन्होंने इस दौरान प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ वन विभाग के विजयी 154 खिलाड़ियों को 34 लाख 66 हजार रूपए की पारितोषिक राशि का वितरण किया। वन मंत्री अकबर ने कार्यक्रम में समस्त विजयी खिलाड़ियों के मनोबल को बढ़ाने तथा प्रोत्साहन के लिए उनके मानदेय में वृद्धि की घोषणा भी की। वन मंत्री अकबर ने वन विभाग के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जीवन में खेल का अहम स्थान है। खेल के माध्यम से व्यक्ति में खेल भावना का विकास होता है, जो विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल करने में हमारे लिए मददगार होते हैं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में वन विभाग को विभिन्न क्षेत्रों में हासिल हो रहे उपलब्धि से हम सभी गौरान्वित है। उन्होंने बताया कि वन विभाग को हाल ही में विभागीय कार्यों सहित विभिन्न वर्गों में उल्लेखनीय प्रगति के लिए 11 राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा गया है। इसी तरह खेल के क्षेत्र में भी छत्तीसगढ़ के वन विभाग को अब तक अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में 11 बार राष्ट्रीय चैंम्पियन का पुरस्कार मिल चुका है। यह वन विभाग ही नहीं अपितु पूरे छत्तीसगढ़ के लिए एक बहुत बड़ी और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उल्लेखनीय है कि 25वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन मार्च 2020 में भुवनेश्वर (ओडिसा) में किया गया था। इसमें छत्तीसगढ़ के वन विभाग से एथेलेटिक्स सहित क्रिकेट, फुटबाल, हॉकी, टेनिस, बॉलीवाल, बास्केबॉल आदि खेलों में 202 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। जिसमें से 154 खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत तथा कांस्य सहित चतुर्थ स्थान में विजयी होकर 34 लाख 66 हजार रूपए की पारितोषिक राशि पुरस्कार के रूप में प्राप्त किए। उक्त प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी के रूप में प्रधान मुख्य वन संरक्षक राकेश चतुर्वेदी ने 29 हजार रूपए तथा संजय शुक्ला ने एक लाख रूपए की पारितोषिक राशि प्राप्त किए। इस अवसर पर उक्त प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख राकेश चतुर्वेदी, प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज संघ संजय शुक्ला, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील मिश्रा, मुख्य वन संरक्षक जे.आर. नायक तथा शालिनी रैना, संजीता गुप्ता, वन मण्डलाधिकारी विश्वेश कुमार तथा आलोक तिवारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

बाड़ी विकास योजना स्वसहायता समूह की महिलाओ के लिए बन रहा आमदनी का जरिया

वनांचल ग्राम सल्हाईटोला में 32 महिलाओ द्वारा 2 एकड़ में सामुदायिक बाड़ी का किया जा रहा कार्य

पायनियर संवाददाता ∢ बालोद
www.dailypioneer.com

राज्य शासन की महत्वाकांक्षी सुराजी गांव नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी योजना के अंतर्गत बाड़ी विकास योजना जिले के स्वसहायता समूह की महिलाओ के लिए आमदनी का जरिया बन रहा है।

समूह की महिलाएं बाड़ी विकास योजना के अंतर्गत सामुदायिक बाड़ी में सब्जी उत्पादन और उसके विक्रय से अच्छी आमदनी प्राप्त कर रही है। उद्यान विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले के डौण्डी विकासखंड के ग्राम सल्हाईटोला में बाड़ी विकास योजना के अंतर्गत मां बम्लेश्वरी स्वसहायता समूह, गायत्री मां स्वसहायता समूह और संगम स्वसहायता समूह की 32 महिलाओ द्वारा लगभग 2 एकड़ में सामुदायिक बाड़ी का कार्य किया जा रहा है।

उनके द्वारा बाड़ी में टमाटर, बैगन, लौकी, करेला की सब्जी लगाया गया है। समूहों द्वारा बाड़ी में उत्पादित सब्जियों का स्वयं के उपभोग के अतिरिक्त शेष उत्पादित सब्जियों के विक्रय से अब तक 60 हजार रुपए की आमदनी प्राप्त की जा चुकी है।

उद्यान विभाग द्वारा उक्त स्थल पर टपक सिंचाई की सुविधा प्रदान की गई है। साथ ही विभागीय योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से देते हुए उन्हें तकनीकी मार्गदर्शन समय-समय पर दिया जा रहा है। इससे महिला स्वसहायता समूह की महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत होकर आत्मनिर्भर हो रही है।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में दुर्ग संभाग को मिला ओवरऑल चैंपियन का खिताब

पायनियर संवाददाता ∢ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

अगर खेल मैदान में उतरकर प्रतिस्पर्धा को आत्मसात कर लिया तो जीवन में चुनौती स्वीकार कर लिया और अगर खेल मैदान में उतर कर अपने आप को चुनौती के लिए तैयार करते हैं तो कामयाबी अवश्य मिलती है मेहनत करने वाले को ही कामयाबी मिलती है तो उद्गार कैबिनेट मंत्री रविन्द्र चौबे ने व्यक्त किया। बेमेतरा के ऐतिहासिक बेसिक स्कूल मैदान मे 21वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता का समापन समारोह में मुख्य अतिथि रुप में कैबिनेट मंत्री रविन्द्र चौबे ने कहा कि कि 2 अक्टूबर को भी इसी खेल मैदान पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लोगों से रूबरू करेंगे और यहां के विकास के लिए लोगों से सभी समाज के सभी वर्गों के लोगों से चर्चा करेंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बेमेतरा के विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि ईमानदारी एवं निष्ठा से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने केलिए खेल खेला है और यहां प्रदेश स्तर से जीतने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर भी आप लोग प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे यही मेरी शुभकामनाएं हैं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला कांग्रेस अध्यक्ष बंसी पटेल ने खेल मैदान में जीतने वाले को बधाई देते हुए कहा कि हारने वाले को भी निराश नहीं होना चाहिए उन्होंने शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए आशा व्यक्त किया है कि प्रदेश से देश में अपना नाम रोशन करेंगे इसके इस प्रतियोगिता में जिसमें व्हाली बाल, सॉफ्ट बाल एवं फील्ड आर्चरी के खेल शामिल है। इस खेल प्रतियोगिता छ.ग. के पांच जोन दुर्ग, बिलासपुर, सरगुजा, रायपुर एवं बस्तर के लगभग 560 खिलाड़ी लगभग 70 कोच इसमें भाग लिया समापन समारोह में कलेक्टर ने भी विचार व्यक्त किए वही प्रतिवेदन जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा ने प्रस्तुत किया इस के पहले समापन समारोह प्रतिभागियों के द्वारा मार्च पास्ट करने के साथ शुरुआत हुआ तदुपरांत ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए इसके बाद विजयी प्रतिभागियों को अतिथियों के द्वारा पुरस्कृत किया गया जिसमें ओवर आल चैम्पियन का खिताब दुर्ग संभाग को मिला।

उत्तरप्रदेश मछुआ कांग्रेस के प्रभारी कुंवर सिंह निषाद पहुंचे मथुरा के गोकुल धाम की देश की खुशहाली के लिए प्रार्थना

पायनियर संवाददाता ∢ बालोद
www.dailypioneer.com

उत्तरप्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा एवं मछुवा कांग्रेस द्वारा आयोजित बैठक में सम्मिलित होने गुंडरदेही विधानसभा के विधायक एवं संसदीय सचिव व उत्तरप्रदेश मछुवा कांग्रेस प्रभारी कुंवर सिंह निषाद उत्तरप्रदेश के मुजफ्फरनगर पहुंचे।

जहां श्री निषाद का आत्मीय स्वागत मछुआ कांग्रेस के प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी एवं कांग्रेसी कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया। उत्तरप्रदेश के मछुवा कांग्रेस प्रभारी आज सुबह मथुरा के गोकुल धाम पहुंचे। जहां भगवान की पूजा अर्चना कर देश की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। तत्पश्चात मछुआ कांग्रेस द्वारा आयोजित होटल सिल्वर स्पून विश्वकर्मा चौक मुजफ्फरनगर में समीक्षा बैठक में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर देवेंद्र कश्यप मछुआ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पश्चिम उत्तर प्रदेश, देवकी नंद अध्यक्ष जिला बरेली, सुरेंद्र पाल कश्यप अध्यक्ष जिला शाहजहांपुर, नरेंद्र कश्यप, अमित कश्यप, चुन्नीलाल कश्यप, निरंजन कश्यप, राजेंद्र धीवर उपाध्यक्ष, सुरेश पाल कश्यप प्रदेश महासचिव, अमित कश्यप प्रदेश उपाध्यक्ष, पंकज निषाद प्रदेश सचिव, लालमन कश्यप प्रदेश सचिव, डॉ. प्रकाश चंद्र कश्यप प्रदेश सचिव, कृष्णा कश्यप जिला अध्यक्ष, आशु तिवारी प्रदेश महासचिव, प्रीति कश्यप, सरोज कश्यप, चंद्रशेखर, सचिन दुबे, सहित मछुआ कांग्रेस के पदाधिकारी एवं जिला के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संकुल स्तरीय कौशल प्रतियोगिता आयोजित

पायनियर संवाददाता ∢ थानखमरिया
www.dailypioneer.com

शनिवार 25 सितंबर को रणवीरपुर संकुल स्तरीय कौशल प्रतियोगिता आयोजित किया गया जिसमें ने में विद्यार्थियों ने अपना प्रतिभा का प्रदर्शन किया1. गणितीय कौशलड्ढप्रथम प्रकाश प्राथमिक शाला रणवीरपुर.,द्वितीय युवराज प्राथमिक शाला मजगांव 2. पठन कौशलड्ढ प्रथम यशवंत प्राथमिक शाला डोगंरिया,द्वितीय यामिनी प्राथमिक शाला मजगांव. 3. श्रुति लेखनड्ढ प्रथम तेजराम प्राथमिक शाला कोसमंदा,द्वितीय एवं प्राथमिक शाला डोगरिया. 4. हस्त पुस्तिकाड्ढ प्रथम नाज़मीन प्राथमिक शाला रणवीरपुर., द्वितीय सीमा प्राथमिक शाला मजगांव.,इस प्रतियोगिता में बच्चों को संकुल प्राचार्य एफ. आर.पुनाचा एवं समन्वयक खोमलाल रात्रे के द्वारा पुरस्कार दिया गया.कार्यक्रम में उपस्थित हायर से, स्कूल रणवीरपुर के वरिष्ठ ब्याख्याता देवराज सिंह उइके एवम वरिष्ठ प्रधान पाठक श्यामकुमार गोन्नाडे अजयकुमार चंद्रवंशी शारदा शेरेंगी एवम समस्त प्रा, शाला स्टॉप एवम प्रतिभागी बच्चे सामिल हुवे।

कैंसर मरीजों को चिन्हित करने जिला चिकित्सालय में निः शुल्क कैंसर स्क्रीनिंग शिविर लगेगा

पायनियर संवाददाता ∢ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रदीप कुमार घोष ने कहा कैंसर एक ऐसी बीमारी है, जिसका यदि समय पर पता चल जाये तो इसकी गंभीरता को कम किया जा सकता है और इस बीमारी से लोगों की जान बचायी जा सकती है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य के चिन्हित जिलों में 28 सितंबर से 6 अक्टूबर तक निशुल्क कैंसर स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान कैंसर के संभावित रोगियों की जांच कर उन्हें चिन्हित किया जाएगा ताकि उनका समुचित उपचार किया जा सके। अतः ऐसे लोग जिनमें कैंसर के लक्षण हैं या उन्हें यह संदेह है कि यह कैंसर हो सकता है, वह निर्धारित तिथि व समय पर इस शिविर में अपनी जांच करा सकते हैं और अपने मन की शंका को दूर कर सकते हैं। नोडल अधिकारी डॉ कुंदन लाल स्वर्णकार संपर्क मो न919907171322 ने इस संबंध मे बताया कि संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पत्र जारी कर संबन्धित जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। निशुल्क कैंसर स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन जिला चिकित्सालय बेमेतरा में संचालित दीर्घायु वार्ड के अंतर्गत निर्धारित तिथि, 2 अक्टूबर, समय सुबह 9 से 11 बजे, पर किया जाएगा। निशुल्क कैंसर स्क्रीनिंग शिविर में दिल्ली के कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनेश पेंडारकर एवं उज्जैन मध्य प्रदेश के कीमोथेरेपी नोडल अधिकारी डॉ. सीएम त्रिपाठी अपनी सेवाएं देंगे।

स्वास्थ्य केन्द्रों पर संभावित कैंसर मरीजों की होगी लाइन-लिस्टिंग

सीएमएचओ डॉ. घोष ने बताया, लोगों को कैंसर स्क्रीनिंग शिविर का लाभ दिलाने के लिए हैल्थ एंड वेलनेस सेंटर एवं अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों पर कैंसर के संभावित मरीजों की सूची तैयार की जाएगी ताकि निर्धारित तिथि पर शिविर में विशेषज्ञों द्वारा संभावित मरीजों की जांच कराई जा सके और उनको समुचित उपचार मिल सके। इसके अतिरिक्त लोग स्वयं भी जाकर शिविर में अपनी जांच करा सकते हैं। कैंसर स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन कोविड-19 गाइडलाइंस का पालन करते हुए किया जाएगा।

निर्धारित तिथि पूर्व करा ले पंजीयन

नोडल अधिकारी डॉ कुंदन लाल स्वर्णकार ने कहा भीड़ से बचने शिविर दिनांक से पूर्व ही मरीज जिला चिकित्सलय बेमेतरा में अपना पंजीयन करवा ले साथ में पूर्व में कराए गए इलाज का संपूर्ण दवाई पर्ची रिपोर्ट साथ लेते आवे जिनसे इलाज व मार्गदर्शन में सुविधा होगी।

जर्जर स्वास्थ्य केंद्रों और स्कूल भवनों के मरम्मत का प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश

कलेक्टर महोबे ने ली शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त बैठक

पायनियर संवाददाता ∢ बालोद
www.dailypioneer.com

कलेक्टर जनमेजय महोबे ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में शिक्षा विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से शासकीय व निजी स्कूलों के शिक्षको एवं उनके पात्र परिजनों का कोविड-19 टीकाकरण की प्रगति की जानकारी ली और शतप्रतिशत टीकाकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टीकाकरण का शतप्रतिशत लक्ष्य हासिल करने आवश्यकतानुसार कैंप भी लगाएं। कलेक्टर ने जिले में कोविड-19 वैक्सीन की उपलब्धता और वैक्सीनेशन की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियो से जर्जर स्वास्थ्य केंद्रों का मरम्मत हेतु शीघ्र प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जर्जर स्कूल भवनों के मरम्मत के लिए भी शीघ्र प्रस्ताव बनाकर भेजे। उन्होंने कहा कि जर्जर स्कूल भवनों में कक्षाएं संचालित न किया जाए। महोबे कलेक्टर ने कहा कि स्कूलों में कोविड-19 के गाइडलाइन का अनिवार्य रूप से पालन कराएं। उन्होंने कहा कि स्कूलों में किसी विद्यार्थी में सर्दी, खॉसी, बुखार आदि के लक्षण पर खण्ड चिकित्सा अधिकारी के समन्वय से जांच कराए। उन्होंने मध्यान्ह भोजन की जानकारी ली और विद्यार्थियों को गुणवतायुक्त भोजन देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लक्ष्य को जिम्मेदारीपूर्वक पूरा करें। बैठक में शिक्षा विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

तुंहर विधायक तुंहर द्वार: विधायक संगीता ने ग्राम लाटाबोड़ और नेवारीकला में किया जनसंपर्क, सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

बालोद। तुंहर विधायक तुंहर द्वार कार्यक्रम के तहत क्षेत्र की विधायक संगीता सिन्हा शुक्रवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के ग्राम लाटाबोड़ व नेवारीकला में जनसंपर्क कर ग्रामीणों की समास्याओं को सुन सम्बंधित विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों से त्वरित निराकरण कर के गाँव के मूलभूत आवश्यकताओं को अतिशीघ्र पूर्ण करने हेतु आश्वस्त किया। दौरान ग्राम नेवारीकला में कलामंच विकास कार्य की भूमि पूजन किया। उक्त जनसंपर्क कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष व राजनांदगांव के प्रभारी कृष्णा दुबे, ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रेश हिरवानी, विधायक प्रतिनिधि कमलेश श्रीवास्तव, ब्लॉक महामंत्री रोहित सागर, तरौद सेक्टर अध्यक्ष धर्मेंद्र रामटेके, मीडिया प्रभारी देवेंद्र साहू, विधायक नीज सहायक लक्ष्मीकांत शौनक व ग्राम पंचायत सरपंच पंच एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगरपालिका परिषद जशपुरनगर जिला-जशपुर (छ.ग.)

-: मैनुअल पद्धति द्वितीय निविदा सूचनाः-

क्रमांक-182/न.पा.प./लो.नि./2021 — जशपुर, दिनांक 25/09/2019

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगरपालिका परिषद जशपुरनगर की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्म / ठेकेदार व इच्छुक प्रदायकर्त्ता फर्म / निर्माता एवं अधिकृत विक्रेताओं द्वारा निम्न सामग्रियों हेतु वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए त्रि-लिफाफा पद्धति द्वारा फार्म ABC मोहरबंद लिफाफा में निविदा आमंत्रित की जाती है। जो निम्नानुसार निर्धारित दिनांक तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट द्वारा प्रेषित की जावेगी।

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 05/10/2021 कार्यालयीन समय तक
2. परीक्षण उपरांत योग्य निविदाकारों की सूची एवं कार्यालयीन नोटिस बोर्ड में चस्पा करने की तिथि - 06/10/2021 कार्यालयीन समय तक
3. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 11/10/2021 समय अपरान्ह 3.00 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि - 11/10/2021 समय अपरान्ह 4.00 बजे तक

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि रु. (T.D.R. F.D.R.)	निविदा प्रपत्र मूल्य (D.D.)	ठेकेदार / सप्लायर	कार्य की अवधि
01.	विद्युत व्यवस्था संबंधी सामग्रीः- मरम्मत एवं संधारण हेतु सामग्री क्रय (सूची अनुसार)	5.00	5000	750.00	सक्षम श्रेणी	वार्षिक
02.	समर्सिबल मोटर पम्प एवं सेन्ट्रीपयुगल मोटर पम्प रिवाईडिंग एवं मरम्मत कार्य (सूची अनुसार)	6.00	6000	750.00		
03.	शुलुजवॉल स्पेन्डल गुटका मरम्मत कार्य (सूची अनुसार)	2.00	2000	300.00		
04.	सफाई सामग्री स्वच्छता हेतु (सूची अनुसार)	3.00	3000	750.00		
05.	स्टेशनरी सामग्री / मुद्रण कार्य (सूची अनुसार)	2.00	2000	300.00		
06.	हाइड्रोलिक्स एक्सकेवेटर / ड्रीलर (प्रतिघंटा डीजल सहित)	5.00	5000	750.00		
07.	ट्रैक्टर प्रदाय (प्रति ट्रीप मुरूम/बालू/डस्ट प्रदाय हेतु डीजल सहित)(सूची अनुसार)	5.00	5000	750.00		

निविदा हेतु आवेदन पत्र सह दस्तावेज रजिस्टर्ड डाक / स्पीड पोस्ट से प्रेषित किया जाना अनिवार्य होगा। उपरोक्त कार्य की निविदा की समस्त शर्तें / विस्तृत निविदा विज्ञप्ति / निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में संबंधित शाखा प्रभारी से प्राप्त की जा सकती है एवं विभागीय वेबसाइट www.uad.cg.gov.in में देखी जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद, जशपुरनगर

नगर पंचायत शिवरीनारायण और नवागढ़ में करोड़ों के विकास कार्य का हुआ भूमि पूजन

किसानों की समृद्धि से व्यवसाय में हुई वृद्धि: शिव कुमार डहरिया

विभिन्न समाजों के लिए सामुदायिक भवन और विकास कार्यों की मिली स्वीकृति

पायनियर संवाददाता ➤ जांजगीर-चांपा
www.dailypioneer.com

नगरीय प्रशासन विकास एवं श्रम मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया ने कहा कि विगत ढ़ाई वर्ष में प्रदेश के किसान समृद्धि की राह पर आगे बढ़े हैं लिहाजा राज्य में व्यवसायों में भी वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार पिछले 3 वर्षों में अन्य राज्यों की तुलना में विकास की राह पर सबसे आगे है। नगरीय विकास मंत्री ने ये बातें आज शिवरीनारायण और नवागढ़ में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में कही। नगरीय विकास मंत्री मंगलवार 21 सितंबर को नगर पंचायत शिवरीनारायण में केरा चौक के सौंदर्यीकरण और बाबा भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापना के लिए भूमि पूजन किया। इसी प्रकार नगर पंचायत नवागढ़ में कुल एक करोड़ 84 लाख की लागत के गौठान निर्माण ,पौनी पसारी योजना, कोकड़ी नाला में पुलिया निर्माण और डॉ. बीआर सर्व सामाजिक भवन निर्माण का भूमि पूजन किया। उन्होंने इस अवसर पर शिवरीनारायण के अंबेडकर चौक के सौंदर्यीकरण के लिए 20 लाख रुपए, सारथी और साहू समाज के सामुदायिक भवन के लिए 10-10 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने महानदी तट पर घाट निर्माण के विस्तार के लिए भी अपनी सहमति दी। नगर पंचायत नवागढ़ में साहू समाज, सतनामी समाज और केशरवानी समाज के सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10-10 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की। इसके अलावा बस स्टैंड में कांप्लेक्स निर्माण, तालाब के सौंदर्यीकरण और नगर के विभिन्न वार्डों में विकास कार्य के लिए 85 लाख रूपये की स्वीकृति दी। डॉ. डहरिया ने आगे कहा कि आगामी 2 साल में राज्य के सभी नगरीय क्षेत्रों के शतप्रतिशत घरों में टेप नल से गुणवत्ता युक्त पानी पहुंचाने का कार्य प्रारंभ हो गया है। इस कार्य के लिए आवश्यकता अनुसार राशि भी उपलब्ध कराई जा रही है। पारंपरिक व्यवसाय करने वाले लोगों के लिए पौनी पसारी योजना के तहत निर्माण कार्य किया जा रहा है। नगरीय विकास मंत्री ने बताया कि राजीव मितान क्लब का गठन नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में किया जा रहा है। ऐसे निकाय जिनकी जनसंख्या 22 सौ से अधिक है। वहां दो क्लब का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक क्लब को साल में एक लाख रूपये विभिन्न आयोजनों के लिए दिए जाएएंगे। इसके लिए जरूरी कार्य योजना तैयार की जा रही है। राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. महंत रामसुंदर दास ने कहा कि नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में गौठान निर्माण कर गौ संवर्धन के लिए कार्य प्रारंभ हो गया है। अनेक स्थानों पर गौठान निर्माण का कार्य पूर्ण हो गया है? और गोधन न्याय योजना के तहत गोबर खरीदी भी प्रारंभ हो गई है। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जिसने गोबर खरीद कर गौ पालको को अतिरिक्त आय का जरिया दिया है। इससे पशुपालकों में उत्साह का माहौल है। शिवरीनारायण नगर पंचायत अध्यक्ष अंजनी तिवारी और नवागढ़ नगर पंचायत के अध्यक्ष भुनेश्वर केशरवानी ने भी अपने संबोधन में विगत 3 वर्षों में हुए विकास कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष यनीता चंद्रा, उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मण्डल की सदस्य मंजू सिंह, जांजगीर-नैला नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष श्री भगवानदास गढ़ेवाल, पूर्व विधायक चुन्नीलाल साहू, मोतीलाल देवांगन, रवि शेखर भारद्वाज, रवि पाण्डे, चोलेश्वर चंद्राकर, विवेक सिसोदिया, प्रिंस शर्मा, देवेश सिंह, शिशिर द्विवेदी, रफीक सिद्दीकी, संतोष शर्मा, रामविलास राठौर, ग्राम पंचायत पेंड्री सरपंच सीमा श्रीकांत उपस्थित थे।

श्री चंद्रपुर पद यात्रा सेवा समिति 9 अक्टूबर को निकालेगी मां चंद्रहासिनी की 22 वीं पदयात्रा

पायनियर संवाददाता ➤ शक्ति
www.dailypioneer.com

सक्ति शहर की धार्मिक सामाजिक एवं सेवा कार्यों में अग्रणी रहने वाली संस्था चंद्रपुर पदयात्रा सेवा समिति द्वारा इस वर्ष आगामी-09 अक्टूबर 2021 दिन- शनिवार को दोपहर 2.00 बजे से विगत वर्षों की भांति मां चंद्रहासिनी देवी की 22 वी पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा, उक्त कार्यक्रम को लेकर चंद्रपुर पद यात्रा सेवा समिति के सदस्यों ने बताया कि विगत वर्ष कोविड-19 संक्रमण के चलते एवं जिला प्रशासन की गाइडलाइन के परिपालन में यह यात्रा स्थगित कर दी गई थी, तथा इस वर्ष शासन के दिशा- निर्देशों के परिपालन के अनुसार 9 अक्टूबर को यह यात्रा शक्ति शहर के मां महामाई दाई मंदिर से प्रारंभ होगी तथा पूरे यात्रा मार्ग में जगह-जगह देवी भक्तों द्वारा पदयात्रा में चलने वाले लोगों का स्वागत भी किया जाएगा, श्रीचंद्रपुर पर यात्रा सेवा समिति शक्ति के सदस्यों ने बताया कि माता रानी की कृपा से 9 अक्टूबर को प्रस्तावित 22 वी पद यात्रा को लेकर व्यापक रूप से प्रचार प्रसार की तैयारियां चल रही हैं, एवं कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु समिति के सभी पदाधिकारी एवं

सदस्य भी जुटे हुए हैं, साथ ही मां चंद्रहासिनी देवी की इस पद यात्रा को लेकर चंद्रहासिनी ट्रस्ट चंद्रपुर के भी सदस्यों को जानकारी देते हुए आमंत्रित किया जा रहा है, साथ ही चंद्रपुर पद यात्रा सेवा समिति शक्ति के सदस्यों ने 9 अक्टूबर को प्रस्तावित मां चंद्रहासिनी देवी की 22 वी पदयात्रा में श्रद्धालु भक्तों को इस पदयात्रा में शामिल होने का आग्रह किया है।

उल्लेखित हो की शक्ति शहर की चंद्रपुर पद यात्रा सेवा समिति धार्मिक कार्यों के साथ-साथ शहर में सेवा एवं रचनात्मक कार्यों में भी अपनी अग्रणी भूमिका निभा रही है, विगत महीनों समिति द्वारा जन सहयोग से एंबुलेंस वाहन का लोकार्पण कर इसकी सेवा प्रारंभ की गई है, तो वही समिति द्वारा शक्ति शहर के अग्रवाल सभा द्वारा संचालित स्वर्ग रथ वाहन सेवा को भी बेहतर संचालन हेतु अपने हाथों में लेकर जरूरतमंद लोगों को सेवाएं दी जा रही है, साथ ही शहर के सार्वजनिक मुक्तिधाम एवं मारवाड़ी मुक्तिधाम के भी जीर्णोद्धार का कार्य चंद्रपुर पद यात्रा सेवा समिति के सदस्यों ने लिया हुआ है, तथा दोनों ही मुक्तिधाम में स्वच्छता की दृष्टि से भी काफी सकारात्मक पहल हुई है एवं समिति द्वारा समय-समय पर रक्तदान शिविर का भी आयोजन कर लोगों को रक्तदान के प्रति प्रेरित किया जा रहा है तथा शहरवासी भी चंद्रपुर पद यात्रा सेवा समिति के कार्यों को देखते हुए समिति के सभी सदस्यों को यथासंभव सहयोग करते हैं,शक्ति की श्री चंद्रपुर पदयात्रा सेवा समिति के सदस्यों के उत्साह एवं सहयोगात्मक भावना को देखते हुए मां चंद्रहासिनी देवी एवं मां महामाई दाई से प्रार्थना करते हैं कि समिति के सभी सदस्यों को ऐसे ही सेवा कार्य करने की निरंतर ऊर्जा प्रदान करते रहे एवं उन्हें सदैव स्वस्थ- मस्त एवं प्रसन्न रखे।

लैलूंगा हत्याकांड को लेकर छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन ने पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर को सौंपा ज्ञापन

शक्ति। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल राजू के नेतृत्व में 24 सितंबर को पदाधिकारी, सदस्यों ने पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर को विगत दिनों लैलूंगा शहर में हुए डबल मर्डर हत्याकांड को लेकर एक ज्ञापन सौंपा,ज्ञापन में छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन द्वारा पुलिस से मांग की गई है कि लैलूंगा हत्याकांड की गंभीरता को देखते हुए तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी की जाए एवं आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए तथा छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन का कहना है कि लैलूंगा का हत्याकांड दिल दहला देने वाली घटना है, तथा इस घटना से छत्तीसगढ़ प्रदेश में चारों और भय का वातावरण व्याप्त है, एवं जनता की सुरक्षा को देखते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश स्तर पर पुलिस एवं प्रशासन को संज्ञान लेटे हुए त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए, छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल राजू के नेतृत्व में ज्ञापन देने गए प्रतिनिधिमंडल में अग्रवाल सभा बिलासपुर के अध्यक्ष किशन बुधिया,चितरु अग्रवाल, उमेश मुरारका, अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद के राष्टीय महामंत्री मदन मोहन अग्रवाल, राजकुमार राजू सुल्तानिया, शिव अग्रवाल, राजेश अग्रवाल सहित काफी संख्या में सदस्यगण मौजूद थे,एवं लैलूंगा हत्याकांड को लेकर छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष नेतराम अग्रवाल भिलाई, प्रांतीय महामंत्री कन्हैया अग्रवाल रायपुर,चेयरमैन अशोक अग्रवाल रायपुर सहित सभी पदाधिकारी, सदस्यों ने इस हत्याकांड की निंदा की है।

शासकीय कॉलेज जेठा में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस मनाया गया

पायनियर संवाददाता ➤ सक्ति
www.dailypioneer.com

शासकीय क्रांति कुमार भारतीय महाविद्यालय सक्ति के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा शासन के एवं शहीद नंद कुमार पटेल विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक (रासेयो प्रकोष्ठ) तथा जिला -जांजगीर -चांपा के जिला संगठक (रासेयों) के निर्देशानुसार आजादी के अमृत महोत्सव के बैनर तले राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और साथ में नए स्वयंसेवकों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम व प्रशिक्षण कार्यक्रम भी रखा गया। कार्यक्रम में जिला स्तरीय ,राज्य स्तरीय और राष्टीय स्तर के शिविरों में प्रशिक्षित व रासेयो सी प्रमाण पत्र धारी प्रमुख स्वयं सेवकों, वक्ताओं और मार्गदर्शकों में प्रमुख रूप से भूपेंद्र कुमार पटेल, कु. वैभवलक्ष्मी साहू, किरण कुमार तंबोली, कुश कुमार महंत, गौतम दास महंत और अशोन पटेल उपस्थित रहे, कार्यक्रम का शुभारंभ राष्टीय सेवा योजना के प्रेरणा पुरुष स्वामी विवेकानंद जी के छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित कर व माल्यार्पण कर तथा छत्तीसगढ़ राज्य के राजकीय गीत अरपा पैरी के धार महानदी हे अपार---- कु. गंगा महंत, कु भानुप्रिया एवं कु.शांति साहू बीए प्रथम वर्ष की प्रस्तुति के साथ एवं स्वागत गीत कु. रत्ना साहू, कु. गंगा सिदार व कु. जमुना सिदार- बी ए भाग- 3 द्वारा प्रस्तुति व स्वयंसेवकों द्वारा अतिथियों का राष्टीय सेवा योजना का बैज लगाकर ,स्वागत कर शुरुआत की गई, कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ पी आर कठौतिया कार्यक्रम अधिकारी ने राष्टीय सेवा योजना का उद्देश्य ,लक्ष्य ,महत्त्व ,कार्यों एवं राष्टीय सेवा योजना की गतिविधियों तथा विभिन्न शिविरों, विभिन्न पुरस्कारोंऔर विभिन्न प्रमाण पत्रों जिसमें प्रमुख प्रमाण पत्र ए , बी और सी प्रमाण पत्रों के बारे में विस्तृत रूप से स्वयं सेवकों को प्रशिक्षित किया,कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित वक्ताओं मार्गदर्शकों एवं पूर्व शिविरों में प्रशिक्षित स्वयं सेवकों, अतिथियों द्वारा राष्टीय सेवा योजना में स्वागत ताली ,अभिवादन, गीत, प्रेरक उद्बबोधन एवं जयकारा आदि के बारे में प्रशिक्षित किया गया। अतिथि स्वयंसेवकों ने राष्टीय सेवा योजना के राष्टीय गीत - होंगे कामयाब-- एवं लक्ष्य गीत - उठे समाज के लिए उठें उठें--- और सद्भावना गीत- गूंजे गगन में ---- तथा आव्हान गीत- नौजवान आओ रे---- एवं अन्य रासेयो गीत के लय को गाकर छात्रों को प्रशिक्षित किया ,इसके बाद सभी अतिथि स्वयंसेवकों ने राष्टीय योजना में अपना पूर्व अनुभव शेयर किया,इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉक्टर यू.एन. कुर्रे ,डॉ शकुंतला राज एवं महाविद्यालय के सीनियर स्वयंसेवक जिसमें देवेंद्र कुमार बंजारे (आजादी के अमृत महोत्सव के कैंपस एंबेसडर) डीगेश लहरे, साहिल खुटें, कपिल देव, रत्ना साहू ,गंगा सिदार, जमुना सिदार, गोपाल रात्रे एवं महाविद्यालय के सैकड़ों छात्र उपस्थित रहे,अंत में डॉक्टर पीआर कठोतिया कार्यक्रम अधिकारी द्वारा अतिथि स्वयंसेवकों,अधिकारियों और स्वयं सेवकों का आभार प्रकट के पश्चात सीनियर स्वयंसेवकों द्वारा प्रेरक उद्बोधन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

जशपुर पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री सौदान सिंह

सक्ति। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री सौदान सिंह एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदेव साय ने चंद्रपुर के पूर्व विधायक युद्धवीर सिंह जूदेव के निधन पर विजय विहार पैलेस जशपुर पहुंचकर जूदेव परिवार से मिलकर ढांढस बधाया, तथा अपनी संवेदनाएं व्यक्त की, इस दौरान छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष राजा रणविजय सिंह जूदेव सहित जूदेव परिवार के अन्य सदस्य गण मौजूद रहे, राष्टीय संगठन महामंत्री सौदान सिंह ने इस अवसर पर कहा कि युद्धवीर सिंह जूदेव का निधन हम सभी के लिए एक क्षति है, तथा दुख की इस घड़ी में हम सभी जूदेव परिवार के साथ हैं।

सीमा श्रीकांत ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ महंत से मिले कर ग्रामीणों के समस्या को अवगत कराया

पायनियर संवाददाता ➤ जांजगीर चांपा
www.dailypioneer.com

ग्राम पंचायत पेंड्री नवागढ़ की सीमा श्रीकांत ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ महंत से मिले कर ग्रामीणों के समस्या को अवगत कराया ग्राम पंचायत पेंड्री में नए पंचायत भवन ना होने के कारण पुराने जर्जर भवन में सभी सदस्य अपने आपको अन सुरक्षित मानते है ग्राम पंचायत पेंड्री में यह भी एक समस्या है कि गांव के प्राथमिक शाला बिल्कुल भी जर्जर हो चुका है जिसे जिला शिक्षा अधिकारी को भी अवगत कराया गया है जिसे आज तक कोई ध्यान नहीं दिया गया गांव में पेय जल हेतु पानी टंकी की भी आवश्यकता बनी हुई है क्युकी गांव के लोग गर्मी के दिनों में बहुत दूर दूर से पानी लाते हैं इसलिए अध्यक्ष महोदय को पानी टंकी का भी अवगत कराया गया पीडीएस गोदाम शासकीय उचित मूल्य की दूकान का भी अवगत कराया गया वो भी बिल्कुल जर्जर हो चुका है जिससे वाहा रखे चावल शक्क र हमेशा भीग जाते है और कोई नहीं लेजाते शासन को भारी नुकसान का सामना करना पड़ता है एक और भी महत्व पूर्ण बात से माननीय अध्यक्ष जी को अवगत कराया गया ग्राम पंचायत में स्वास्थ व्यवस्था को देखते हुए दूर नवागढ़ का रास्ता देखना पड़ता है अगर गांव में ही उप स्वास्थ केन्द्र हो जाए तो बहुत ही बेहतर होगा इसी पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने सरपंच ग्राम पंचायत पेंड्री को आश्वासन दे ते हुए कहा कि बहुत ही जल्द आपकी समस्याओं का निराकरण किया जाएगा और ये सभी सुविधाओं का ग्राम वासी लाभ ले सकेंगे।

शिवरीनारायण के कुरूं पाठ काली मंदिर में मनाया जायेगा शारदीय नवरात्रि पर्व

पायनियर संवाददाता ➤ शिवरीनारायण
www.dailypioneer.com

कुरूं पाठ नवरात्रि समिति द्वारा विगत 3 वर्ष से कुरू पाठ में नवरात्रि पर्व मनाते आ रहे हैं इस वर्ष भी शारदीय नवरात्री पर्व में किसी भी प्रकार की चूक न हो इस हेतु समिति सदस्यों के बीच विस्तृत चर्चा हुई इसके पश्चात सभी सदस्यों ने ध्वनि मत से नवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया जिसमें युवा साथी तथा प्रमुख सियानो की मार्गदर्शन सहरानिय रहा बैठक में प्रमुख रूप से पूर्व अध्यक्ष समारू केवट पूर्व कोषाध्यक्ष राकेश यादव संरक्षक डॉक्टर मनहरण केवट बैगा के रूप में नारायण केवट, राम केवट, सदस्य जेठू राम केवट कुमार केवट ,कार्तिक यादव जिधन केवट, दीप केवट, राजेश केवट ,धनी केवट, कृष्णा यादव,सहित बड़ी संख्या में सदस्यगण उपस्थित रहे बैठक का संचालन राकेश यादव ने किया एवं आभार प्रदर्शन डॉ. मनहरण ने किया नवरात्रि पर्व में दैनिक सांस्कृतिक कार्यक्रम करने का भी निर्णय लिया गया जिसे सभी सदस्यों ने ताली बजाकर प्रस्ताव पारित की युवा साथियों में नवरात्रि पर्व मनाने को लेकर काफी उत्साह देखा गया। कुरूं पाठ समिति में शिवरीनारायण नगर के सभी सदस्य कृषक है जो सामूहिक रूप से पूरे विधि विधान से नवरात्रि पर्व में पूजाअर्चना करते है. तथा .इस हेतु.सभी सदस्य सहयोग राशि देते है साथ ही नगर के व्यापारी वर्ग भी इसमें अपना सहयोग प्रदान करते हैं।

शिक्षा विभाग की बदहाली का दोषी कौन विद्यार्थी या शिक्षक छत्तीसगढ़ के अधिकांश विद्यालय में शिक्षा का गिरता ग्राफ

पायनियर संवाददाता ➤ जैजैपुर
www.dailypioneer.com

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुटराबोड़ में कुल छात्र 350 में 216 विद्यार्थी उपस्थित रहे वहीं पर कुटराबोड़ के विद्यालय में जब शिक्षकों से संपर्क किया गया तो वहां पता चला बिना अवकाश लिए प्रभारी प्राचार्य जी पी कमलेश अनुपस्थित पाए गए । जब छात्रों से वहां के शिक्षा के बारे में पूछा गया तो यहां तक की बारहवीं कक्षा के छात्र अपने प्रभारी प्राचार्य का नाम बता नहीं पाए। वहीं पर छात्राओं से अन्य जानकारी लिया गया तो यहां तक की जिला कलेक्टर, जिला पंचायत सदस्य एवं गांव के सरपंच का नाम भी नहीं बता पाए । इस तरह से 12वीं पढ़ने वाले छात्रों का हाल है। जहां तक सामान्य विज्ञान के बारे में जानकारी लिया गया तो छात्र इतने कमजोर हैं,कि वे अपनी शिक्षा के बारे में भी बताना उचित नहीं समझा इस तरह से शिक्षकों ने करोना 19 शिक्षा का हवाला दिए । लेकिन जहां पर देखा जाए तो शिक्षक विद्यालय में शिक्षा नहीं दे पा रहे हैं उन्हीं पर निजी विद्यालय के छात्र तो अपना सामान्य ज्ञान बता पाते हैं लेकिन शासकीय विद्यालय के छात्र सामान्य ज्ञान से दूर हैं। तो अपनी पढ़ाई किस तरह करते होंगे यह सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। शिक्षकों ने यह भी बताया कि हमेशा प्रभारी प्राचार्य जी पी कमलेश विद्यालय में नियमित रूप से नहीं आते। जबकि शासकीय शिक्षकों को हजारों रुपए का वेतन एवं तमाम सुविधाएं मिलने के बाद भी शिक्षा का स्तर इतना गिरा हुआ है कि वह छात्र अपने ग्राम पंचायत के सरपंच का नाम ही नहीं जानते नहीं अपने प्राचार्य का नाम । वहीं पर शासकीय विद्यालय के शिक्षक अपने पुत्र को निजी विद्यालय में अध्ययन करने के लिए भेजते हैं, तो आप सहज ही अंदाजा लगा सकते हैं कि शासकीय विद्यालय के शिक्षक जो हजारों रुपए का वेतन पाकर किस तरह शिक्षा दे रहे हैं यहां तक की विद्यालय में शिक्षा के नाम से पढ़ाई नगणय हो रही है। शासकीय शिक्षकों के बच्चों को शासकीय विद्यालय में ही शिक्षा दिया जाए तो शिक्षा का स्तर ऊंचा उठेगा और वे शासकीय शिक्षक सही तरीके से छात्रों को विद्या अध्ययन करा पाएंगे।

-शिक्षकों को नियमित विद्यालय आना है, किस तरह से उनकी शिकायत बर्दाश्त नहीं किया जाएगा क्योंकि दो माह विद्यालय खुले हो चुके हैं सभी शिक्षकों को विद्यालय में अपने नियमित समय पर उपस्थित होना अनिवार्य है।

रोमा श्रीवास्तव सहायक कलेक्टर

यह मेरे क्षेत्र से बाहर का है इनके बारे में जिला शिक्षा अधिकारी शक्ति बता पाएंगे।

-विजय कुमार सिदार, विकास खंड शिक्षा अधिकारी जयजयपुर

राजकरण दुग्गड़ से होती हैं चांपा की पहचान, जनसुविधाओं के लिए लुटा दी जिसनें अपनी जान

मूलभूत सुविधाओं की मांग के बदले मिली थी गोली, 38-वीं बरसी पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

पायनियर संवाददाता ➤ जांजगीर-चांपा
www.dailypioneer.com

अठतीस वर्ष पूर्व यानि कि 24-सितंबर,1983 को बिजली-पानी और सड़क मरम्मत जैसी मूलभूत मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहें निहत्थे और शांतिप्रिय नागरिकों की भीड़ पर पुलिस-कर्मियों द्वारा गोली चालानें में राजकरण दुग्गड़ की मृत्यु हो गई थी। पुलिसकर्मियों की इस बर्बरतापूर्ण लाठी चार्ज,अश्रुगैंस और गोलीकांड से सैकड़ों लोग हताहत हुए थे! कई लोगों को अपंगता का शिकार भी होना पड़ा था। पुलिसकर्मियों की हैवानियत का शिकार, 24-वर्षीय युवा राजकरण दुग्गड़ को गोली लगने से शहीद होना पड़ा था। जनसमस्याओं के खातिर आंदोलन में शामिल दर्जनों लोगों पर पुलिसकर्मियों के व्दारा अपराधिक धारा भी लगाया गया था,जिसके कारण उन्हें वर्षों तक पेशी के चक्कर काटने पड़े थे! इन्हीं यादों को संजोए शहीद राजकरण दुग्गड़ की स्मृति में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी राजकिरण आयोजन समिति ने आज 24 सितंबर, 2021 को पुलिस थाना के पास राजकरण दुग्गड़ उघान, चांपा में श्रध्दांजलीं सभा का आयोजन किया। जिस जन-समस्याओं को लेकर शहीद राजकरण ने अपने प्राणों को न्यौछावर किया था। उसके शहादत पर सम्मान करते हुए जनसभा को सर्वप्रथम समाजसेवी कैलाशचंद्र अग्रवाल ने संबोधित किया। उस समय के घटनाक्रम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जनाधिकार संघर्ष समिति के बैनर तले आयोजित चांपा नगर की पेयजलापूर्ति,और बिजली की आंखमिचौली को लेकर आक्रोशित जनता का था। शांतिपूर्ण तरीके से ज्ञापन देने के बाद भी समस्याओं का निराकरण नहीं किया जा रहा था। समिति ने जब पेयजल संकट के बारें में अधिकारियों को बताया तो अधिकारी उल्टे-सीधे तर्क देकर जनता-जनार्दन को दिग्भ्रमित करने का कार्य किया। कैलाशचंद्र अग्रवाल ने संबोधित करते हुए आगे बताया कि एक प्रशासनिक अधिकारी ने तो पानी के बदले अपनी पत्नी के मूत्र पीलों कहने पर लोग आक्रोशित हो गए और नगर की जनता पुलिस थाना का घेराव करने पहुंच गई । शांतिपूर्ण आंदोलन के बदलें में गोलीबारी हुई ! अश्रुगैस के गोले दागें गए। एक होनहार नवयुवक राजकरण दुग्गड़ की मौत हो गई, कई लोग अपंगता के शिकार हुए और अनेक वर्षों तक बेगुनाह लोगों को पुलिस की हैवानियत का शिकार होना पड़ा।

अपने प्राणों का बलिदान करने वाले राजकरण दुग्गड़ को नमन। नगरपालिका अध्यक्ष जय कुमार थवाईत ने नगर की मूलभूत समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन देते हुए शहीद राजकरण दुग्गड़ की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। नगर की जनभावनाओं का आदर करते हुए पूर्व पार्षद कृष्णा देवांगन ने शिलालेख पट्टिका और सौंदर्यकरण कर लोगों को इस काले दिवस को यादगार बनाने के लिए निमंत्रण-पत्र भेजा। उन्होंने समारोह स्थल पर नपाध्यक्ष से राजकरण उघान के सौंदर्यीकरण और स्थल को विकसित करने का निवेदन किया। शशिभूषण सोनी ने बताया कि राष्ट्रीय पत्रकार मोर्चा के जन-सहयोग द्वारा 24-सितं.1983 को स्थापित राजकरण दुग्गड़ की प्रतिमा का निर्माण 2500 रुपयें की लागत से नगर के मूर्तिकार किशन राव ने किया था, जिसका अनावरण पत्रकार कृष्णा डागा ने किया था।

पूर्व पार्षद कृष्णा देवांगन ने शिलालेख पट्टिका का निर्माण करवाया। शिलालेख पट्टिका का अनावरण समाजसेवी कैलाशचंद्र अग्रवाल, नपाध्यक्ष जय थवाईत और हरदेव देवांगन ने किया। इस समारोह में राजकरण दुग्गड़ स्मृति समारोह के अध्यक्ष कार्तिकेश्वर स्वर्णकार एवं संयोजक सुधीर बाजपेई विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन, व्यवस्थापक, पत्रकार अनंत थवाईत ने किया और आभार कृष्णा देवांगन ने किया।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सिन्हा ने किया वृक्षारोपण

पायनियर संवाददाता ➤ जैजैपुर
www.dailypioneer.com

ग्राम पंचायत तुषार में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश उपाध्यक्ष निर्मल सिन्हा के द्वारा भजनभाठा रामनामी मंदिर परिसर में अनेकों प्रकार के वृक्षों का रोपण किया एवं उनके फायदों के बारे में बताते हुए उचित देखरेख के बारे में लोगों के बताया प्रदेश उपाध्यक्ष ने हमें हमारे जीवन में हरे भरे वृक्षों से मिलने वाले शुद्ध हवाओं के बारे में बताते हुए कहा कि हर इंसान को अपने जीवन काल में वृक्ष लगाना चाहिए, वृक्षारोपण कार्यक्रम में ग्राम पंचायत तुषार के सरपंच ओम प्रकाश चंद्रा के द्वारा ग्रामीणों को वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित किया गया जहां जैजैपुर नगर पंचायत अध्यक्ष सोनसाय देवांगन सुखदेव खूटे जी मंडल अध्यक्ष जैजैपुर दावेंद्र चंद्रा पूर्व मंडल अध्यक्ष जैजैपुर ग्रामीण भोला राम केवट, शिक्षक इंद्रा खुटे साधु चंद्रा, दीपक जांगड़े , अनिल भारद्वाज ,हीरालाल भारद्वाज सागर खुटे, अर्जुन चंद्रा पुखराज बढ़ाई ,चेतन चंद्रा एवं ग्रामीणों के भारी सहयोग से कार्यक्रम संपन हुआ।

खुड़िया के प्रबंधक रामदीन जायसवाल की तानाशाही रवैया से किसान हुए त्रस्त

कलेक्टर से मिलकर हटाने की मांग करते हुए ज्ञापन सौपे

पायनियर संवाददाता < मुंगेली/ लोरमी
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री किसान हितेषी है और शासन की जितनी भी योजना है किसानों के लिए विशेष प्राथमिकता की बात कहा गया ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की कोई भी समस्या न हो और सभी शासन की योजनाओ का लाभ किसान ले सके पर विडंबना की बात है कि कुछ गैर जिम्मेदार कर्मचारी के चलते मुख्यमंत्री के सपनों का चकना चुर कर देते है और किसानों लोगों को इसका लाभ नही मिल पाता है।

ऐसा ही एक मामला सामने आया है जिला मुख्यालय के ग्राम खुड़िया के लोग कलेक्टर से मिलकर अपनी समस्याओ से अवगत किये ग्रामीणों ने बताया कि खुड़िया धान विपणन मंडी सोसायटी के प्रबंधक रामदीन जायसवाल व चौकीदार नरेश जायसवाल के द्वारा किसानों के साथ हमेशा दुर्व्यवहार एवं अभद्रता के साथ व्यवहार किया जाता हैं।

शासन की कोई भी योजनाओं के बारे में पुछने से सही जवाब नही देते है और के.सी.सी. एवं खाद निकालने पर हमेशा रिश्वत की मांग करते है और रिश्वत नही देते है तो हमे भगा देते है आदिवासी किसान लोग पैदल चलकर दुर दराज से आते हैं जिससे क्षेत्र की किसान लोग इस प्रबंधक की शोषण का शिकार हो रहे है और जिस दिन छुट्टी नहीं रहता है उस दिन भी छुट्टी में रहता है और किसान लोग बिना खाद बीज लिए वापस आना पड़ता है ऐसे लापरवाह अधिकारी से सभी क्षेत्र के किसान लोग त्रस्त होकर इसे हटाने की मांग लेकर खाद्य मंत्री अमरजीत सिंह भगत छ.ग.शासन, कलेक्टर और जिला खाद्य अधिकारी, जिला पंजीयक अधिकारी, जिला सहकारी बैंक शाखा बिलासपुर के सभी के पास शिकायत किए है शिकायत करने वाले किसान शत्रुहन सिंह ,बहादुर ,भागवत प्रसाद , संजू बैगा, संदीप, भूलव बिहारी सोनवानी सदाराम मार्को रामजी श्यामलाल जायसवाल अंजोर सिंह सभी किसान ने हटाने की मांग किये है।

क्या कहना है - जांच कर दोषी पर कार्यवाही की जायेगी।

एस.के. मिश्रा जिलाखाद्य अधिकारी मुंगेली

नवोदय विद्यालय की कक्षा नवमीं में दाखिला के लिए आवेदन आमंत्रित

बलौदाबाजार। जवाहर नवोदय विद्यालय लवन में अगले शैक्षणिक सत्र 2022-23 की कक्षा नवमीं में प्रवेश के लिए ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गए हैं। लैटरल एन्ट्री एडमिशन के तहत कक्षा नवमीं में फिलहाल 4 सीट रिक्त हैं। विद्यालय के प्राचार्य डी.गिरी ने बताया कि चालू शिक्षा सत्र में कक्षा आठवीं में प?ाई कर रहे विद्यार्थी इसके लिए पात्र हैं। आवेदक की जन्म तिथि 1 मई 2006 से 30 अप्रैल 2010 के बीच होने चाहिए। विद्यार्थी का बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सरकारी अथवा निजी कोई भी मान्यताप्राप्त स्कूल में अध्ययनरत होना चाहिए। इच्छुक विद्यार्थी को नवोदय विद्यालय की आधिकारिक वेबसाईट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट नवोदया डॉट जीओव्ही डॉट इन अथवा डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट एनव्हीएस एडमिशन क्लास नाईन डॉट इन पर जाकर आवेदन करना होगा। आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2021 निर्धारित की गई है। प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली परीक्षा की प्रस्तावित तिथि 9 अप्रैल 2022 निर्धारित की गई है।

बिलासपुर लोक सभा क्षेत्र के सांसद साव ने हरी झण्डी दिखाकर किया फिट इंडिया फ्रीडम दौड़ का शुभारंभ

पायनियर संवाददाता < मुंगेली
www.dailypioneer.com

आजादी की अमृत महोत्सव

आजादी की 75वीं वर्षगाठ अमृत महोत्सव के अवसर पर बिलासपुर लोक सभा क्षेत्र के सांसद अरूण साव ने आज प्रातः 08 बजे जिला मुख्यालय के पुराना बस स्टैंड स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल सामुदायिक भवन के प्रागण से हरी झण्डी दिखाकर फिट इंडिया फ्रीडम दौड़ का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर मुंगेली विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुन्नू लाल मोहले, कलेक्टर अजीत वसंत, जिले के पुलिस अधीक्षक डी.आर आंचला सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। फिट इंडिया फ्रीडम दौड़ में जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ कर हिस्सा लिया। फिट इंडिया फ्रीडम दौड़ दाऊपारा होते हुए पुनः सामुदायिक भवन पहुँचे। इसके पूर्व सरदार वल्लभ भाई पटेल सामुदायिक भवन के सभा कक्ष में फिट इंडिया फ्रीडम दौड़ के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बिलासपुर लोक सभा क्षेत्र के सांसद साव ने स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होने कार्यक्रम को संबोधित किया और स्वतत्रंता संग्राम के क्रांति वीरों और मनीषियों को याद करते हुए उन्हे नमन किया। कार्यक्रम में कलेक्टर वसंत ने फिट और स्वस्थ रहने के लिए फिट इंडिया फ्रीडम दौड़ के प्रतिभागियों को शपथ दिलाई।

इस अवसर पर कार्यक्रम के अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नेहरू युवा केंद्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा किया गया।

कोरोना यौद्धाओं के प्रयास से अब तक 15520 लोगों को लग चुका है टीका

पायनियर संवाददाता < किरंदुल
www.dailypioneer.com

वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के रोकथाम हेतु केंद्र शासन के पहल से भारत ने स्वदेशी टीके का निर्माण किया और इस भयंकर महामारी से बचने हेतु जोरो से कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम चलाया गया। किरन्दुल अम्बेडकर भवन टीकाकरण केंद्र में 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों हेतु टीकाकरण की शुरुआत 30 जनवरी को की गई और लगातार पात्र हितग्राहियों को कोविशील्ड टीका लगाई जाने लगी।जिसके बाद शासन के पहल से ही कोवैक्सीन टीका भी विकसित की गई और 16 मई से 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का टीकाकरण प्रारम्भ हुआ और टीकाकरण अभियान की शुरुआत के बाद लगातार जिला प्रशासन,स्थानीय प्रशासन,जनप्रतिनिधि,समाज सेवियों एवं वैक्सीनेशन में कार्यरत टीम के आव्हान और अपील पर अब तक अम्बेडकर भवन में 15 हजार 520 हितग्राहियों को कोरोना की टीका लगाई गई।गौरतलब है आंकड़ा निश्चित रूप से किरंदुल नगर के लिए विशेष उपलब्धि साबित हो रही है साथ ही इन्हीं कोरोना यौद्धाओं के भरपूर प्रयास से शत प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य भी किरन्दुल में शीघ्र पूर्ण कर लेने की संभावना है।बता दें टीकाकरण केंद्र में तैनात सभी अधिकारी एवं उनके सहयोगियों के योगदान से सफलतापूर्वक टीकाकरण के साथ-साथ उनके द्वारा समय समय पर नगर वासियों को टीकाकरण हेतु लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। सुपरवाइजर राजेश बेहेरा ने कहा कि हमारी टीम पूरी मेहनत से कोरोना के विरूद्ध लड़ाई लड़ रही है और इस टीकाकरण कार्यक्रम में लगी हुई है और हमारी यही कोशिश है की नगर का एक भी बंदा इस टीकाकरण से वंचित ना हो। जिसके लिए हम नगर के लोगों को टीकाकरण के लिए सदैव प्रोत्साहित करते रहे हैं।

हंगामा हाई लाइफ के साथ अभूतपूर्व मनोरंजन का आनंद उठाएं

हंगामा के लाइफस्टाइल उत्पादों की एक किफायती रेंज

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

2,199 और 4,999 रुपए के बीच की कीमत वाली इस रेंज में - ब्लूटूथ हेडफोन, सही मायने में वायरलेस ईयरबड्स, नेकबैंड और ब्लूटूथ स्पीकर जैसे उपभोक्ता टेक्नालॉजी के उत्पाद मौजूद हैं; जो अमेज़न इंडिया और फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध हैं। हर खरीदारी के साथ उपयोगकर्ताओं को हंगामा म्यूजिक और हंगामा प्ले का सालाना सब्सक्रिप्शन मिलता है; हर उत्पाद के साथ प्रदान किए गए एनएफसी कार्ड के माध्यम से इस सब्सक्रिप्शन को सक्रिय किया जा सकता है। उपभोक्ता अब भारत की अग्रणी डिजिटल मनोरंजन कंपनी हंगामा द्वारा लॉन्च किए गए लाइफस्टाइल ब्रांड हंगामा हाई लाइफ के साथ बेहतर मनोरंजन का आनंद उठा सकते हैं। इस रेंज में-ब्लूटूथ हेडफोन, सही मायने में वायरलेस ईयरबड्स, नेकबैंड और ब्लूटूथ स्पीकर जैसे शरीर को सुख देने के लिए डिजाइन किए उपभोक्ता टेक्नालॉजी वाले उत्पाद मौजूद हैं। हर खरीदारी के साथ उपभोक्ताओं को हंगामा म्यूजिक और हंगामा प्ले, हंगामा के म्यूजिक और वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म का सालाना सब्सक्रिप्शन भी मिलता है, जिसके चलते यह उपयोगकर्ताओं के लिए एक व्यापक मनोरंजन पैकेज बन चुका है। इस सब्सक्रिप्शन को सक्रिय करने के लिए उपयोगकर्ताओं को हर उत्पाद के साथ मिले विशेष एनएफसी कार्ड पर अपने एनएफसी-संगत उपकरण को टैप करना होता है। वैकल्पिक रूप से उपयोगकर्ता इन उत्पादों के साथ प्रदान किए गए क्यूआर कोड का उपयोग करके भी अपनी सदस्यता को सक्रिय कर सकते हैं। 2,199 और 4,999 रुपए के बीच की किफायती कीमत पर ये उत्पाद अब अमेज़न इंडिया और फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध हैं। हंगामा हाई लाइफ के वर्तमान उत्पादों में बज़ 101 (एक ब्लूटूथ हेडफोन) शामिल है, जो केवल 1 घंटा चार्ज कर लेने पर बड़ा हुआ बास, पैसिव न्वॉइज कैंसलेशन और 9 घंटे तक का प्लेबैक टाइम प्रदान करता है। इसमें चमड़े के ईयरमफ्स लगे हुए हैं जो ज्यादा आरामदायक हैं और असाधारण स्टायल पेश करते हैं। हेडफोन पसीना रोधी हैं, जो उन्हें कड़ी भारतीय गर्मियों के दौरान भी इस्तेमाल करने लायक बनाते हैं। बज़ 101 की कीमत 4,999 रुपए रखी गई है। जंप 101 हंगामा हाई लाइफ का नेकबैंड है, जो 12 घंटे तक का प्लेबैक टाइम प्रदान करता है। इसमें एक तेज चार्जिंग की तकनीक काम करती है, जो इसे केवल 30 मिनट में 80त्न तक चार्ज कर देती है।

होगा व्यापक प्रचार-प्रसार

निशुल्क कैंसर स्क्रीनिंग शिविर के बारे में लोगों को जानकारी प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोग इन शिविरों में अपनी जांच करा के लाभान्वित हो सकें।

कब कहां आयोजित होगा कैंप

तय कार्यक्रम के तहत निशुल्क कैंसर स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन 28 सितंबर को राजनांदगांव व बालोद जिले में, 29 को धमतरी व कांकेर में, 30 सितंबर को दंतेवाड़ा और सुकमा, 1 अक्टूबर को बस्तर व नारायणपुर जिले में, 2 अक्टूबर को बेमेतरा व बिलासपुर, 3 को अंबिकापुर व सूरजपुर, 4 को बलरामपुर, जशपुर और 5 अक्टूबर को जांजगीर व सारंगगढ़ (रायगढ़) जिले में आयोजित किया जाएगा।

जिले में अब तक 1050.8 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

मुंगेली। जिले के सभी तहसीलो मे एक जून से अब तक 1050.8 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान सर्वाधिक वर्षा 1117 मिली मीटर औसत वर्षा पथरिया तहसील में दर्ज की गई है। कलेक्टर कार्यालय भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक मुंगेली तहसील में 959 मिली मीटर औसत वर्षा, पथरिया तहसील में 1117 मिली मीटर औसत वर्षा और लोरमी तहसील में 1069 मिली मीटर औसत वर्षा और नवगठित लालपुर (थाना) तहसील में 1058.3 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है।

परिवहन विभाग की वनटाईम सेटलमेंट योजना की अवधि में वृद्धि

मुंगेली। कोविड महामारी से उत्पन्न हुई विषम परिस्थितियों के कारण राज्य शासन के परिवहन विभाग द्वारा करदाताओं के लिए लागू वनटाईम सेटलमेंट योजना की अवधि में वृद्धि कर दी गई है। अब कर दाताओं को 31 मार्च 2022 तक अधिरोपित लंबित शास्ति की राषि में पूर्णतः छूट होगी।

राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान किया गया गंभीर कुपोषित बच्चों का चिन्हाकन एवं दिया गया पौष्टिकता युक्त आहार

मुंगेली। राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान 24 सितम्बर को जिले के आंगनबाड़ी केंद्रो में गंभीर कुपोषित बच्चों का चिन्हाकन किया गया और गंभीर कुपोषित बच्चों के साथ-साथ आंगनबाडी केंद्र के सभी बच्चों को पोष्टिकता युक्त आहार प्रदान किया गया तथा गंभीर कुपोषित बच्चों को आयरन सीरप एवं प्रोटीन पाउडर इत्यादि का वितरण किया गया। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य विभाग के एएनएम द्वारा गृह भेंट कर उनके घरों की दीवारों पर चित्रकारी की गई और पालकों को सुपोषण के संबंध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर एएनएम, मितानिन, पर्यवेक्षक और आंगनबाड़ी कार्यक्रर्ता उपस्थित थी।

पढ़ई तुंहर द्वार के तहत संकुल केंद्र में विविध प्रतियोगिता आयोजित

पायनियर संवाददाता < किरन्दुल
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ राज्य शासन की पढ़ाई त्यौहार द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत 25 मई शनिवार को बच्चों के चहुमुखी विकास संभव हो पाएं इस उद्देश्य से संकुल केंद्र किरंदुल शहरी में बच्चों के लिए वाचन कौशल प्रतियोगिता लेखन कौशल प्रतियोगिता गणितीय कौशल प्रतियोगिता गीत हस्त पुस्तिका प्रतियोगिता का आगोजन प्राथमिक शालाओं के बच्चों के लिए शासकीय प्राथमिक शाला कोड़ेनार नंबर 1 किरंदुल में किया गया।

कार्यक्रम में संकुल प्राचार्य उमा ठाकुर, संकुल समन्वयक शंकर चौधरी एवं उच्च प्राथमिक स्कूल के प्रतिभागी बच्चों के साथ साथ संबंधित स्कूल के शिक्षकों की सहयोग और उपस्थिति रही। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के द्वारा चारों विद्यार्थियों में अलग-अलग बच्चों का चयन किया गया।

राजीव गांधी किसान न्याय योजना, पंजीयन की तिथि 31 अक्टूबर तक बढ़ाई गई

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत किसानों के लिए पंजीयन की तिथि बढ़ाकर 31 अक्टूबर तक कर दी गई है। इसके पहले पंजीयन की अंतिम तिथि 30 सितम्बर तक निर्धारित थी। उप संचालक कृषि सतराम पैकरा ने बताया कि पंजीयन की तिथि बढ़ाने के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों को भी योजना के दायरे में ले लिया गया है। उद्यानिकी फसल उत्पादक किसान इस योजना में पंजीयन कराकर प्रति एकड़ 9 हजार रूपये की इनपुट सबसिडी के रूप में सहायता प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे किसान जो पूर्व में समर्थन मूल्य पर धान वि य किये थे, यदि उन खेतों में धान के बदले उद्यानिकी फसल अथवा वृक्षारोपण किये हैं तो उन्हें 10 हजार रूपये प्रति एकड़ के हिसाब से इनपुट सबसिडी प्रदान की जायेगी। उन्होंने बताया कि उद्यानिकी फसलों के अंतर्गत केला, पपीता, नाशपत्ती, अमरूद, ड्रेगनफ्रूट, आंवला, बेर, नीबू, नीबूवर्गीय फसलें तथा सब्जियों के अंतर्गत टमाटर, आलू, शकरकंद, भिण्डी, बैंगन एवं कद्दूवर्गीय फसल, गुलाब, गेंदा तथा मसाले के अंतर्गत मिर्ची, हल्दी, अदरक, काजू एवं वृक्षारोपण लगाने वाले किसानों को प्रति एकड़ 10 हजार रूपये प्रति एकड़ की प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। वृक्षारोपण करने वाले किसानों को लगातार तीन साल तक सहायता राशि प्रदान की जायेगी।

फसलों की सुरक्षा के लिए जिपं अध्यक्ष राकेश वर्मा ने मांगा गंगरेल से पानी

बलौदाबाजार-भाटापारा। इस वर्ष वर्षा की कमी होने के कारण जिला बलौदाबाजार के कृषकों के मांग को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष राकेश वर्मा के द्वारा माननीय मुख्यमंत्री भुपेश बघेल को पत्र जारी करते हुए फसलो की सुरक्षा हेतु गंगरेल से पानी दिये जाने हेतु मांग किया गया। वर्मा ने अपने पत्र मे लिखा कि फसल के पकने हेतु एक बार पानी की अति आवश्यकता है। पानी की कमी होने से खेत में लगे धान नष्ट हो रहे है जिस कारण क्षेत्र के कृषकगण बहोत परेशान है, और वे पानी की समस्या से बार-बार अवगत करा रहे है। क्षेत्रवासियों की मांग को देखते हुए गंगरेल से पानी छोड़े जाने की अति आवश्यकता है। पत्र मे मान.रविन्द्र चौबे मंत्री जल संसाधन विभाग व मान. उमेश पटेल प्रभारी मंत्री जिला बलौदाबाजार-भाटापारा को भी सूचना प्रेषित की गई।

न्यायालय तहसीलदार मुंगेली, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. बी-121/2020-21
ग्राम देवगांव प.ह.नं. 12

एतद द्वारा ग्राम देवगॉव के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक चंदन बाई पति स्व. मथुरा जाति कुर्मी निवासी व जिला मुंगेली निवासी में अपने पति स्व. मथुरा की मृत्यु दिनांक 10/02/1999 को होने से एवं उप पंजीयक ग्रा. पं. देवगांव के पंजी में दर्ज कराने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को भी किसी प्रकार की कोई दावा आपत्ति हो तो वह स्वयं या अभिभाषक या प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 05.10.2021 समय 11.00 बजे दिन को तहसील कार्यालय में दावा / आपत्ति पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16/09/2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार मुंगेली

इंडसइंड बैंक
3ए अपर वुड स्ट्रीट शाखा, प्रथम तल, सावित्री टावर्स, कोलकाता – 700017

परिशिष्ट – 4
कब्जा सूचना खनियम 8(1) देखें,
(अचल सम्पत्ति हेतु)

जबकि,
अधोहस्ताक्षरी ने इंडसइंड बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मांग सूचना दिनांकित 23 जून, 2021 जारी की थी, जिसमें कर्जदार – मैसर्स गैलेक्सी मार्केटिंग ; श्रीमती अमृता नेमानी और श्री रवीश कुमार तलरेजा से उक्त सूचना में वर्णित अनुसार बकाया राशि रू. 35,30,937.44/– (रू. पैंतीस लाख तीस हजार नौ सौ सैंतीस तथा पैसे चौवालीस मात्र) तथा संबंधित क्रेडिट सुविधा के संबंध में दिनांक 01 जून, 2021 से आगे 09.55 प्रतिशत ब्याज तथा 18.75 प्रतिशत दंड ब्याज (साधारण आधार) + लागतों, प्रभारों तथा खर्चों इत्यादि का भुगतान, उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी।
कर्जदार राशि चुकाने में असफल रहे हैं, अतः एतद्द्वारा कर्जदार और सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित संपत्ति का भौतिक कब्जा 22 सितम्बर, 2021 को प्राप्त कर लिया है।
कर्जदार को विशेष रूप से तथा सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि इस सम्पत्ति के संबंध में कोई संव्यवहार नहीं करें तथा सम्पत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार इंडसइंड बैंक लिमिटेड की बकाया राशि रू. 35,30,937.44/– (रू. पैंतीस लाख तीस हजार नौ सौ सैंतीस तथा पैसे चौवालीस मात्र) तथा संबंधित क्रेडिट सुविधा के संबंध में दिनांक 01 जून, 2021 से आगे 09.55 प्रतिशत ब्याज तथा 18.75 प्रतिशत दंड ब्याज (साधारण आधार) + लागतों, प्रभारों तथा खर्चों इत्यादि का भुगतान करने के बाद ही किया जा सकता है।
कर्जदार का ध्यान, प्रत्याभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

अचल/चल सम्पत्ति का विवरण

सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : दुकान नंबर 48, लोअर ग्राउंड फ्लोर, श्याम स्क्वायर, परिमाप निर्मित क्षेत्रफल – 215 वर्ग फीट, जो प्लॉट नंबर 1, सर्वे/खसरा नंबर 117/2 एवं 136/1 का हिस्सा, आरडीए की देवेन्द्र नगर स्कीम नंबर 32, ग्राम पंडरी तराई, पी.एच. नंबर 109, शहीद हेमू कलानी वार्ड नंबर 35, नगर, तहसील एवं जिला – रायपुर, छत्तीसगढ में स्थित है और निम्नानुसार परिबद्ध है (सेल डीडी के अनुसार) :
उत्तर : खुला स्पेस, दक्षिण : कॉरीडोर,
पूरब : दुकान नंबर 46, पश्चिम : दुकान नंबर 49
***सम्पत्ति का विस्तृत और अधिक स्पष्ट विवरण श्रीमती अमृता तलरेजा उर्फ अमृता नेमानी पत्नी श्री रवीश तलरेजा के नाम डीड नंबर 3471 (केएच) दिनांकित 19–08–2015 में वर्णित किया गया है।
तिथि : 22 सितम्बर, 2021
स्थान : रायपुर
प्राधिकृत अधिकारी
इंडसइंड बैंक लिमिटेड

AU SMALL FINANCE BANK
A SCHEDULED COMMERCIAL BANK

एयू स्मॉल फाइनेन्स बैंक लिमिटेड (शिड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक)
रजिस्टर्ड ऑफिसः 19–ए, धूलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड, जयपुर–302001 (CIN: L36911RJ1996PLC011381)

परिशिष्ट IV [देखें नियम 8(1) कब्जा सूचना]

जबकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (शिड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक) का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए "वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002" (2002 का 54) और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 13 (12) का सपठित नियमों के नियम 3 के तहत प्रदत शक्तियों के अनुप्रयोग में ऋणियों को मांग सूचना पत्र निम्नलिखित तालिका के अनुसार निर्गमितकर तालिका में राशि 60 दिवस के भीतर चुकाने के लिए कहा गया था।

ऋणी / सहऋणी / बंधककर्ता / गारन्टर / ऋण खाता संख्या	धारा 13(2) के अन्तर्गत नोटिस की दिनांक व राशि	स्थावर सम्पत्ति का विवरण	कब्जे की तारीख
(ऋण खाता संख्या) L9001060718022796 पवन कुमार राठौड (ऋणी एवं बंधककर्ता), श्रीमती मेनका देवी (सहऋणी)	23-अप्रैल-21 ₹ 17,05,438/- सत्रह लाख पांच हजार चार सौ अडतीस रूपये मात्र 21-अप्रैल-21 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एंव फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित भूमि स्थित खसरा नं. 436/12 का भाग, पीसी नं. 15, आर.आईसी ग्राम नरानिया, तहसील अकलतारा, जिलाः जांजगीर, चम्पा छत्तीसगढ, क्षेत्रफल 202.5 वर्ग मीटर, पूर्वः नारायण का मकान, पश्चिमः हृदय लाल की भूमि, उत्तरः राम लाल की भूमि, दक्षिणः हृदय लाल की भूमि	21-सितम्बर-21
(ऋण खाता संख्या) L9001060713018552 विनोद कुमार बंजारा (ऋणी एवं बंधककर्ता), श्रीमती सुख बाई बंजारा (सहऋणी), श्रीमती सोनम भार्गव (सहऋणी)	23-अप्रैल-21 ₹ 35,07,632/- पैंतीस लाख सात हजार छः सौ बत्तीस रूपये मात्र 2-अप्रैल-21 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एंव फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित सर्वे नं. 601/2 की सरकारी भूमि, मौजा गुरू, पटवारी सर्किल नं. 24, ग्राम सकरी, तहसील तखतपुर, जिलाः बिलासपुर, छत्तीसगढ, क्षेत्रफल 4472 वर्ग फीट, पूर्वः यादव अना तिवारी की भूमि, पश्चिमः चन्द्र की भूमि, उत्तरः मिश्रा की भूमि, दक्षिणः रोड	21-सितम्बर-21
(ऋण खाता संख्या) L9001060119357460 मैसर्स दिव्या ट्रेडर्स (ऋणी), श्याम लाल बरमन (सहऋणी), श्रीमती कविता बरमन (सहऋणी एवं बंधककर्ता)	24-मई-21 ₹ 8,95,049/- आठ लाख पिच्यानवे हजार उनचास रूपये मात्र 22-मई-21 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एंव फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित पीएच नं. 02/03, खसरा नं. 1100/3, मौजा हरदीकला, आरएनएम बिलहा, तहसील बिलहा, जिलाः बिलासपुर, छत्तीसगढ, क्षेत्रफल 3484.80 वर्ग फीट, पूर्वः शिव कुमार की भूमि, पश्चिमः खिलावन की भूमि, उत्तरः सिद्धराम की भूमि, दक्षिणः शांती बाई की भूमि/ निस्तारी रोड	21-सितम्बर-21
(ऋण खाता संख्या) L9001060715997194 हरीभजन सिंह ठाकुर (ऋणी), श्रीमती दुर्गेश्वरी सिंह (सहऋणी एवं बंधककर्ता)	23-अप्रैल-21 ₹ 16,46,728/- सोलह लाख छियालीस हजार सात सौ अट्ठाईस रूपये मात्र 2-अप्रैल-21 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एंव फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित खसरा नं. 130/36, वार्ड नं. 16, नन्दी विहार कॉलोनी, तहसील कवरधा, जिलाः कबीरधाम, छत्तीसगढ, क्षेत्रफल 0.013 हैक्टेयर, पूर्वः निस्तारी रोड, पश्चिमः हूप सिंह की भूमि, उत्तरः निस्तारी रोड, दक्षिणः सतीश तिवारी की संपत्ति	23-सितम्बर-21
(ऋण खाता संख्या) L9001060715068980 सविता यादव (ऋणी), मोहित राम यादव (सह–ऋणी एवं बंदककर्ता),	31-मई-21 ₹ 31,46,084/- इकतीस लाख छियालीस हजार चौरासी रुपये मात्र 31-मई-21	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एंव फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित खसरा नं.187, पी एच नं. 24/61, नया नं. 30, लक्ष्मी बिहार कॉलोनी, बैहर, आरंग, जिला रायपुर, छत्तीसगढ क्षेत्रफल 1740 वर्ग फीट, पूर्वः देवांगन का प्लॉट, पश्चिमः हमीनल यादव का मकान,, उत्तरः साहू का मकान, दक्षिणः रोड	23-सितम्बर-21
(ऋण खाता संख्या) L9001060714880962 राहुल बत्रा (ऋणी), श्रीमती शारदा बत्रा (सह–ऋणी एवं बंदककर्ता),	10-जून-21 ₹ 18,23,294/- अठारह लाख तेईस हजार दो सो चौराणवे रुपये मात्र 9-जून-21	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एंव फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित सव नं.346/44, मकान नं.48, शीट नं. 1523, ब्लॉक नं. 19, प्लॉट नं. 79/31, मौजा पटवारी सर्किल नं. 34, ब्लॉक बिल्हा आर आई सर्किल, ग्राम पंचायत अमेरी, तहसील व जिला बिलासपुर, 495001 छत्तीसगढ क्षेत्रफल 1000 वर्ग फीट, पूर्वः मकान नं. 45, पश्चिमः रोड, उत्तरः मकान नं. 47, दक्षिणः मकान नं. 49	23-सितम्बर-21

ऋणियों द्वारा वह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणियों को तथा सामान्यजन को एतद् द्वारा सूचना दी जाती हैं कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) तथा सपठित प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम 2002 के नियम 8 के अन्तर्गत प्रदत शक्तियों के अनुप्रयोग में उपरोक्त तालिका में वर्णित सम्पत्तियों का कब्जा ग्रहण कर लिया है।
ऋणियों का ध्यान प्रतिभूति आस्तियों के मोचन के लिये उपलब्ध समय के सन्दर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबंधों की ओर आकृष्ट किया जाता है।
ऋणियों को विशिष्टतया तथा सर्व साधारण को सामान्यतया एतद द्वारा सम्पत्तियों के साथ काई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती हैं। और सम्पत्ति के साथ कोई व्यवहार उपरोक्त तालिका में वर्णित राशि तथा आगे का ब्याज एवं कुल भुगतान होने तक ''एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड'' (शिड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक) के प्रभार के अधीन होगा।
स्थानः छत्तीसगढ
दिनांकः 24/09/2021
प्राधिकृत अधिकारी
एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड

गजराज का कहर : जंगल से लगी बस्ती में घुसे हाथी कच्चा मकान पर किया हमला, फसल को भी नुकसान

मोहला से 4 किमी की दूरी पर डेरा डाले हुए हैं हाथी, ग्रामीणों में दहशत

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

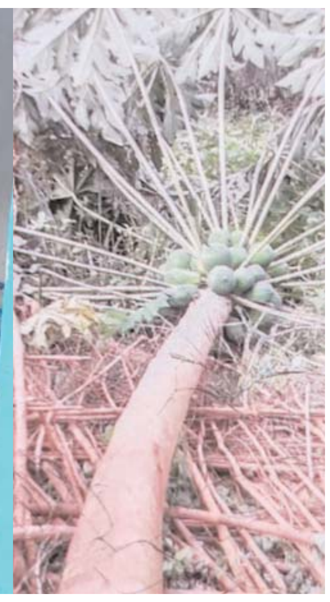

मोहला व चौकी के मध्य जंगलों व गावों मे आतंक का पर्याय बना हाथियों का दल अब मानपुर व मोहला के मध्य जंगलों में पहुंच गया है। बहरहाल हाथियों का लोकेशन मानपुर ब्लॉक की सीमा के करीब पानाबरस के पिछ्ले हिस्से में ग्राम बाघिनसुर, कंदाडी, कनेरी की तरफ ट्रेस हुआ है। नवगठित जिला मोहला-मानपुर-चौकी में हाथियों का झुंड दहशत का पर्याय बनते जा रहा है।

शनिवार को इस झुंड के हाथियों ग्राम भुरसाटोला में एक ग्रामीण के घर मे कहर बरपाया। न केवल घर को हाथियों ने क्षतिग्रस्त किया बल्कि घर मे रखे बाइक, केबल छतरी, पपीते के पेड़ समेत फसलों को भी नुकसान पहुंचाया है। वन विभाग के अधिकारी मुआयना कर नुकसान का आंकलन कर रहे हैं। इससे पहले भी बीते हाथियों ने एक कच्चे घर को नुकसान पहुंचाया था।

बीते बुधवार को 22 हाथियों का झुंड बालोद जिले की ओर से होते हुए मोहला-मानपुर क्षेत्र में पहुंचा है। 4 दिनों से झुंड इसी क्षेत्र में ठहरा हुआ है। फिलहाल हाथियों का झुंड पानाबरस इलाके के जंगल में ही अपना पड़ाव डाले हुए हैं। इनकी दूरी मोहला से महज 4 किमी है। इस इलाके में मूव करने से पहले 25 सितंबर की तड़के सुबह हाथियों ने मोहला ब्लॉक मुख्यालय से महज चार किमी के दायरे में ग्राम भुरसाटोला में एक ग्रामीण के घर मे कहर बरपाया। इस घटना में मोटर साईकल सहित अन्य घरेलू सामान को भी नुकसान पहुंचा है।

महाराष्ट्र की ओर बढ़ने के कयास

हाथियों से सुरक्षा के मद्देनजर वन विभाग के अफसर कर्मी पदचिन्हों के आधार पर हाथियों के लोकेशन पर नजर बनाए हुए हैं। मोहला से मानपुर की ओर बढ़ रहा हाथियों का झुंड महाराष्ट्र सीमावर्ती इलाके में है। ऐसे में मानपुर की ओर न बढ़कर महाराष्ट्र की तरफ भी हाथियों का रुख हो सकता है ऐसे कयास भी लग रहे है। वन मंडलाधिकारी गुरुनाथन एन ने बताया कि, हाथियों का झुंड अभी शांत है। जंगल के आसपास बसी हुई बस्तियों में उनकी आमद रोकने की कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने कहा जो भी नुकसान हुआ है उसकी भरपाई की जाएगी।

संकुल स्तरीय पढ़ई तुंहर दुआर 2.0 अंतर्गत कबाड़ से जुगाड़

पठन व लेखन कौशल, हस्तपुस्तिका पर स्पर्धा

पायनियर संवाददाता ◄ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

अंचल के संकुल केन्द्र कोकपुर में संकुल स्तरीय पढ़ई तुंहर दुआर 2.0 के अंतर्गत पठन कौशल, लेखन कौशल, गणितीय कौशल, हस्तपुस्तिका व कबाड़ से जुगाड़ की प्रतियोगिता रखी गई थी। प्रतियोगिता में संकुल के अंतर्गत आने वाले कोकपुर, अरसीटोला, जंतर व चिचदो प्राथमिक शाला के बच्चो ने हिस्सा लिया।

स्पर्धा के अंतर्गत सभी कौशल में प्रत्येक स्तर से दो दो बच्चो ने भाग लिया। प्रतियोगिता को पहली से तीसरी व चौथी से पांचवी तक के बच्चो के लिए दो स्तर में बांटा गया था। पठन कौशल में पहली से तीसरी के तक के बच्चो को धारा प्रवाह पढ़ने का कार्य दिया गया व चौथी से पांचवी तक को बच्चो को चिन्हों का प्रयोग करते हुए पाठ पढ़ने व लेखन कौशल में भी प्रथम स्तर के बच्चो को देख कर लिखने का कार्य व द्वितीय स्तर के बच्चो को श्रुत लेखन का कार्य दिया गया।

गणितीय कौशल में भी प्रथम स्तर के बच्चो को जोड़ घटाना की संक्रियाएं व द्वितीय स्तर के बच्चो को गुणा भाग की संक्रियाएं दी गई। जिसमे पठन कौशल में प्रथम स्तर में प्राथमिक शाला अरसीटोला कक्षा तीसरी की छात्रा कु. तनुजा प्रथम स्थान में रही। द्वितीय स्तर में प्रथम स्तर पर प्राथमिक शाला चिचदो की कु. वंदना प्रथम स्तर पर रही। लेखन कौशल मे प्रथम स्तर में प्राथमिके शाला चिचदो की कु.गीतांजलि व द्वितीय स्तर पर प्राथमिक शाला जंतर की कु. यशोदा प्रथम स्थान पर रही। गणितीय कौशल में भी प्रथम स्तर में प्राथमिक शाला जंतर की कु. रेशमी यादव प्रथम व द्वितीय स्तर में प्रथम स्थान पर प्राथमिक शाला चिचदो का महेश्वर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रतियोगिता के क्रम में हस्तपुस्तिका में भी प्राथमिक शाला चिचदो के बच्चो ने दोनों स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया। कबाड़ से जुगाड़ प्रतियोगिता में चिचदो व कोकपुर के बच्चो ने प्रथम स्थान हासिल किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुश्री रश्मि ठाकुर व जयंत साहू सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी मौजूद थे। उसी प्रकार अथिति में संकुल प्राचार्य के आर सोरी व संकुल समन्वयक राहुल जैन उपस्थित थे। कार्यक्रम में संकुल प्राचार्य के आर सोरी , व्याख्यता शैलेन्द्र यदु व रोहित तारम व्याख्यता निर्णायक रहे। कार्यक्रम का संचालन व आभार प्रदर्शन राहुल कुमार जैन संकुल समन्वयक कोकपुर ने किया।

9 घंटे की खोज के बाद भी नहीं मिला युवक 13 गोताखोर की तलाश बेनतीजा

■ धामनसरा के शिवनाथ नदी एनीकट में डूबा केदार अब भी लापता

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

शिवनाथ नदी में बहे युवक का 9 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं है। सुरगी पुलिस चौकी प्रभारी शक्ति सिंह ने बताया कि 13 गोताखोर की मदद से युवक को खोजने के प्रयास किए जा रहे हैं। एक बोट भी लगाई गई है। बताया जा रहा है कि ग्राम धामनसरा निवासी 36 वर्षीय केदार निषाद शनिवार की सुबह लगभग 9.30 बजे एनीकट के नीचे नहाने के दौरान डूब गया। खबर लगते ही लोगों ने उसे ढूंढने की कोशिश की। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से उसे ढूंढने की कोशिशें की जा रहा है।

घटना के बाद से ही नदी किनारे ग्रामीणों डटे हुए रहे। वहीं युवक के परिजन बेसुध उसकी सलामती की खबर का इंतजार कर रहे हैं। युवक की तलाश में 13 गोताखोर बीते 9 घंटे से लगे हुए थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि केदार एनीकट के नीचे नहाते हुए अचानक एक बड़े भंवर में फंस गया। इसके बाद वह बाहर नहीं निकल सका। बताया जा रहा है कि एनीकट के नीचे बड़े पत्थरों के चलते गोताखोरों को उसकी तलाश में मुश्किलें आ रही है। बहरहाल, गोताखोरों का दल अंधेरा होने तक युवक की तलाश में जुटा रहा।

जब दो सौ दुकानों में कथित भ्रष्टाचार हो रहा था तब क्या कर रहीं थी पार्षद हेमा देशमुख!

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

नेता प्रतिपक्ष किशुन यदु ने कांग्रेसियों की हाल-फिलहाल की गतिविधियों पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेसी विपक्ष में रहते हुए सोते रहे और अब जब भाजपा दुकानों के आबंटन के मामलों में हितग्राहियों के साथ आंदोलन कर रही है तब पूर्व महापौर के कार्यकाल में दुकानों के आबंटन पर सवाल खड़े कर रहे हैं। श्री यदु ने कहा कि, पूर्व महापौर के कार्यकाल के दौरान मौजूदा महापौर श्रीमती हेमा देशमुख विपक्ष में पार्षद थीं। यहीं नहीं राजस्व विभाग के चेयरमेन विनय झा भी उस दौरान पार्षद थे, आसिफ अली उस दौरान भी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे। सवाल उठता है कि क्यूं उन्हें उस दौरान दुकानों के आबंटन में गड़बड़ियां नहीं दिखी। क्या, इसमें भी उनका कोई स्वार्थ निहित था?

श्री यदु ने कहा कि, जो भी पूर्व महापौर के कार्यकाल में मुख्यमंत्री स्वालंबन योजना के तहत निर्मित दुकानों के आबंटन पर सवाल उठा रहे हैं वे साबित कर रहे हैं कि उन्हें जनसरोकार से नहीं बल्कि सिर्फ अपने स्वार्थ के मुद्दों में दिलचस्पी है। शहर का नागरिक उनसे सवाल कर सकता है कि अगर उस दौरान दुकानों के आबंटन में गड़बड़ियां हुई थीं तो वे चुप क्यूं रहे और क्यूं ऐसा होने दिया। असलियत तो यह है कि पूर्व में आबंटित दो सौ दुकानों का

आबंटन प्रक्रियाओं के साथ सही तरीके से किया गया। पूर्व महापौर मधुसूदन यादव ने सभी हितग्राहियों के साथ न्याय किया था। और अब कांग्रेसी दोबारा इन दुकानों की जांच का मुद्दा उछालकर गरीबों के मन में रोजी-रोटी कमाने का माध्यम छिनने का डर पैदा कर रही है। आशंका है कि कहीं इन दुकानों से भी पात्र हितग्राहियों को बाहर कर अपने चहेतों का दुकाने आबंटित करने की तैयारी तो नहीं है।

नेता प्रतिपक्ष श्री यदु ने बताया कि खबर है कि जिन्होंने पूर्व में आबंटित दुकानों की जांच के लिए जो कांग्रेसी सामने आए हैं उनमें से कुछ को उन्हीं के नाम या उनके रिश्तेदारों के नाम पर इन्हीं दो सौ दुकानें में कुछ दुकान आबंटित की गई है। अब अगर ये ही दुकानों के आबंटन को गलत ठहरा रहे हैं तो वे ये भी बताएं कि जो दुकानें उन्हें आबंटित की गई है क्या वे भी नियमों के विपरित है?

उन्होंने कहा कि, कांग्रेसियों की रणनीति महज लोगों में डर पैदा करने की है। अगर उन दो सौ दुकानों के आबंटन में गलतियां होती या हितग्राहियों को दुकानें न मिली होती तो स्वभाविक तौर पर उसका विरोध होता। लेकिन इन दुकानों के आबंटन को लेकर आज तक किसी हितग्राही न कोई शिकायत नहीं की है। जबकि महापौर श्रीमती हेमा देशमुख ने खुले तौर पर कमला कॉलेज चौक में निर्मित दुकानों के आबंटन में षड़यंत्र कर अपात्रों को दुकानों का आबंटन करवाने की तैयारी कर ली। इस अन्याय के खिलाफ लड़ाई खुद 9 हितग्राही और उनके परिवार लड़ रहे हैं। सत्ता के घमंड में चूर महापौर इसे पचा नहीं पा रहीं हैं और इसके चलते ही वे व्यर्थ ही दूसरे हितग्राहियों के मन में आशंका के भाव पैदा कर उन्हें डराने की कोशिशों में उलझ गई हैं।

भाटिया को नम आंखों से दी श्रद्धांजलि नेता ने कहा, यह अपूरणीय क्षति

पायनियर संवाददाता ◄ छुरिया
www.dailypioneer.com

भाजपा मंडल छुरिया द्वारा जनपद पंचायत सामुदायिक भवन में पूर्व मंत्री स्व. राजिंदर पाल सिंह भाटिया को श्रदांजलि देने सभा का आयोजन किया गया। सांसद सतोष पांडे, जिला भाजपा अध्यक्ष मधुसूदन यादव सहित अन्य नेता व पदाधिकार, कार्यकर्ता सहित आम लोग भी इसमें शामिल हुए। श्री भाटिया के आकस्मिक निधन से पूरा खुज्जी विधानसभा स्तब्ध है।

श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सांसद सतोष पांडे ने कहा कि पूर्व श्री भाटिया सहज, सरल ,सुलभ नेता के रुप में स्थापित थे। लोगो से सहजता मेल मुलाकात एक - एक कार्यकताओं से लेकर क्षेत्र के लोगों का नाम से जानते थे। उनका अचानक हम सब के बीच से चला जाना दुखद है लेकिन विधि के विधान आगे हम नतमस्तक हैं। जिला भाजपा अध्यक्ष मधुसूदन यादव ने कहा कि भाटिया क्षेत्र के वे सबसे लोकप्रिय नेता थे। उनका स्थान कोई नही ले सकता। उघोगपति से लेकर अमीर गरीब के बीच बहुत ही शालीन नेता, सहज सरल, मृदभाषी होने के चलते पुरे जिले में लोकप्रिय नेता थे। क्षेत्र में उनका लगातार जनसंपर्क, क्षेत्र के विकास के लिए सोच के साथ काम करने वाले नेता का हमारे बीच से अचानक चले जाने से निश्चित ही भाजपा संगठन सहित क्षेत्र को क्षति पहुंची है।

कांशी नेताम एवं भारती राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता के लिए चयनित

पायनियर संवाददाता ◄ छुरिया
www.dailypioneer.com

समीपस्थ शासकीय हाईस्कूल साल्हेटोला के छात्र कांशीराम नेताम एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला धरमूटोला के छात्रा कु.भारती का राज्य स्तरीय बॉलीबाल प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। आयुक्त लोक शिक्षण संचनालय नवा रायपुर कार्यालय द्वारा जारी खेल कैलेण्डर के अनुसार 22 सितम्बर से 25 सितम्बर2021 तक दुर्ग संभाग के बेमेतरा में पांच दिवसीय छत्तीसगढ़

राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें 14 वर्षीय बॉलीबाल खिलाड़ी के रूप में दुर्ग संभाग से छुरिया ब्लाक के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला से कांशीराम नेताम का बालक वर्ग एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला धरमूटोला की छात्रा कु.भारती का बालिका वर्ग के लिए बॉलीबाल प्रतियोगिता हेतु चयन किया गया है।

प्रतिभावान वॉलीबाल खिलाड़ी कांशीराम नेताम एवं कु.भारती को प्राचार्य पंचारी, टी.आर.पन्द्रे, आर.एन.साहू, उत्तम दुबे, महेश मंडावी, सी.एस.यादव एवं टीचर्स एसोसिएशन के ब्लाक अध्यक्ष दिनेश कुरेटी सहित साल्हेटोला एवं धरमूटोला स्कूल के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बधाई दी है।

प्रदेश की जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे डॉ. रमन : रौशनी सिन्हा

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

शहर महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष श्रीमती रौशनी सिन्हा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह प्रदेश की जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सच तो यह है कि भाजपा के पास मुद्दा नहीं है और दूसरा यह कि वे टूल किट इस्तेमाल करने के मामलों में घिरे हुए हैं जिसे लेकर कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की है।

सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस पूछ रही है कि टूल किट मामले पर कोर्ट से क्लीन चिट मिली है या मीडिया के माध्यम से अफवाहें उड़ाई जा रही है। वे इस मामले में कोर्ट के निर्णय को सार्वजनिक करने की चुनौती स्वीकार करने की बजाए कांग्रेस की स्थिर सरकार के खिलाफ बोलकर लोगों को भ्रमित करने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस की प्रदेश सरकार बेहतर योजनाओं के साथ लोगों को फायदा पहुंचा रही है। उनके कार्यकाल में प्रदेश में विकास की गति बीते 15 वर्ष में भाजपा कार्यकाल में नहीं रही। अपनी असफलता के आगे भूपेश बघेल सरकार की सफलता पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को पच नहीं रही है। वो डॉ. रमन सिंह का ही कार्यकाल था जब माओवाद चरम पर रहा और झीरम घाटी में कांग्रेस ने अपने दिग्गजों को खोया।

दर्शन से पहले दिखाना होगी कोविड जांच की रिपोर्ट, वैक्सीनेट हो चुके लोगों को छूट

क्वांर नवरात्रि : तीसरी लहर के पीक की आशंका के बीच खुलेंगे मंदिर के पट

■ पदयात्रा, मेला, मीनाबाजार, झूले पर प्रतिबंध, स्पेशल ट्रेनें भी चलेंगी

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

जिले की धर्मनगरी डोंगरगढ़ में कोविड-19 के बीच क्वारं नवरात्रि पर्व के दौरान दर्शन के लिए प्रशासन ने सख्त गाईड लाईन तैयार की है। इस बार नवरात्रि में देवी के दर्शन किए जा सकेंगे लेकिन इससे पहले श्रद्धालुओं को कोविड 19 की जांच रिपोर्ट या फिर वैक्सीनेशन का सर्टिफिकेट अनिवार्य कर दिया गया है। यह चौथी नवरात्रि है जब यहां लगने वाले मेले पर प्रतिबंध लगाया गया है। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा, एसपी डी श्रवण ने मां बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़ में 7 अक्टूबर से प्रारंभ होने वाली क्वांर नवरात्रि पर्व के संबंध में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बैठक ली। इस अवसर पर अध्यक्ष अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण एवं डोंगरगढ़ विधायक भुनेश्वर बघेल उपस्थित रहे।

कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने कहा कि कोविड-19 संक्रमण पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। अक्टूबर माह में तीसरी लहर आने की आशंका को देखते हुए डोंगरगढ़ में नवरात्रि में प्रतिबंध अनिवार्य है।

कोविड-19 संक्रमण से सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रोटोकॉल का पालन करना जरूरी है।

बैठक में डोंगरगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष सुदेश मेश्राम, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती प्रज्ञा मेश्राम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात गजेन्द्र सिंह, नगर निगम आयुक्त आशुतोष चतुवेदी, एसडीएम राजनांदगांव मुकेश रावटे, एसडीएम डोंगरगढ़ अविनाश भोई, मां बम्लेश्वरी ट्रस्ट के अध्यक्ष नारायण अग्रवाल, उपाध्यक्ष रघुवर अग्रवाल, सचिव नवनीत तिवारी, ट्रस्टी संजय अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आशिंक छूट ही मिलेगी : उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्षो से मां बम्लेश्वरी मंदिर में मेला प्रतिबंधित किया गया है। आंशिक छूट के साथ सिर्फ दर्शन करने की अनुमति होगी। कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करना अनिवार्य होगा। 72 घंटे की कोविड-19 जांच रिपोर्ट के बिना प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। साथ ही कोरोना टीका के दोनों डोज की रिपोर्ट भी साथ लेकर आना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी डोंगरगढ़ के लिए स्पेशल ट्रेन की अनुमति नहीं होगी। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क रहे।

चेक पाईट लगेंगे : कलेक्टर ने पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग को चेक पाईट में टीम बनाकर तैनात करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मां बम्लेश्वरी डोंगरगढ़ मंदिर ट्रस्ट से सहयोग की बात कही। उन्होंने कहा कि जिले की सीमा महाराष्ट्र से लगे होने के कारण वहां से अधिक दर्शनार्थी आते है। इसलिए अधिक सतर्क रहे। कोविड-19 जांच और टीकाकरण रिपोर्ट की जांच जरूर करें।

पीक में होगी तीसरी लहर : मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेश चौधरी ने कहा कि अक्टूबर और नवम्बर महीने में तीसरी लहर की पीक आने की आशंका है इसलिए अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। नवरात्रि में लाखों दर्शनार्थी यहां माता के दर्शन के लिए पहुंचते है इसलिए कोविड-19 से सुरक्षा के लिए प्रोटोकॉल का पालन करना जरूरी है। पिछ्ली नवरात्रि की तरह इस नवरात्रि में भी कार्य करेंगे। डॉक्टर की टीम चेक पाईट और रेल्वे स्टेशन में तैनात रहेगी।

राज्य मे खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं, खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए उद्योग समूह आगे आएं : मुख्यमंत्री

बी आर यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केन्द्र बहतराई में खेल सुविधाओं के विकास के लिए 42 करोड़ के कार्यो का वर्चुअली लोकार्पण और भूमिपूजन

पायनियर संवाददाता ‹ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बीआर यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केन्द्र बहतराई में विभिन्न खेल सुविधाओ के विकास के लिए 42 करोड़ के कार्यो का वर्चुअली लोकार्पण और भूमि पूजन किया। इसके साथ ही हॉकी, तीरंदाजी, एथेलेटिक के आवासीय अकादमी और बालिकाओ के लिए आवासीय कबड्डी अकादमी का शुभारंभ किया गया।

बिलासपुर के राज्य खेल परिसर स्थित इंडोर स्टेडियम बहतराई में आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में खेल प्रतिभाओ की कोई कमी नही है। खेल के संस्कार यहां पहले से मौजूद है। खेल के अधोसंरचना विकास मे राज्य लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होने छ.ग में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए उद्योग समूहो का आगे आने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि बड़े शहरो के साथ-साथ छोटे शहरो मे भी खेल सुविधाओ के विस्तार पर ध्यान देना होगा, जिससे ग्रामीण प्रतिभाओ को इसका लाभ मिले। श्री बघेल ने कहा कि राज्य सरकार खेल सुविधाओ के लिए कोई कमी नही होने देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य पुराने खेल संस्कार को पुर्नजीवित करने के लिए युवा मितान क्लबो का गठन किया जा रहा है। इसके माध्यम से खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और युवाओ मे नेतृत्व क्षमता का विकास होगा। राज्य मे खेल क्षेत्र में जो भी उपलब्धियां हासिल हुई है उसके लिए खेल संघ और खिलाड़ी बधाई के पात्र है। मु यमंत्री ने बताया कि बिलासपुर मे स्थापित हॉकी, तीरंदाजी, एथेलेटिक कबड्डी खेल अकादमी के लिए खिलाड़ियो का चयन आगामी 12,13,14 अक्टूबर को किया जायेगा।

राज्य में पहली बार आवासीय खेल अकादमी की शुरूआत: कार्यक्रम की वर्चुअली अध्यक्षता करते हुए खेल मंत्री उमेश पटेल ने कहा कि छ.ग. में खिलाड़ियों के प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। छ.ग. में स्थापित खेल संरचना का पूरा उपयोग खिलाड़ी करे इसको ध्यान में रखते हुए खेल अकादमी चालू किए गए है। राज्य मे पहली बार आवासीय खेल अकादमी की शुरूआत हो रही है जहां खिलाड़ियो को प्रशिक्षित करेंगे। जिले के प्रभारी मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि यह बिलासपुर जिले के लिए गौरव का क्षण है। बहुप्रतिक्षित मांग आज पूरी हुई है। राज्य खेल परिसर का नामकरण स्व. बी.आर.यादव के नाम पर करने और अकादमी स्थापना के लिए मु यमंत्री का आभार व्यक्त किया। सांसद अरूण साव ने कहा कि यह परिसर क्षेत्र के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाएगा। संसदीय सचिव डॉ. रश्मि सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ का खेल के क्षेत्र में गौरवशाली इतिहास रहा है जिसमें एक नई कड़ी आज जुड़ी है।

बिलासपुर-कटनी-बिलासपुर मेमू स्पेशल ट्रेन 28 से

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा हेतु बिलासपुर-कटनी-बिलासपुर के मध्य मेमू स्पेशल ट्रेन का परिचालन प्रारंभ किया जा रहा है । गाड़ी संख्या 08747/ 08748 बिलासपुर-कटनी-बिलासपुर मेमू स्पेशल 28 सितंबर 2021 से आगामी सूचना तक प्रतिदिन चलेगी। गाड़ी संख्या 08747 बिलासपुर-कटनी मेमू स्पेशल प्रतिदिन बिलासपुर 06.00 बजे रवाना होगी तथा 14.00 बजे कटनी पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08748 कटनी-बिलासपुर मेमू स्पेशल प्रतिदिन कटनी से 14.20 बजे रवाना होगी तथा 22.15 बजे बिलासपुर पहुंचेगी। इन गाड़ियों का ठहराव बिलासपुर मंडल के सभी स्टेशनों में दिया गया है। इस गाड़ी में यात्रा के दौरान राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा जारी कोविड-19 के नियमों का आवश्यक रूप से पालन करना होगा।

दपूमरे जी एम आलोक कुमार ने भाटापारा से रायपुर तक सुपर फास्ट ट्रैन में यात्रा कर यात्रियों से किया संवाद

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक आलोक कुमार ने भाटापारा से रायपुर के मध्य गाड़ी संख्या 02280 हावड़ा-पुणे आजाद हिन्द सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन में निरीक्षण कर यात्रियों से सीधा संवाद किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने सामान्य, स्लीपर एवं वातानुकूलित कोचों मे यात्रियों से संवाद कर यात्री सुविधाओं के संबंध में चर्चा की। संवाद के दौरान अलोक कुमार, महाप्रबंधक ने गाड़ी संख्या 02280 हावड़ा-पुणे आजाद हिन्द सुपर फास्ट स्पेशल ट्रेन के स्लीपर कोचों एवं एसी कोचों में साफ-सफाई एवं स्वच्छता का निरीक्षण किया तथा यात्रियों से संवाद कर साफ-सफाई एवं स्वच्छता तथा यात्री सुविधाओं के संबंध में चर्चा की। महाप्रबंधक से वार्ता के दौरान ज्यादातर रेल यात्रियों ने ट्रेनों की साफ-सफाई एवं स्वच्छता के प्रति संतोष व्यक्त किया। इस दौरान आलोक कुमार, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा रेल यात्रियों से संवाद करते हुए कहा कि यात्रा के दौरान आप सभी साफ-सफाई एवं स्वच्छता का भरपूर ध्यान रखें एवं उपलब्ध कुड़ादान का समुचित उपयोग करें।

झारखंड के राज्यपाल रमेश बेस बिलासपुर पहुंचे

बिलासपुर। दो दिन के छत्तीसगढ़ प्रवास पर पहुचे झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस शनिवार को बिलासपुर पहुचे, छत्तीसगढ़ भवन में राज्यपाल को गॉड ऑफ ऑनर दिया गया। सांसद अरुण साव, पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल, बेलतरा विधायक रजनीश सिंह, मस्तूरी विधायक कृष्णमूर्ती बांधी, राष्ट्रीय महिला आयोग की सलाहकार हर्षिता पांडेय सहित भाजपा के नेताओ ने राज्यपाल का स्वागत किया। राज्यपाल ने राज्य सरकार के काम काज की जानकारी ली। और विपक्ष के कार्य की भी पूछ परख की। जाते-जाते राज्यपाल ने पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल से कहा पार्टी को देखे रहना। राज्यपाल रमेश बैस अपने पारिवारिक कार्यक्रम अकलतरी (बेलतरा) में शामिल होने शहर पहुचे थे।

बैजनाथ चंद्राकर बने नेफस्कैब के डायरेक्टर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ अपेक्स बैंक के अध्यक्ष बैजनाथ चन्द्राकर को नेशनल फेडरेशन ऑफ स्टेट को-आपरेटिव्ह बैंकस् का डायरेक्टर चुना गया है। नेशनल फेडरेशन ऑफ स्टेट को-ऑपरेटिव्ह बैंकस् नवी मुंबई के संचालक मंडल की बैठक में कोर्टयार्ड मेरियेट मुंबई में आयोजित बैठक में चन्द्राकर को डॉयरेक्टर चुने जाने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम एवं सहकारी क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। नेफस्कैब राष्ट्रीय स्तर की शीर्ष सहकारी संस्था है। नेफस्कैब के संचालक मंडल की बैठक में बैजनाथ चंद्राकर को नेफस्कैब का राष्ट्रीय डायरेक्टर बनाया गया। बैजनाथ चंद्राकर के नेफस्कैब के डायरेक्टर पद पर मनोनीत होने से सहकारिता के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर सशक्त प्रतिनिधित्व मिला है, इससे राष्ट्रीय स्तर पर सहकारी आंदोलन को नई दिशा एवं गति मिलेगी। बैजनाथ

ने कहा चन्द्राकर के राष्ट्रीय डॉयरेक्टर मनोनीत होने से छत्तीसगढ़ की सहकारिता क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण करने में तेजी आएगी और छत्तीसगढ़ में सहकारिता को बल मिलेगा। इस अवसर पर नेफस्कैब के राष्ट्रीय अध्यक्ष कोन्डुरू रविन्द्र राव, कृभकों के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. चंद्रपाल यादव, नाबार्ड के चेयरमेन डॉ.जी.आर. चिन्ताल, नाफेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. बैजन्दर सिंह, दिलीप संधानी पूर्व मंत्री गुजरात एवं संचालक गुजरात स्टेट को-आपेटिव्ह बैंक, को-आपरेटिव्ह बैंक एसोशिएसन अध्यक्ष धनश्याम भाई अमीन, नाफेड उपाध्यक्ष सुनिल कुमार मिश्रा, एनसीडीसी के प्रबंध संचालक संजय नायक आईएस, नेफस्कैब के प्रबंध संचालक बी.सुब्रमण्यम, अपेक्स बैंक छत्तीसगढ़ के डीजीएम भूपेश चंद्रवंशी, प्रबंधक अभिषेक तिवारी उपस्थित थे। सभी ने बैजनाथ चंद्राकर को संचालक बनाये जाने पर बधाई दी है। बैठक में बैजनाथ चंद्राकर ने नेफस्कैब में छत्तीसगढ़ को प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए सभी का आभार जताया और छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय सहकारी सम्मेलन का आयोजन का प्रस्ताव रखा जिसे सहर्ष स्वीकार किया गया है। बैजनाथ चंद्राकर ने बताया पूरे भारतवर्ष में किस पद होते हैं जिसमें 17 पद पूर्ण हो गया था लेकिन अभी 4 पद खाली थे जिसमें बोर्ड ऑफ डायरेक्टर ने छत्तीसगढ़ के लिए मुझे चुना है।

ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के लिए विशेष शिविर

बिलासपुर। नेहरू चौक पर ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के लिए विशेष शिविर लगा। शिविर में सैकड़ों की संख्या में लोग दोपहिया और चार पहिया अर्थात लाइट तथा हेवी व्हीकल के ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के लिए लोग पहुंचे। इसके कारण इतनी अधिक भी हो गई कि ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई । यहां दोपहिया वाहनों के लिए ड्राइविंग लाइसेंस बनाने वालों की भीड़ अधिक लगी रही। ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के लिए आने वाले लोगों में से अधिकतर युवा थे । दोपहिया वाहनों के लिए ड्राइविंग लाइसेंस बनाने पहुंचे कुछ लोगों ने बताया कि दरअसल इस शिविर में मात्र ढाई सौ रुपए में ही दोपहिया वाहनों के ड्राइविंग लाइसेंस बन रहे हैं। जबकि चाइस सेंटर में बनाने से साढ़े तीन सौ रुपए लग रहे है वहीं आरटीओ ऑफिस जाकर बनाने से 750 से भी अधिक रकम लग जाती है। हैवी ड्राइविंग लाइसेंस बनाने पर साढ़े तीन हजार से चार हजार तक लग जाते हैं। यहां कायदे से भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए यातायात पुलिस की व्यवस्था होनी चाहिए अन्यथा ट्रैफिक जाम और विभाग की वजह से कोई भी दुर्घटना हो सकती है।

महापौर हेमा देशमुख की लोकप्रियता से घबराई भाजपा : कसार

राजनांदगांव। शहर जिला कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष व शहर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव बबलु कसार ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वालंबन योजना के तहत नगरीय निकाय के नियम कानून उचित जांच कर हितग्राहियो को दुकान आबंटन किया गया है। एक सोची समझी रणनीति के तहत महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख की लोकप्रियता से घबराई भाजपा जनता को गुमराह करने के उद्देश्य से व सस्ती लोकप्रियता पाने विगत दिनो कमला कालेज रोड पर भाजपा एवम युवा मोर्चा के नेतृत्व मे चक्काजाम किया गया जो कि पुर्ण रूप से अनुचित है।

उन्होंने कहा कि कसर्वप्रथम भाजपा अपने पूर्व के कार्यकाल की जांच कराए क्योंकि भाजपा के शासनकाल मे पूर्व महापौर मधुसूदन यादव द्वारा सभी नियम कानून को ताक मे रख भ्रष्ट कार्यप्रणाली से मुख्यमंत्री स्वालंबन योजना के तहत दुकान आबंटन आवास आबंटन सहित गरीबजन को शासन द्वारा मुफ्त योजना के तहत मोबाइल साइकल वितरण जैसे अनगिनत भ्रष्ट कार्य कर भ्रष्टाचार का एक नया अध्याय लिख डाला। भाजपाइयो मे अगर हिम्मत हो तो पूर्व महापौर मधुसूदन यादव के पांच साल के कार्यकाल की जांच करा के दिखाए। अपनी इन्ही भ्रष्ट छवि के कारण ही छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव सहित पूर्ण प्रदेश के नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। उन?होंने कहा कि विपक्ष भूमिका निभाने के लिए इनके पास कोई मुद्दा ना होने के कारण भाजपा झूठ का सहारा लेते हुए जनता को गुमराह करने ऊलजुलूल कार्य कर रही है। जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है।

निंदा करने वालो में शहर जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव नासीर जिन्दरान, संयुक्त महासचिव भोजराज भिलावे, शहर जिला कांग्रेस सेवादल के कार्यकारी अध्यक्ष राजबहादुर मिश्रा, वरिष्ठ कांग्रेस सेवादल नेता लछ्मन सिन्हा, महासचिव बुधराम साहू, कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड प्रदेश अध्यक्ष विलियम बनसोडे, प्रदेश महासचिव हर्ष खोब्रागडे, शहर यंग ब्रिगेड अध्यक्ष सुनील पिल्ले, शहर कांग्रेस सेवादल सचिव गुड्डू मुगल, दक्षिण ब्लाक महिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष कुंती साहू, शहर जिला महिला कांग्रेस सेवादल महासचिव मनीषा बघेल, आकाश सारथी, युंका नेता विशु अजमानी, तौसीफ गोरी, सज्जाद जिन्दरान, दक्षिण ब्लाक कांग्रेस कमेटी संयुक्त महासचिव शुभम कसार, मेडिकल वार्ड नं 21 पार्षद प्रतिनिधि पिंकी गोलु साहु, उत्तर ब्लाक कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष जितेन्द्र चंद्राकर व समस्त कांग्रेस जनो ने निंदा करते हुए पूर्व भाजपा महापौर मधुसूदन यादव के पांच साल के कार्यकाल की जांच करने की मांग की ।

दिग्विजय कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया में धांधली का आरोप, एप्रोच पर एडमिशन दिए जाने का दावा

■ अभाविप ने किया विरोध प्रदर्शन, कई पात्र छात्रों को नहीं मिल पाया प्रवेश

राजनांदगांव। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद राजनांदगांव द्वारा दिग्विजय महाविद्यालय में हो रहे प्रवेश प्रक्रिया में धांधली के विरोध में ज्ञापन देकर विरोध दर्ज कराया है। महाविद्यालय में एक माह से प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। एबीवीपी ने आरोप लगाया कि यह देखने को मिल रहा है कि विद्यार्थी जब प्रवेश के लिए कॉलेज आते है तो उन्हें केवल कॉलेज का चक्कर काट कर निराश होकर वापस जाना पड़ रहा था और प्रवेश के नाम पर विद्यार्थियों को केवल तारीख पर तारीख ही दी जाती रही। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश सहमंत्री चिन्टू सोनकर और उनके साथियों ने तीन विषय पर मुखर होकर विरोध किया है। उन?होंने महाविद्यालय में प्रवेश में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कहा कि गणित संकाय में बीएससी प्रथम वर्ष के प्रवेश हेतु 23 सितंबर का काउंसलिंग हेतु तिथि दिया गया था किंतु गणित संकाय के प्रोफेसरो द्वारा पहले ही अपने कुछ परिचितों को प्रवेश दे दिया गया। जब उनसे इस विषय में सवाल किया गया कि 23 तारीख से पहले इन सीटों पर आप क्यों एडमिशन दिए गए तो वे इस विषय मे जवाब देने से बचते रहे।

सोनकर ने कहा कि कॉमर्स संकाय में 23 तारीख को काउंसलिंग का तिथि थी और इस काउंसलिंग हेतु अनेकों विद्यार्थियों ने आवेदन किया था। किंतु कॉमर्स संकाय में बिना प्रवेश सूची निकालें एडमिशन कर दिया गया। साथ ही कॉमर्स संकाय में बिना जाति प्रमाण पत्र होते हुए भी कुछ रसूखदार के एप्रोच पर उन्हें पावती के आधार पर प्रवेश दे दिया गया तो अभविप ने यह सवाल किया कि केवल एक विद्यार्थी को ही पावती के आधार पर क्यों दिया जा रहे हैं। यदि नियम है तो सबके लिए बराबर है। सभी को पावती के आधार पर प्रवेश दिया जाना चाहिए और यदि पावती के आधार पर प्रवेश नहीं दिया जा रहा है तो फिर किसी को पावती के आधार पर प्रवेश नहीं दिया जाना चाहिए। जिसका विरोध करने पर कॉमर्स संकाय के प्रोफेसरों ने बात को टाल गए। उन्होंने बताया कि कला संकाय में भी 23 सितंबर को काउंसलिंग की तिथि थी। इस तिथि में सभी विद्यार्थियों को यह कहा गया कि 23 तारीख को ही एसटी एससी ओबीसी और जनरल के विद्यार्थियों की प्रवेश सूची आ जाएगी किंतु शाम तक सभी विद्यार्थियों ने इंतजार किया फिर भी बीए का ओबीसी और जनरल का प्रवेश सूची जारी नहीं किया गया। केवल तीन लोगो का ही का लिस्ट जारी हुआ जो रसूखदार के एप्रोच से आए हुए थे। जिसका विरोध किया गया और कहा कि यदि लिस्ट जारी ही करना था तो सभी लोगों का करना था। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने दिग्विजय कॉलेज के प्राचार्य को अल्टीमेटम दिया है कि जल्द से जल्द इन तीनों मुद्दों पर निष्कर्ष निकाला जाए और दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो। नहीं तो आने वाले समय में अब अभाविप बड़े आंदोलन के लिए तैयार रहेगी। इस प्रदर्शन में मुख्य रूप से प्रदेश सहमंत्री चिंटू सोनकर, आशीष सोरी, शशि साहू, हरीश साहू, सौरभ रात्रे, डोमेन्द्र साहू, एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिजनेस

फिनटेक समाधान : ग्राहक सुरक्षा और आसानी सुनिश्चित करने के लिए माइक्रोफाइनेंस उद्योग को एक वरदान

रायपुर। माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र के डिजिटल परिवर्तन में वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) एक अमूल्य भूमिका निभा रहा है जो देश में 6 करोड़ से अधिक महिलाओं को बिना किसी गारंटी के ऋण प्रदान करता है। कोविड-19 के दौरान सामाजिक दूरी बनाए रखने के मानदंडों और आवाजाही पर अंकुश ने माइक्रोफाइनेंस संगठनों को ग्राहकों की सुरक्षा और आसानी सुनिश्चित करने के लिए फिनटेक समाधान तलाशने के लिए प्रेरित किया। कई संगठनों ने एक बटन के क्लिक पर ग्राहकों को टर्नकी सेवाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से ऐप्स और सेवाओं की शुरुआत की। सैटिन क्रेडिटकेयर नेटवर्क ने एक ऐप पेश किया जो ग्राहकों के लिए उनकी ऋण-पश्चात सेवाओं के लिए एक स्थान पर समाधान है। ऐप ग्राहकों को अपने सक्रिय ऋणों को देखने और प्रबंधित करने, भुगतान करने और वित्तीय विवरण डाउनलोड करने की अनुमति देता है। इसके अलावा, ग्राहक ऐप के माध्यम से ईएमआई का भुगतान कर सकते हैं, ऋण का आंशिक पूर्व-भुगतान या समय से पहले बंद कर सकते हैं, और भविष्य के भुगतानों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मुथूट माइक्रोफिन ने 'महिला मित्र' की शुरुआत की है जो एक ग्राहक ऐप है जहाँ ग्राहक किस्तों का भुगतान कर सकते हैं, ऋण ट्रैक देख सकते हैं, नए ऋण के लिए आवेदन कर सकते हैं, लीड को संदर्भित कर सकते हैं, शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

त्योहारों से पूर्व, अमेज़न इंडिया ने 110,000 से ज्यादा नौकरियों के अवसरों का सृजन किया

रायपुर। अमेज़न इंडिया ने घोषणा करके बताया कि त्योहारों से पूर्व कंपनी ने अपने ऑपरेशंस के नेटवर्क में 110,000 नौकरियों के अवसरों का सृजन किया है। नौकरियों का सृजन करने की कंपनी की प्रतिबद्धता के अनुरूप, इन अवसरों में भारत में मुंबई, दिल्ली, पुणे, बैंगलोर, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ और चेन्नई आदि शहरों में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष नौकरियां शामिल हैं। इन भर्तियों में से ज्यादातर लोग अमेज़न के एसोशियट्स के मौजूदा नेटवर्क में शामिल हो जाएंगे तथा उन्हें ग्राहकों के आर्डर सुरक्षित व प्रभावशाली तरीके से पहुंचाने के लिए पिक, पैक, शिप और आपूर्ति की प्रक्रिया में मदद करेंगे। इन नई भर्तियों में कस्टमर सर्विस एसोशिएट्स हैं, जिनमें से कुछ वर्चुअल कस्टमर सर्विस मॉडल का हिस्सा हैं। यह मॉडल अपने घर पर बैठकर काम करने का लचीलापन प्रदान करता है। ये नौकरियां उन 8000 नौकरी के अवसरों के अलावा दी जा रही हैं, जिनकी घोषणा अमेज़न ने इस माह भारत में अपने पहले करियर डे के दौरान की थी। ये नौकरियां 2025 तक देश में नई नौकरियों के 1 मिलियन अवसरों का सृजन करने की अमेज़न इंडिया की प्रतिबद्धता की ओर अगला कदम है।

अमेजन ने की ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2021 की घोषणा

रायपुर। अमेजन डॉट इन का फेस्टिव इवेंट द ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2021 इस बार 4 अक्टूबर 2021 से शुरू होगा लघु मध्यम उद्यमों को समर्थन देने की अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखते हुए अमेजन जीआईएफ 2021 लाखों छोटे विक्रेताओं को समर्पित है जिसमें 450 शहरों की 75,000 से अधिक लोकल दुकानें शामिल हैं जो देशभर के ग्राहकों को अपने उत्पादों के अद्वितीय चयन की पेशकश करती हैं जीआईएफ2021 विभिन्न अन्य कार्यक्रमों जैसे अमेजन लॉन्चपैड अमेजन सहेली अमेजन कारीगर के तहत अमेजन विक्रेताओं के उत्पादों के साथ ही साथ सभी श्रेणियों में शीर्ष भारतीय और वैश्विक ब्रांड्स को प्रदर्शित किया जाएगा। अमेजन इंडिया द्वारा वित्तपोषित और नील्सन द्वारा आयोजित हाल ही में किए गए एक अध्ययन के मुताबिक अमेजन डॉट इन पर विक्रेता इस फेस्टिव सीजन के लिए आशावादी हैंऔर सर्वे में शामिल 98 प्रतिशत विक्रेताओं का कहना है कि टेक्नोलॉजी को अपनाने और ई-कॉमर्स ने उनके व्याापार को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है सर्वे में शामिल 78 प्रतिशत से अधिक अमेजन विक्रेताओं ने नए ग्राहकों तक पहुंचने 71 प्रतिशत ने अपनी बिक्री में वृद्धि होने और 71 प्रतिशत ने अपने व्यवसाय में सुधार का उल्लेख फेस्टिव सीजन से उनकी शीर्ष अपेक्षाओं के रूप में किया है

इस घोषणा पर बोलते हुए मनीष तिवारी वाइस प्रेसिडेंट अमेजन इंडिया ने कहा इस साल का ग्रेट इंडियन फेस्टिवल स्थानीय दुकानों और लघु एवं मध्यम विक्रेताओं की दृढ़ता का जश्न है हम उनकी भावना से अभिभूत हैं और विशेषकर महामारी के कारण उत्पन्न हालिया चुनौती को देखते हुए उनके साथ भागीदारी करने एवं उनकी वृद्धि में मदद करने के लिए मिले अवसर से हम खुश हैं हम अपने ग्राहकों को व्यापक चयन मूल्य एवं सुविधा, उनके रुखुशियों के डिब्बे की फास्ट डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए निरंतर नए-नए प्रयास जारी रखते हैं ताकि वे अपने घर पर आराम और सुरक्षा के साथ फेस्टिव सीजन के लिए तैयारियां कर सकें।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 10 अक्टूबर को

4 से 11 अक्टूबर तक मनाया जाएगा मानसिक स्वास्थ्य जन जागरुकता सप्ताह

राजनांदगांव। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाएगा। वहीं इससे पहले मानसिक स्वास्थ्य जन-जागरुकता सप्ताह का आयोजन किया जाएगा जिसके अंतर्गत 4 से 11 अक्टूबर तक कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस दौरान लोगों को मानसिक अस्वस्थता के कारणों, लक्षणों तथा इससे बचाव हेतु उपायों की जानकारी दी जाएगी। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस-2021 के आयोजन के संबंध में संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं छत्तीसगढ़ द्वारा पत्र जारी कर सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। दिशा-निर्देशों के अनुसार इस वर्ष विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की थीम मेंटल हेल्थ इन एन युनिकल वर्ल्ड (असमान दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य) निर्धारित की गयी है। इस थीम पर जोर देते हुए विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के प्रति जन-जागरुकता के लिए जिले में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों में 10 वर्ष से अधिक आयु के स्कूली बच्चों, महिलाओं, किशोर व बुजुर्गों के लिए अलग-अलग जागरूकता शिविर लगाए जाएंगे।

शिविर के माध्यम से मनोरोगियों की पहचान एवं उपचार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जेल में भी मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। साथ ही गांवों में चौपाल, मानसिक स्वास्थ्य विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, आईईसी के अंतर्गत पॉम्पलेट, बैनर, पोस्टर, जागरूकता कार्ड का वितरण, सामुदायिक बैठक, रेडियो जिंगल्स, माईकिंग, वॉल पेंटिंग व स्थानीय सिनेमा घरों में प्रसारण आदि गतिविधियां की जाएंगी।

सोशल मीडिया पर चलेगा हैशटैग कैंपेन : संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं छत्तीसगढ़ से जारी पत्र में कहा गया है कि हैशटैग कैंपेन मेंटल हेल्थ फॉर ऑल फार्म इलनेस टू वेलनेसके तहत सोशल मीडिया प्लेटफर्म जैसे व्हॉट्सएप, ट्विटर व फेसबुक आदि के माध्यम से संबंधित गतिविधियों को साझा कर जागरुकता कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

चैंपियनों को किया जाएगा सम्मानित : चैम्पियन इन लाइफ कैंपेन के अंतर्गत ऐसे मानसिक मरीजों को चिन्हित किया जाएगा, जो उपचार के बाद स्वस्थ हो चुके हैं, ऐसे चैंपियनों एवं उनके परिवार वालों के विचार साझा करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त चैम्पियन इन लाइफकैंपेन में भाग लेने वाले मरीज जो स्वस्थ हो चुके हैं, उनको राज्य स्तर से प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया जाएगा।

बेहतर प्रदर्शन करने वाले सर्वश्रेष्ठ तीन जिले होंगे सम्मानित : विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के दौरान 4 से 11 अक्टूबर तक विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम किए जाएंगे। इस दौरान सामुदायिक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सर्वश्रेष्ठ तीन जिलों को राज्य स्तर से प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। उपरोक्त सभी गतिविधियां कोविड-19 से बचाव हेतु जारी गाइडलाइन का पालन करते हुए आयोजित की जाएंगी।

बच्चों को रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम पढ़ाने की योजना तैयार कर भेजने के निर्देश

अब हर जिले में व्यावसायिक शिक्षा के लिए होगा एक स्कूल : टेकाम

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

स्कूली शिक्षा में अब एक और बदलाव होने जा रहा है। प्रदेश के हर जिले में बच्चों को व्यावसायिक शिक्षा से जोड़ने के लिए एक स्कूल होगा। इसी साल से 15 अक्टूबर से व्यावसायिक शिक्षा की शुरुआत की जाएगी। रोजगारोन्मुखी कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा देकर युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए स्कूल शिक्षा मंत्री डा. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। मंत्री ने जिला शिक्षा अधिकारियों को मरम्मत योग्य शाला भवनों एवं भवन विहीन स्कूलों की सूची और उनका प्लान तैयार कर भिजवाने के निर्देश दिए।

कमजोर बच्चों पर होगा फोकस : कोरोनाकाल में पढ़ाई में कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। स्कूलों में बच्चों को पढ़ने-लिखने का अभ्यास कराया जाएगा। मंत्री डा. टेकाम ने निर्देश दिए हैं कि सभी जिला शिक्षा अधिकारी नियमित रूप से स्कूलों का निरीक्षण करें। अध्ययन-अध्यापन की स्थिति का मूल्यांकन करें और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने का प्रयास करें। ड्यूटी में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी।

स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में पठन अभ्यास प्रतियोगिता आयोजित कराई जाएगी। जिला स्तर पर यहां प्रतियोगिता दो अक्टूबर को आयोजित की जाएगी। इसके लिए स्कूल स्तर, संकुल स्तर, ब्लाक स्तर और जिला स्तर पर पठन अभ्यास प्रतियोगिता आयोजित की जानी है। उन्होंने कहा कि हर विकासखंड में स्कूली बच्चों की हस्तलिखित मैग्जीन भी बनेगी। इस मैग्जीन में शिक्षक द्वारा पढ़ाये गए विचारों को बच्चे हाथ से लिखेंगे और हर विकासखंड से एक मैग्जीन का चयन किया जाएगा। बच्चों की पढ़ने और लिखने की प्रतियोगिता की जांच उनके माता-पिता से करवाई जाए।

> स्कूलों में अब व्यावसायिक शिक्षा के लिए एक स्कूल होगा। इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।
> **- डा. प्रेमसाय सिंह टेकाम,** मंत्री, स्कूल शिक्षा

बच्चों की तिमाही परीक्षा अक्टूबर, छमाही होगी दिसंबर में होगी

कोरोना का असर अब कम हो गया है। स्कूली बच्चों के लिए इस साल तिमाही, छमाही परीक्षा आयोजित की जाएगी। स्कूल शिक्षा के प्रमुख सचिव डा. आलोक शुक्ला ने शिक्षा सत्र के कैलेंडर के अनुसार अक्टूबर में तिमाही और दिसंबर में छमाही परीक्षा आयोजित कराने के लिए निर्देश दिए हैं। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को कहा गया है कि वे परीक्षा की समय सारिणी का सही तरीके से पालन करें। जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि 15 दिनों में हर जिले से 500 ड्रॉपआउट बच्चों का पंजीयन वर्चुअल स्कूल में करा लिया जाए। पंजीयन उन्हीं बच्चों का कराया जाए, जिनके पास मोबाइल और नेट कनेक्टिविटी हो। इस साल स्कूली बच्चों की तिमाही, छमाही और वार्षिक परीक्षा समय पर आयोजित की जाएगी। तिमाही परीक्षा 10 अक्टूबर तक, छमाही परीक्षा 31 दिसंबर तक और वार्षिक परीक्षा बोर्ड परीक्षा की कक्षाओं को छो?कर 15 मार्च तक आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बच्चों के मूल्यांकन की रिपोर्ट को भी अपलोड कराने और विद्यालयों में महानदी, इंद्रावती, शिवनाथ और अरपा चार हाउस स्थापित कर बच्चों के मध्य विभिन्ना विषयों पर इंटर हाउस कांपटिशन कराने को कहा गया है।

लाइनमैन बिना किट के बिजली के पोल पर चढ़ा, करंट से एक की मौत, दूसरा घायल

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

अंतरराज्यीय बस स्टैंड के पास बिजली सब स्टेशन में काम के दौरान दो लाइनमैन करंट से झुलस गए, जिससे एक लाइनमैन श्रीराम पटेल की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरा लाइनमैन अमित साहू गंभीर रूप से घायल है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल अमित साहू को गंभीर हालत में कालडा अस्पताल में इलाज जारी है। टिकरापारा थाना क्षेत्र का मामला है। छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी महा संघ के संगठन मंत्री नीलाम्बर सिन्हा ने कहा कि मौत का कारण विभागीय लापरवाही है। कर्मचारियों को सुरक्षा किट दिया नहीं जाता, सुरक्षा किट अगर पहना होता तो आज उसकी मौत नहीं होती। पिछले 40 दिनों में रायपुर उत्तर में तीन घटना घटित हुई हैं। सभी में सुरक्षा का अभाव रहा है। सब स्टेशन मेंटेनेंस के दौरान पूरी बिजली बंद होने चाहिए। लेकिन पूरी बिजली बंद नहीं किया जाता है। इसी कारण बिजली दुर्घटना का कर्मचारी शिकार हो रहे हैं। अब तक तक 23 संविदा कर्मी भाइयों की मौत हो गई है। बाल कृष्ण साहू ने कहा कि लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई हो। ज़िम्मेदार अधिकारी कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं। मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है। हमारी मांग है कि इन पर कार्रवाई हो। साथ ही मृतक के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति के साथ मुआवज़ा राशि 25 लाख रुपये दी जाए। मौक़े पर मौजूद पुलिस जांच अधिकारी सालिक राम साहू ने कहा कि बिजली दुर्घटना में कवर्धा निवासी श्रीराम की मौत हो गई है। एक और घायल है, जिसे हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया गया है। पुलिस मर्ग क़ायम कर लाश को पंचनामा के बाद में पोस्टमार्टम के लिए मेकाहारा भेज दिया गया है। साथ ही बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। सब स्टेशन ऑपरेटर कोमल देवांगन, जेई अभिषेक चंद्रा मामले में बोलने से बचते रहे। इतना ही नहीं सब स्टेशन से मौका देखकर निकल लिए।

5 अक्टूबर को मुख्यमंत्री भूपेश आईजी-एसपी की लेंगे बैठक

- पुलिस में भर्ती और पदोन्नति को लेकर भी मांग गई है जानकारी

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आगामी पांच अक्टूबर को राज्य के सभी आईजी और पुलिस अधीक्षकों की बैठक लेंगे. राजधानी के न्यू सर्किट हाउस आडिटोरियम में होने वाली बैठक के लिए एजेंडा भेजकर बीते दस सालों का ब्यौरा मांगा है। दिया गया है. पुलिस हेड क्वार्टर (पीएचक्यू) ने 23 बिंदुओं पर जानकारी मंगाई है। प्रदेश में अपराधों एवं कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के दौरान दस सालों का ब्यौरा मांगा गया है. इसमें हिंसात्मक आंदोलन घटनाएं- जिनमें कानून व्यवस्था की रक्षा के लिये गोली चालन शामिल, वीवीआईपी प्रवास के दौरान उत्पन्न अप्रिय स्थिति की घटनायें, महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा के लिये उठाये गये कदम, अजा-अजजा की सुरक्षा के लिये उठाये गये कदम, यातायात में सुधार हेतु उठाये गये कदम, गंभीर अपराधों की रोकथाम के लिये उठाये गए कदम, मादक द्रव्यों के कारोबार पर नियंत्रण के लिये उठाए गए कदम, सांप्रदायिक/सामुदायिक तनाव की घटनाओं पर रोक लगाने के लिये उठाए गए कदम शामिल हैं। इसके अलावा नक्सलवाद के प्रसार पर रोक लगाने के लिए किए गए प्रयास, साइबर काइम पर नियंत्रण के लिए किए गए प्रयास, सामुदायिक पुलिसिंग के लिये किए गए प्रयास, पुलिसिंग में किए गए नवाचार पर टिप्पणी, जिला सुरक्षा योजना की प्रति, जिले में नाकेबंदी की योजना, किरायेदारों की चैकिंग, होटल चैकिंग, संदिग्धों की चैकिंग हेतु की व्यवस्थाओं पर टीप, कानून व्यवस्था पर प्रभावी नियंत्रण के लिए किए गए उपाय, सोशल मीडिया, मीडिया तथा फेसबुक आदि पर जिला पुलिस की उपस्थिति, चिटफण्ड घोटाले के पीड़ितों को राहत, जेल में निरूद्ध आदिवासियों की रिहाई, नक्सली ङ्क आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास नीति पर की गई कार्रवाई, रिक्त पदो के विरुद्ध भर्ती-पदोन्नति और फायर सर्विसेज में सुधार जैसी बात शामिल है।

निगम के सफाई ठेकेदारों के खिलाफ निगम अधिकारियों ने की कार्रवाई

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के स्वास्थ्य विभाग के अध्यक्ष ने नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी और जोन कमिश्नर की उपस्थिति में जोन क्रमांक 8 के तहत आने वाले माधव राव सप्रे वार्ड नम्बर 69 के ठेका सफाई कामगारों की कार्य पर उपस्थिति का औचक निरीक्षण कर उनकी गिनती करवाई। वार्ड नम्बर 69 हेतु निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्धारित संख्या 40 के स्थान पर 26 ठेका सफाई कामगार ड्यूटी पर उपस्थित एवं 14 कामगार अनुपस्थित मिले। निगम स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष राव ने निर्धारित संख्या से कम ठेका सफाई कामगार ड्यूटी पर उपस्थित मिलने पर वार्ड नम्बर 69 के अनुबंधित सफाई ठेकेदार अनिल गिलहरे पर तत्काल 20 हजार रू का जुर्माना लगाया और उन्हें नोटिस जारी की।

दीनदयाल जयंती पर भाजपा मंडल कार्यकारिणी की प्रथम बैठक

पायनियर संवाददाता ◄ कुम्हारी
www.dailypioneer.com

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के उपलक्ष्य में मंडल स्तरीय प्रथम कार्यकारिणी बैठक का आयोजन वार्ड ऋमांक 15 स्थित मंगल भवन में भाजपा मंडल अध्यक्ष पीएन दुबे कुम्हारी के नेतृत्व में किया गया। इस बैठक में प्रदेश के पदाधिकारी राकेश पांडे भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य छत्तीसगढ़, उपाध्यक्ष भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पाटन विधानसभा के छाया विधायक मोतीलाल साहू, अहिवारा छाया विधायक राजमहंत सांवलाराम डाहरे, भाजपा विधायक दल स्थाई सचिव जितेंद्र वर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष भिलाई जिला संगठन वीरेंद्र साहू, राम बिहारी वर्मा, राम प्यारी वर्मा, मारकंडेय तिवारी, अर्जुन सचदेवा, वीरेंद्र वर्मा, रामानंद मौर्या, घनश्याम वर्मा, योगेश साहू ने कार्यकारिणी बैठक को संबोधित किया । सभी वक्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जीवनी व जनसेवा के रूप में दिए गए योगदान को भी बताया गया। संबंधित जानकारियां बैठक में बताई गई युवाओं एवं मातृशक्ति वर्ग में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जीवनी सुनने की एकाग्रता देख उनका उत्साहवर्धन किया तथा एकजुट होकर भाजपा का ध्वज ऊंचा रखने के लिये प्रोत्साहित किया । समयभाव को ध्यान में रखते हुए संक्षिप्त उदबोधन में कार्यकर्ताओं में भाजपा की रीतिनीति को लेकर ऊर्जा का सँचार करते हुए दृढ़तापूर्वक आगे बढ़ने का आह्वान किया गया । देश मे भाजपा के विकास मॉडल व प्रदेश में किये गए कार्य को भी गिनाया। कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि आज हर भाजपा कार्यकर्ताओं का जीवन सामाजिक करण हो गया है। ऐसी गतिविधियों में समाज व पार्टी की नजर उन पर होती है। संगठन को साथ मे लेकर चलना ही पार्टी का धर्म होता है। वही यह भी कहा कि हर भाजपा कार्यकर्ताओं में राष्ट्र निर्माण का लोभ होना चाहिए। कार्यक्रम में सत्ता में बैठी कांग्रेस सरकार को भी कोसा गया बताया गया कि आज भूपेश सरकार में अपराध भय भ्रष्टाचार अपने चरम पर है।

राष्ट्रीय सर्व ब्राम्हण समाज महिला मंच की वर्षा शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त

रायपुर। राष्ट्रीय सर्व ब्राम्हण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललित मिश्रा ने वर्षा शर्मा कसडोल को प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मंच छत्तीसगढ़ एवं सह प्रभारी मध्यप्रदेश महिला मंच सर्व ब्राम्हण समाज पद पर मनोनित किया है। ललित मिश्रा ने ब्राम्हण समाज को छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में एकरूकता प्रदान कर सशक्त बनाने एवं समाज के प्रतिभाओं को आगे लाने के उद्देश्य से शर्मा को नियुक्त किया है। मिश्रा ने वर्षा शर्मा के दीर्घकालिन सामाजिक अनुभव तथा कर्मठता से समाज को नई दिशा देने के विश्वास के साथ शुभकामनाएं दी है। वर्षा शर्मा के नाम की अनुशंसा चेयरमैन राष्ट्रीय चयन समिति शरद द्विवेदी एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी की अनुशंसा पर हुई है।

छग फिल्म उद्योग में अब महिला निर्देशक की एंट्री

पायनियर संवाददाता ◄ बिलासपुर।
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ फिल्म इंडस्ट्री में अब तक पुरुष ही निर्देशन करते आए हैं। पर अब एक महिला निर्देशक की धमाकेदार एंट्री होने जा रही है। ये हैं पल्लवी शिल्पी, जो अभिनेत्री भी हैं और नाटकों का निर्देशन करती रही हैं। वे बस्तर के आदिवासियों के पलायन पर फिल्म बना रही हैं। यह बस्तर के घनघोर नक्सल प्रभावित अबूझमाड़ के एक गांव के एक आदिवासी परिवार की कहानी है। फिल्म के पहले चरण की शूटिंग पूरी हो चुकी है। जल्द ही दूसरे चरण की शूटिंग शुरू होगी। फिल्म के जनवरी-फरवरी तक रिलीज होने की संभावना है।

फिल्म का निर्माण निर्वाणोम फिल्म्स के बैनर तले हो रहा है। फिल्म के निर्माता विक्रांत झा हैं। वे राजनांदगांव के रहने वाले हैं। वे पिछले पांच वर्षों से फिल्म इंडस्ट्री में एडिटर हैं। इससे पहले भी वे एक फीचर फिल्म प्रोड्यूस कर चुके हैं। फिल्म में बॉलीवुड व छॉलीवुड के कलाकारों का जमघट है। फिल्म के मुख्य किरदार में नलीनिश हैं, जो द व्हाइट टाइगर, छिछोरे, गुलाबो सिताबो, रईस व भोर जैसी बॉलीवुड फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके हैं। वहीं उनके अपोजिट एनएसडी से पासआउट और शेरनी व सोनचिरैया जैसी फिल्में कर चुकीं संपा मंडल हैं। इसके अलावा जाने-माने एक्टर संजय बत्रा, छोटे पर्दे के मशहूर कलाकार सबर पराशर, सुहास बंसोड, अभिषेक बाबा, अरुण भांगे, भवानी शंकर, शिवा कुमार जैसे कलाकार फिल्म में अभिनय करते हुए दिखाई देंगे। फिल्म में अबूझमाड़ के 7 वर्षीय राजेश कोर्राम ने भी अभिनय किया है। राजेश मलखंभ के राष्ट्रीय खिलाड़ी हैं, जिन्होंने इस खेल में छत्तीसगढ़ को पहला गोल्ड मैडल दिलाया था। बताया जा रहा है कि फिल्म में राजेश का अभिनय देखने लायक होगा। नक्सली ज्यादती का शिकार राजेश और उसका परिवार नारायणपुर में रहता है। राजेश पोटा केबिन में रहकर अपनी पढ़ाई कर रहा है। फिल्म नारायणपुर के जंगलों में रियल लोकेशन्स पर शूट हुई है।

शूटिंग के दौरान पल्लवी शॉर्ट फिल्म बनी फीचर फिल्म

पल्लवी बताती हैं कि एक और फिल्म पर काम कर रही हैं. उस फिल्म के लिए वे प्रोड्यूसर और बैनर खोज रही थीं. तभी उनके दिमाग में एक शार्ट फिल्म का आइडिया आया, जिसे नेशनल-इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिखाया सके. यह एक आदिवासी परिवार की कहानी थी, जिस पर उन्होंने काम करना शुरू किया. रिसर्च और लोगों से बातचीत करते-करते लगा कि इस पर तो एक ब?िया फीचर फिल्म भी बनाई जा सकती है. फिर क्या था, शॉर्ट फिल्म को फीचर फिल्म में बदलने का काम शुरू कर दिया और जल्द ही नए सिरे से कहानी तैयार की गई. फिल्म की कहानी उन्होंने और संगीता निगम ने मिलकर लिखी है. पल्लवी कहती हैं-'अपनी-अपनी जमीन' नाम से बन रही यह फिल्म उनके लिए संभावनाओं के नए द्वार खोलेगी।

शूटिंग के दौरान पल्लवी, नलिनीश नील व अन्य साथी

पल्लवी के मुताबिक, उनका काम छत्तीसगढ़ में अपनी तरह का पहला काम है. फिल्म में बस्तर की समस्याओं के साथ वहां की कला-संस्कृति को भी बखूबी दिखाने की कोशिश की गई है. फिल्म किसी भी 'वाद' से ग्रसित नहीं है. जो जैसा है, उसे वैसा दिखाने की कोशिश की गई है. फिल्म आज के परिदृश्य पर है, पर बायोपिक नहीं है. फिल्म का विषय रोचक है, जो दर्शकों को पसंद आएगा. फिल्म में आदिवासी संगीत का ब?िया इस्तेमाल किया जा रहा है, जो लोगों को काफी कर्णप्रिय लगेगा.

फिल्म फेस्टिवल में भेजने की तैयारी

पल्लवी के मुताबिक, फिल्म में अबूझमा? की कहानी है. इसलिए फिल्म की शूटिंग रियल लोकेशन पर ही की जा रही है. फिल्म के पहले चरण की शूटिंग नारायणपुर के जंगलों में हुई है. इसमें जिला और पुलिस प्रशासन का भरपूर सहयोग रहा.

मंत्री डॉ.डहरिया के हाथों दिव्यांग साहू दंपति को मिला एक लाख का चेक

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

निःशक्तजन दंपति प्रदीप साहू और उनकी पत्नी सविता साहू को नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने आरंग में एक लाख रुपए का चेक प्रदान किया। इस दौरान मंत्री ने निःशक्तजन दंपति को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए खुशहाल जीवन की कामना की। समाज कल्याण विभाग के माध्यम से प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने वाले साहू दंपति ने मंत्री के हाथों राशि मिलने पर खुशी प्रकट करते हुए कहा कि शासन द्वारा निःशक्तजनों के लिए प्रोत्साहित करने चलाई जा रही योजना का लाभ उनके जीवन स्तर को भी प्रभावित करेगी। इस राशि से वे अपने स्वरोजगार से संबंधित कार्यों को बढ़ायेंगे। आरंग विकासखण्ड के ग्राम बैहार में रहने वाले साहू दंपति ने बताया कि उन्हें जब मालूम हुआ कि शासन द्वारा समाज कल्याण विभाग के माध्यम से दिव्यांगों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है तो उन्होंने अपना आवेदन प्रस्तुत किया था।

SHRI BALAJI INSTITUTE OF NURSING
RAIPUR (C.G.)
WALK IN INTERVIEW
M.SC. NURSING STAFF REQUIREMENT

Psychiatric Name	2	Professor/Asso.Prof
	2	Asst. Prof
Med. Surgical Nursing	2	Professor/Asso.Prof.
	2	Asst. Prof
Community Health Nursing	2	Professor/Asso.Prof.
	2	Asst.Prof
Child Health Nursing	2	Professor/ Asso.Prof.
	2	Asst. Prof.
Tutor	4	Minimum 1 Year exp.

Note : Experience : Professor 10 yr. 7 yr. Teaching,
Associate Professor 8 yr. 5 yr Teaching, Assistant Professor 3 yr Teaching
MOWA, RAIPUR (C.G.) Mob : 9827118884, 7694016816
E-Mail : sbsonraipur@rediffmail.com

SHRI BALAJI GROUP OF HOSPITALS & COLLEGES
संकल्प, समर्पित सेवा का
SHRI BALAJI
Institute of Nursing
छ.ग. शासन, छ.ग. नर्सिंग कॉन्सिल से मान्यता प्राप्त, छ.ग. आयुष विश्वविद्यालय से संबंध एवं छ.ग. पैरामेडिकल कॉन्सिल से अनुमति
ADMISSION OPEN
NURSING PROGRAMME
PARAMEDICAL PROGRAMME

B.Sc Nursing	4 years	Pathology technician	1 year
Post Basic Bsc Nursing	2 years	Operation theater tech.	1 year
M.Sc. Nursing	2 years	X-Ray technician	1 year
Medical Surgical Nsg.		Ortho and dresser tech.	1 year
Community Health Nsg.			
Child Health Nsg.			
Mental Health Nsg.			

HOSTEL FACILITY AVAILABLE FOR GIRLS & BOYS
मोवा, रायपुर (छ.ग.) मो. 7694016816, 8435018884, 9826242559
फोन : 0771-4241000,4241057 | वेब : www.balajinursingcollege.com

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी*
समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2021-23, दूरभाष नंबर 0771, 2972403